Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
HAPPY HOLI
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 25 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 68 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अवकाश की सूचना

होली के शुभ अवसर पर द फोटोन न्यूज कार्यालय में 25 और 26 मार्च को अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 28 मार्च को बाजार में आएगा। इस दौरान अपने शहर, झारखंड और देश-दुनिया की खबरों से खुद को अपडेट रखने के लिए... www.thephotonnews.com पर जाएं।

शुभकामना संदेश

होली के शुभ अवसर पर द फोटोन न्यूज परिवार की ओर से समस्त झारखंडवासियों व देशवासियों को हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

SHARE

सेंसेक्स	:	72,831.94
निफ्टी	:	22,096.75

SARAFA

सोना	:	6,285
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (सोमवार) : 06.06
सेहरी (मंगलवार): 04.34

BRIEF NEWS

उत्साह के साथ मसिहीयों ने मनाया खजूर पर्व

RANCHI : रविवार को ईसाई धर्मावलंबियों ने खजूर पर्व उत्साह के साथ मनाया। मसिहीयों ने खजूर की डाली हाथ में लिए प्रभु येसु के येरूशलम प्रवेश को याद किया। सुबह 6 बजे खजूर डाली के साथ हजारों विश्वासियों ने लोयला ग्राउंड से संतमारिया महागिरजा तक शोभायात्रा निकाली और गिरजाघर पहुंचकर चर्च की परिक्रमा की। चर्च प्रांगण में मिस्सा अनुष्ठान हुआ। इसके मुख्य अनुष्ठाता नए आर्च बिशप विंसेंट आइंद थे इनका सहयोग अन्य पुरोहितों ने किया। आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने अपने प्रवचन संदेश में कहा कि येसु खीस्त का येरूशलेम प्रवेश करना ही अंतीम यात्रा नहीं थी, बल्कि उनकी यात्रा तो स्वर्ग राज रहा है। उनकी इस यात्रा के हम सहयात्री बनते हैं। उनके दुखभोग के द्वारा हमें मुक्ति मिली है। इसके माध्यम से उन्होंने ईश्वर की मानव मुक्ति योजना को पूरा किया। येसु के दुख का चिंतन करते हुए उनकी मुक्ति योजना में हम भी शामिल होकर स्वर्ग राज की ओर यात्रा करें। उन्होंने कहा कि येसु के गधे पर सवार होना उनकी विनम्रता का प्रतीक है। शांति के लिए नम्रता का गुण आवश्यक है। येसु खीस्त सत्ता पलटने के लिए नहीं, बल्कि शांति और न्याय के राज्य की स्थापना के लिए पृथ्वी पर

लोकसभा चुनाव 2024 : भाजपा की पांचवीं लिस्ट जारी, इसमें 111 नाम, कई दिग्गजों पर दांव

कंगना रनौत मंडी, सीता दुमका, कालीचरण चतरा और ढुलू महतो धनबाद से ठोकेंगे दावा

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने रविवार शाम को पांचवी लिस्ट भी जारी कर दी। इस बार 111 उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं। बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए 302 उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर चुकी है। पांचवी लिस्ट में बीजेपी ने कई दिग्गजों पर दांव लगाया है। इसमें 90 के दशक के मशहूर धारावाहिक सीरियल रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल भी हैं, उन्हें मेरठ से उम्मीदवार बनाया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी से उतारा है। वहीं, रविवार को ही कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कोलकाता हाईकोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय को बंगाल की तामलुक सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। इधर, रांची-झारखंड की चतरा, धनबाद व दुमका लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गयी। चतरा से जहां कालीचरण सिंह को टिकट दिया गया है, वहीं धनबाद लोकसभा सीट से बीजेपी ने ढुलू महतो को अपना प्रत्याशी बनाया है। सीता सोरेन को दुमका से उम्मीदवार बनाया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी ने इससे पहले अन्य प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी। पिछले दिनों जारी बीजेपी की लिस्ट में दुमका से सुनील सोरेन के नाम की घोषणा की गयी थी, लेकिन अब इनकी जगह झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़कर बीजेपी में आयीं सीता सोरेन को उम्मीदवार बनाया गया है। तीनों लोकसभा सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। मालूम हो कि इससे पहले पहली लिस्ट में 195, दूसरी में 72, तीसरी में 9 और चौथी लिस्ट में 15 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे।

कंगना रनौत

अरुण गोविल

अभिजीत गंगोपाध्याय

सीता सोरेन

कालीचरण सिंह

ढुलू महतो

वरुण गांधी का कटा टिकट, जितिन को जगह

पीलीभीत से वर्तमान सांसद वरुण गांधी का टिकट बीजेपी ने काट दिया है। उनकी जगह पार्टी ने राज्य सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है जबकि उनकी मां मेनका गांधी को सुल्तानपुर से फिर से टिकट दिया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ओडिशा के संबलपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। कुछ देर पहले ही बीजेपी में शामिल होने वाले पूर्व सांसद नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एक बार फिर बेगूसराय से चुनाव लड़ेंगे जबकि केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय उजियारपुर से चुनाव लड़ रहे हैं। आरके सिंह को आरा से, रामकृपाल यादव पाटलिपुत्र से चुनाव लड़ेंगे।

वायनाड सीट पर राहुल गांधी से लोहा लेंगे सुरेंद्रन

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ वायनाड सीट से बीजेपी ने केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष के सुरेंद्रन को उम्मीदवार बनाया है। गौरतलब है कि बीजेपी अब तक 291 लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तराखंड, केरल और तेलंगाना समेत अन्य राज्यों के उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, भोजपुरी गायक पवन सिंह सहित घोषित उम्मीदवारों में से तीन ने विवाद होने के बाद अपने नाम वापस ले लिए हैं। चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित पार्टी के प्रमुख चेहरों के नामों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है।

नित्यानंद राय उजियारपुर व कुरूक्षेत्र से नवीन जिंदल

- नित्यानंद राय उजियारपुर से लड़ेंगे
- गिरिराज सिंह बेगुसराय से लड़ेंगे
- पटना साहिब से रविशंकर प्रसाद
- कुरूक्षेत्र से नवीन जिंदल
- बेलगाम से जगदीश शेट्टार
- चिक्काबल्लापुर से के सुधाकरन
- संबलपुर से धर्मेंद्र प्रधान
- बालासोर से प्रताप सारंगी
- पुरी से संबित पात्रा
- भुवनेश्वर से अपराजिता सारंगी

झारखंड की तीनों सीटों पर नए चेहरों को मौका

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में रविवार तीन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ कुल 13 सीटों पर बीजेपी प्रत्याशी घोषित किए चुके हैं। इनमें अन्नपूर्णा देवी, गीता कोड़ा व सीता सोरेन तीन महिलाएं शामिल हैं। झारखंड की चतरा लोकसभा सीट से कालीचरण सिंह को बीजेपी ने उतारा है। सुनील कुमार सिंह का पत्ता इस बार कट गया। उनकी जगह भारतीय जनता पार्टी ने कालीचरण सिंह पर भरोसा जताया। धनबाद लोकसभा सीट से सांसद पीएन सिंह (पशुपति नाथ सिंह) का पत्ता काटकर इस बार ढुलू महतो को प्रत्याशी बनाया गया है। दुमका से सीता सोरेन को सुनील सोरेन की जगह उम्मीदवार बनाया गया है। ये हाल ही में झामुमो छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई हैं। इन तीनों सीटों पर बीजेपी ने नये चेहरों को अवसर दिया है।

कांग्रेस ने 5वीं लिस्ट जारी की

राजस्थान से दो व महाराष्ट्र में एक कैंडिडेट की घोषणा

प्रताप सिंह

सुनील शर्मा

मुरारी लाल मीणा

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस ने रविवार को तीन कैंडिडेट्स के नामों का ऐलान किया। इसमें राजस्थान से दो और महाराष्ट्र से एक कैंडिडेट है। राजस्थान में जयपुर से प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया गया है। जयपुर से पहले सुनील शर्मा को टिकट दिया गया था। वहीं, दौसा से विधायक मुरारी लाल मीणा को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र की चंद्रपुर सीट पर प्रतिभा धनोरकर को टिकट दिया है। 2019 लोकसभा चुनाव में चंद्रपुर सीट पर प्रतिभा के पति सुरेश धनोरकर जीते थे। पिछले साल मई में सुरेश का निधन हो गया था। कांग्रेस ने 23 मार्च को 45 नामों का ऐलान किया था। अब तक कांग्रेस 186 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शनिवार देर रात चौथी लिस्ट जारी की। इसमें 11 राज्य और 2 केंद्र शासित प्रदेश के 45 नाम हैं। इस लिस्ट में राजस्थान की 3 में से एक सीट नागौर है। इसे कांग्रेस ने अपनी सहयोगी पार्टी आरएलपी के लिए छोड़ दिया है।

रांची में होलिका दहन की धूम

रांची-झारखंड की राजधानी में रविवार को होलिका दहन धूमधाम से मनाया गया। इसके लिए सुबह से ही तैयारी शुरू कर दी गयी थी। कई जगहों पर लकड़ी के ढेर रखे गये थे। दिन में होलिका दहनवाले स्थान की साफ-सफाई कर वहां लकड़ी के ढेर को सजाया गया और रात में पूजा-अर्चना कर इसे प्रज्जवलित किया गया। इसके बाद लोगों ने भगवान से नया साल अच्छे से बीते, इसके लिए कामना कर होलिका में पुआ, पकवान और चना का झंगरी, गेहूं की बाली सहित अन्य कुछ अर्पित कर यह फसल अच्छे से घर आये इसकी कामना की।

महाकाल में फूलों की होली हुई, अयोध्या में रामलला की पहली होली पर जुटे भक्त

देश में रविवार होलिका दहन हुआ। सोमवार को होली का पर्व मनाया जाएगा। उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के आंगन से रविवार को देशभर में होली की शुरूआत हुई। आज सुबह भस्म आरती में महाकाल के साथ फूलों की होली खेली गई। भगवान महाकाल का भांग, सूखे मेवों, चंदन, आभूषण और फूलों से राजा स्वरूप में शृंगार किया गया। पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में मौजूद श्रद्धालुओं पर भी पुष्प वर्षा भी की। आज संध्या कालीन आरती के बाद होलिका दहन किया गया। फिर मंदिर में भगवान को गुलाल और अबीर अर्पित किए गए। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला की ये पहली होली है। रविवार को अलग-अलग राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने रामलला के साथ होली मनाई। रामलला की एक तस्वीर भी सामने आई, जिसमें वे गुलाबी पोशाक पहने हुए दिखाई दिए। रामलला की पहली होली के लिए खास तैयारियां की गई है। भगवान के लिए कचनार के फूलों से खास गुलाल बनाया गया है। इसे नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने बनाया है। यह स्किन फ्रेंडली गुलाल है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने बताया कि गुलाल के साथ रामलला को कचौरी, गुजिया, पूड़ी, खीर और अन्य व्यंजनों का भोग भी लगाया जाएगा।

गुजरात जीता, रोहित शर्मा के 43 रन भी मुंबई को नहीं दिला सकी जीत

मुंबई लगातार 11वीं बार IPL सीजन का पहला मैच हारी, आखिरी 20 रन बनाने में खोए 5 विकेट

AGENCY NEW DELHI : गुजरात टाइटंस (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग-2024 के 5वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) को 6 रन से हराया। मुंबई ने लगातार 11वीं बार सीजन में अपना पहला मुकाबला गंवाया है। टीम को ओपनिंग मैच आखिरी जीत 2012 के सीजन में मिली थी। तब टीम ने सीएसके को हराया था। रविवार रात को अहमदाबाद में मुंबई 168 रन का टारगेट चेज करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 162 रन ही बना सकी। इससे पहले, गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। साई सुदर्शन ने 45 और कप्तान शुभमन गिल ने 31 रन का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट चटकाए।

उमेश व कमाल ने झटके 2-2 विकेट

जेराल्ड कूट्जी को 2 विकेट मिले। एक विकेट पीयूष चावला के खाते में आया। मुंबई की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 46 रन और रोहित शर्मा ने 43 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को सीजन की पहली जीत नहीं दिला सके। आखिरी के दो ओवर में स्पेंसर जॉनसन और उमेश यादव ने कमाल की गेंदबाजी की और 2-2 विकेट हासिल किए। इन दोनों से पहले मोहित शर्मा और अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी 2-2 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या के विकेट के बाद पियूष चावला भी आउट हो गए। उमेश की बॉल पर चावला ने डीपमिडविकेट पर शॉट खेला, बाउंड्री पर राशिद खान ने उनका कैच पकड़ लिया। आखिरी ओवर की तीसरी बॉल पर हार्दिक पंड्या ने उमेश यादव की बॉल पर पुल शॉट खेला, लेकिन बॉल सीधे लॉन्ग ऑन पर राहुल तेवतिया ने उनका कैच लपक लिया।

रोहित के बाद ब्रेविस भी अर्धशतक से चूके

169 रन का टारगेट चेज करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरूआत मिलीजुली रही। टीम ने पहले 6 ओवर में दो विकेट पर 52 रन बना लिए। ईशान किशन जीरो और नमन धीर 20 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस की जोड़ी ने 10वां ओवर डालने आए स्पेंसर जॉनसन की बॉल पर एक छक्का और दो चौके मारे। इस ओवर से 19 रन आए। 12वें ओवर में मोहित शर्मा से फॉलोथ्रू पर रोहित शर्मा का कैच छूटा। लोअर बॉल को रोहित को सामने की ओर खेला, लेकिन मोहित लो कैच नहीं पकड़ सके। 13वें ओवर की पहली बॉल पर साई किशोर ने गुजरात को तीसरी सफलता दिलाई। उन्होंने रोहित शर्मा (43 रन) को एलबीडबल्यू करके ब्रेविस के साथ अर्धशतकीय साझेदारी तोड़ी। 16वें ओवर की 5वीं बॉल पर मुंबई को चौथा झटका लगा। यहां मोहित शर्मा ने डेवाल्ड ब्रेविस को कॉट एंड बोल्ड किया। ब्रेविस 38 बॉल पर 46 रन बनाकर आउट हुए।

इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन ने मंजूरी दी, पीएम मोदी ने किया था नामकरण

चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट अब ऑफिशियली 'शिव शक्ति प्वाइंट'

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अगस्त 2023 को कहा था कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट को 'शिव शक्ति' गप्वाइंट कहा जाएगा। इस घोषणा के लगभग सात महीने बाद 19 मार्च को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) ने इस नाम को मंजूरी दे दी है। चंद्रयान-3 को श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर लैंडिंग की थी। इसके तीन दिन बाद पीएम मोदी वैज्ञानिकों से मिलने इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क पहुंचे थे।

चंद्रयान-3 के साथ कुल 7 पेलोड भेजे गए थे : चंद्रयान-3 मिशन के तीन हिस्से थे। प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर। इन पर कुल 7 पेलोड लगे थे। एक पेलोड जिसका नाम शेप है वो चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल पर लगा था। इसे चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाकर धरती से आने वाले रेडिएशन की जांच के लिए बनाया गया था। वहीं लैंडर पर तीन पेलोड लगे थे। रंभा, चास्टे और इल्सा। प्रज्ञान पर दो पेलोड थे। एक इंस्ट्रूमेंट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का भी है जिसका नाम है लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर अरे। ये चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगा हुआ है। ये चंद्रमा से पृथ्वी की दूसरी मापने के काम आता है।

- विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर लैंडिंग की थी

चार फेज में हुई थी लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग

इसरो ने 30 किमी की ऊंचाई से शाम 5 बजकर 44 मिनट पर ऑटोमैटिक लैंडिंग प्रोसेस शुरू की और अगले 20 मिनट में सफर पूरा किया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और 120 बार चंद्रमा की परिक्रमा की। चंद्रयान ने चांद तक 3.84 लाख किमी दूरी तय करने के लिए 55 लाख किमी की यात्रा की। बता दें कि इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू) की स्थापना 1919 में हुई थी। इसका मिशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से रिसर्च, कम्युनिकेशन, एजुकेशन और डेवलपमेंट सहित इसके सभी पहलुओं में खगोल विज्ञान को बढ़ावा देना और सुरक्षित रखना है। इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन के अप्रूव्ड सभी नामों का डेटाबेस गजेटियर ऑफ प्लेनेटरी नॉमनक्लेचर पर पब्लिश होता है। गजेटियर ऑफ प्लेनेटरी नॉमनक्लेचर की वेबसाइट को यूएसजीएस एस्ट्रोजियोलॉजी साइंस सेंटर मेंटेन करता है।

चांद पर भारत का यह तीसरा मिशन था, पहले मिशन में पानी खोजा था : 2008 में चंद्रयान-1 को लॉन्च किया गया था। इसमें एक प्रोब की क्रैश लैंडिंग कराई गई थी जिसमें चांद पर पानी के बारे में पता चला। फिर 2019 में चंद्रयान-2 चांद के करीब पहुंचा, लेकिन लैंड नहीं कर पाया। 2023 में चंद्रयान-3 चांद पर लैंड कर गया। चांद पर सकुशल पहुंचने का संदेश भी चंद्रयान-3 ने भेजा। कहा- 'मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं।'

पूर्वी सिंहभूम में 23 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार अस्पताल में भर्ती

CHAIBASA झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड की केंदुआ पंचायत के केंदुआ गांव के नीमडीह टोले में 23 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। इनमें 12 बच्चे शामिल हैं। रविवार को इन्हें एंबुलेंस से डुमरिया सीएचसी लाया गया, जहां इनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर की मानें, तो फिलहाल सभी स्वस्थ हैं। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को बाहा बोंगा पर्व मनाया गया था। इसमें परंपरा के अनुसार मछली खाने का प्रावधान है। अधिकतर लोगों ने टमाटर के साथ सूखी छोटी मछली खायी थी। आशंका है कि यही फूड प्वाइजनिंग का मुख्य कारण होगा। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम को ही कुछ लोगों को उल्टी शुरू हो गयी थी। हालत खराब होने के बाद इन्हें अस्पताल लाया गया। सीएचसी के चिकित्सक डॉ विनय तिवारी ने कहा कि तीन एंबुलेंस भेजकर सभी को सीएचसी लाया गया।

सर्वदा ज्वेलरी शॉप से दो करोड़ के जेवर का गबन

स्टॉक ऑडिट से खुलासा, आरोपी गए जेल

CRIME REPORTER RANCHI : लोअर बाजार थाना की पुलिस ने रविवार को मेन रोड स्थित सर्वदा ज्वेलर्स में स्टोर मैनेजर के पद पर कार्यरत मोहित नारंग ने दो करोड़ रुपये का जेवरात चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मोहित के अलावा एक अन्य कर्मचारी जीतन हाजरा को भी पुलिस ने जेल भेजा है। लोअर बाजार थानेदार ने बताया कि दुकान के संचालक ने आडिट किया तो उन्हें पता चला कि पिछले वर्ष सितंबर माह से आरोपित धीरे धीरे जेवरात चोरी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी मोहित को पकड़ा तो उसने बताया कि दुकान से वह जेवरात लेकर दूसरे लोगों के पास दिखाने जाता था। इसी दौरान आरोपी जेवरात निकालकर ले जाता था लेकिन पूरा जेवरात नहीं लौटाता था। मोहित दुकान के कर्मचारी जीतन को जेवरात देता था। जीतन जेवरात को गला देता था फिर उसे बेच देता था। आरोपी को शेयर बाजार में पैसा लगाता था।

- स्टॉक से 2277.657 ग्राम सोने का किया गबन
- पार्टरनशीप में दोनों आरोपी करते थे काम

BRIEF NEWS

गढ़वा में शराब ले जा रहे दो आरोपित गिरफ्तार

GARHWA : जिले के धुरकी थाना क्षेत्र में बोरा में भरकर शराब ले जा रहे दो आरोपितों को एफएसटी की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित में नगर उटारी का अभिषेक कुमार और मझियाओ का धनंजय सिंह शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह एफएसटी टीम के साथ समन्वय बनाकर की गई छापेमारी में मैक डॉवल्स के हॉफ 6 बोतल, इंपीरियल ब्लू के हॉफ 12 बोतल और गॉड फादर बीयर 24 बॉटल को जब्त किया गया। इस संबंध में सगमा बीडीओ सह एफएसटी टीम ने उत्पाद अधीक्षक को जानकारी दी है।

लातेहार एसपी ने वाहन से जब्त किये 2.99 लाख रुपये

LATEHAR : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रांची नम्बर के वाहन से लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र में एसपी अंजनी अंजन ने चेकिंग के दौरान 2.99 लाख रुपया बरामद किया। एसपी अंजनी अंजन विधि व्यवस्था को देखने खुद सड़क पर उतरे थे। बताया जाता है कि जिला में बनाए गए अंतर जिला स्तरीय चेकिंग प्वाइंट पर यह रुपये बरामद किए गए। शनिवार की देर रात मनिका थाना के पास एसपी अंजनी अंजन की मौजूदगी में जांच के क्रम में वाहन (जेएच01इएन4483) से अवैध रूप से लेकर जा रहे हैं 2,99, 500 लाख रुपए की बरामदगी की गई।

खूंटी में 24 कुंडीय राष्ट्र चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ का समापन

KHUNTI : मनुज देवता बने, बने यह धरती स्वर्ग समान, यही संकल्प हमारा जैसे युग गायन के साथ प्रारंभ हुए 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन पूणार्हुति के साथ रविवार को हो गया। 21 मार्च को लगभग 1100 मंगल कलशधारी श्रद्धालु महिलाओं-युवतियों की भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुए चार दिवसीय महायज्ञ का आयोजन स्थानीय खूंटी क्लब में चल रहा था। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित इस यज्ञीय कलश शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान यज्ञ एवम हवन के साथ प्रातः कालीन यज्ञ हवन के साथ कई संस्कार कराये गये। इनमें गुरुदीक्षा, विद्यारंभ, पुंसवन, नामकरण, यज्ञोपवीत, मुंडन संस्कार आदि शामिल हैं। भी कराए गए। साथ ही शाम में भव्य संगीतमय दीपयज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाएं अपने अपने घरों से थाल में दीप लेकर यज्ञस्थल पहुंची थी। प्रज्जवलित कर दीप यज्ञ में भाव आहुतियां डाली गई। टोली नायक ने व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, सहित सफल दाम्पत्य जीवन के सूत्र जैसे कई प्रासंगिक विषयों पर प्रकाश डाला।

पांकी व हुसैनाबाद में निकाला गया फ्लैग मार्च, अफवाहों से बचने की अपील

PALAMU : प्रशिक्षु आईपीएस गौरव गोस्वामी एवं पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के नेतृत्व में होली पर्व के मौके पर पांकी बाजार में फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने पांकीवासियों से अपील करते हुए कहा कि रंगों का त्योहार होली शांति और सौहार्दपूर्ण महौल में मनाएं। किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। अफवाह को बढ़ावा नहीं देना है। सोशल मीडिया की अफवाह से बचें। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता भी लागू है। उसमें डीजे और जुलूस बगैर अनुमति नहीं निकाले जाएंगे। पुलिस का असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रहेगी। वहीं हुसैनाबाद में पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड़ में है। विधि-व्यवस्था को लेकर रविवार को हुसैनाबाद के प्रशिक्षु आइएएस सह अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार महतो के नेतृत्व में प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च शहर के दिनेश चौक, गांधी चौक, अंबेडकर चौक समेत मुख्य बाजार में फ्लैग मार्च निकाल लोगों को शांतिपूर्वक होली मनाने की अपील की।

होली से ठीक एक दिन पहले पलामू में दो लोगों की हत्या

अपराधियों ने धारदार हथियार का किया प्रयोग, क्षेत्र में सनसनी

PHOTON NEWS PALAMU : होली से एक दिन पहले दो युवकों की हत्या कर दी गई। एक युवक की हत्या चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर सेमरताड़ स्थित कोयल नदी किनारे हुई, जबकि दूसरे की मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के नावाटोली इलाके में मार डाला गया। दोनों की हत्या तेज धारदार हथियार से की गई है। डबल मर्डर से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। इस घटना को दो गुटों की आपसी रंजीश से जोड़ कर देखा जा रहा है।

मृतकों की पहचान राजेश कुमार (20) एवं सुजीत भुइयां उर्फ. बौधा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रविवार सुबह राजेश और सुजीत कोयल नदी में शौच करने गए थे। इसी क्रम में दूसरे गुट के युवकों ने उनपर तेज धारदार हथियार से हमला कर दिया। राजेश के पिता देवनंदन ने बताया कि श्याम चौधरी, रामा चौधरी, कारू, मिथुन, नितेश और देव साव ने मिलकर हत्या की है। देवनंदन के अनुसार तेज धारदार हथियार से उसके बेटे को कोयल नदी में हत्या की गई, जबकि सुजीत को भगाने के क्रम में नावाटोली इलाके में खदेड़कर मार डाला गया।

जानकारी के अनुसार इस वारदात को दो युवकों के गैंग में पूर्व से चले आ रहे विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। कुछ महीने पहले इसी विवाद के कारण सेमाताड़ के श्यामा चौधरी पर जानलेवा हमला किया गया था। तेज धारदार हथियार से हमला करने के साथ-साथ फायरिंग भी की गई थी। हालांकि रांची में कुछ माह इलाज चलने के बाद श्याम चौधरी की जान बची थी। होली से एक दिन पहले खूनी होली खेले जाने से शाहपुर और सेमरटांड़ के इलाके में दहशत का माहौल है। होली जैसे पर्व पर सौहार्द का माहौल बिगड़ने से लोग परेशान हो गए हैं।

सरना समाज की बैठक में सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श

KHUNTI : अखिल भारतीय सरना समाज की रविवार को तोरपा प्रखंड के ममरला गांव में हुई बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, प्रखंड स्तर पर सरहुल मनाने सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता रेड़ा मुंडा ने की। मौके पर लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गयी और संपूर्ण सरना समाज से अपील की गई की कि सभी सरना धर्मावलंबियों से भाजपा के पक्ष में मतदान करें। बैठक में विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के विकास के लिए कटिबद्ध हैं. उन्होंने झारखंड के आदिवासी समाज के अर्जुन मुंडा को जनजातीय विभाग के अलावा केंद्र में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का भी कैबिनेट मंत्री बनाकर जनजातीय समाज को सम्मान दिया।

44 लाख रुपये के मादक पदार्थ के साथ, दो धराए

मीडिया को जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LATEHAR : पुलिस ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के सेमरसोत गांव में छापेमारी कर लगभग 44 लाख रुपये का मादक पदार्थ बरामद किया है। बरामद सामग्रियों में 4.2 किलोग्राम अफीम, 32 किलोग्राम गांजा और 46 किलोग्राम डोडा हैं। पुलिस ने दो आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें इंद्र देव गंझु और आदित्य गंझु शामिल हैं। दोनों बालूमाथ थाना क्षेत्र के सेमरसोत गांव के रहने वाले हैं।

इस संबंध में एसपी अंजनी अंजन ने रविवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना पर बालूमाथ डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने सेमरसोत गांव में छापेमारी की। इस दौरान आदित्य और इंद्रदेव के घर में अफीम, गांजा और डोडा बरामद हुआ। इसकी कीमत खुले बाजार में लगभग 44 लाख रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

पत्रकार वार्ता में बालूमाथ डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

सरना धार्मिक-सामाजिक व्यवस्था का संरक्षण जरूरी : दुर्गा कच्छप

PHOTON NEWS KHUNTI : तोरपा प्रखंड के जिबलोंग में रविवार को सरना धर्म सोतोः समिति शाखा अरहरा के तत्वावधान में सरना झंडागड़ी सह सरना धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। अजय तोपनो, जोहान तोपनो व ग्रेस तोपनो की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिडबोंगा की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई और विभिन्न मंडलियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सरना भजन प्रस्तुत कर भक्तिमय बनाया।

समारोह में मुख्य अथिति के तौर पर धर्मगुरु बगरय मुंडा और विशिष्ट अथिति दुर्गा कच्छप उपस्थित थे। इस अवसर पर धर्मगुरु बगरय मुंडा ने अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिडबोंगा की स्तुति से हमारी आत्मा में भक्ति व श्रद्धा बढ़ती है तथा समाज में प्रेम व भाईचारा की भावना पनपती है। इससे लोभ, लालच व अहंकार जैसे बुराइयां दूर होती है और जीवन में सुख, शांति और खुशहाली आती है।

विशिष्ट अतिथि दुर्गा कच्छप ने कहा कि सरना प्रकृति पर आधारित विश्व का प्राचीनतम धर्म है।इसमें आज भी सच्चाई, अच्छाई, ईमानदारी व निष्ठा है परंतु धार्मिक प्रतिस्पर्द्धा में धीरे-धीरे अपनी मूल अस्तित्व व अस्मिता लुप्त होती जा रही है। इससे न केवल धार्मिक-सामाजिक व्यवस्था कमजोर हुई है, बल्कि जल-जंगल-जमीन से भी बेदखल होना पड़ रहा है। मानव जीवन के समुचित विकास के लिए सरना धार्मिक-सामाजिक व्यवस्था का संरक्षण व संवर्धन जरूरी है।

खूंटी जिले में दो दिन मनाई जाएगी होली

KHUNTI : जिले में दो दिन मनाई जाएगी होली। कुछ जगहों पर सोमवार को तो कुद जगहों पर मंगलवार को होली मनाई जाएगी। इस संबंध में गणेश पंडित जी ने बताया कि रविवार को रात्रि 10.28 तक भद्रा है। भद्रा की समाप्ति के बाद 10.29 से 12.15 तक होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। उन्होंने बताया कि सोमवार को दिन के 11.31 तक पूर्णिमा तिथि है। उदया तिथि को मानने वाले मंगलवार को होली मनायेंगे। उन्होंने कहा कि मंगलवार को होली मनाना ही शास्त्रसम्मत है। इधर कुछ लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में होलिका दहन फगुवा या संवत काटने की परंपरा है। संवत या फाग कटने के दूसरे दिन ही रंगोत्सव मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है।

लापता युवक का शव डोभा से बरामद हत्या की आशंका, ग्रामीणों में आक्रोश

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : झारखंड के हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के घसकोडीह गांव से तीन दिन पूर्व लापता युवक का शव एक डोभे से बरामद किया गया है। रविवार की अहले सुबह डोभे में जमे पानी में शव को तैरता देख ग्रामीणों ने परिजनों को इसकी सूचना दी। घसकोडीह निवासी मनोज कुमार (17 वर्ष) पिता मेघी महतो पिछले 22 मार्च की दोपहर को अपने घर से लापता हो गया था। मनोज के पिता ने बरकट्ठा थाने में गुमशुदगी का आवेदन दिया था। मृतक मनोज कुमार अपने घर का इकलौता लड़का था। इसके निधन से घर का चिराग बुझ गया।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

ग्रामीणों की मदद से डोभे से बाहर निकाला गया शव : इस मामले की सूचना मिलने पर विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, जिप सदस्य कुमकुम देवी, उपप्रमुख सूरजी देवी, बरही डीएसपी सुरजीत कुमार, थाना प्रभारी राजेश भोक्ता घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से मृतक मनोज कुमार का शव डोभे से बाहर निकाला गया।

बुझ गया घर का चिराग : शव को देखने से प्रतीत हो रहा है कि किसी ने उसकी बेरहमी से पिटाई की और शव को पानी में डाल दिया है। उसके चेहरे पर कई जगह कटे के निशान हैं और चोट के भी निशान पाए गए है। घटना के बाद मौके पर परिजनों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गये। मृतक मनोज कुमार अपने घर का इकलौता लड़का था। इसके निधन से घर का चिराग बुझ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जांच के लिए पहुंची फॉरेंसिक टीम : ग्रामीणों में इस हत्या को लेकर आक्रोश है। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। इसके साथ ही मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की है। हजारीबाग से खोजी कुत्ता और फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस ने मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया।

सत्ता से चिपके रहने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है सरकार : सतीश पाल मुंजरी

PHOTON NEWS KHUNTI : लोकतंत्र के महापर्व में चुनावी मैदान में उतरने से पूर्व प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विपक्षी दलों एवं नेताओं को येन-केन प्रकरेन परेशान कर चुनावी मैदान को खाली कर किसी प्रकार सत्ता में कायम रहना चाह रहे हैं, लेकिन देश की जनता सब भली भांति देख व समझ रही है। लोकतंत्र को कुचलने में तुली भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को अपनी तानाशाही का खमियाजा आगामी चुनाव में भुगतना पड़ेगा। ये बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के अध्यक्ष सतीश पाल मुंजरी ने कही। मुंजरी रविवार को पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

जानकारी देते सतीश पाल मुंजरी। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व इनकम टैक्स द्वारा कांग्रेस पार्टी के सारे खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं, वह भी 7-8 साल पुराने मामले को लेकर, लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि चुनाव आयोग सहित अन्य सभी संस्थाएं इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस पुराने मामले में कांग्रेस पार्टी को 14.40 लाख रुपये जमा करना था। जमा करने में दो माह की देरी हुई, जिसपर तय प्रावधान के अनुसार पेनल्टी लगना था, लेकिन इस मामले में 210 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाना कानून एवं प्रावधान का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोल बोंड के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा डंडा चलाए जाने पर देश के सामने यह खुलासा हो गया कि किस प्रकार यह तानाशाह सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग कर चंदा दो, धंधा लो का गोरख धंधा चल रही थी।

उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कराए गए इंटरनल सर्वे में उन्हें यह पता चल गया है कि इस बार चुनाव में उनकी हार तय है। ऐसे में वे एजेंसियों और सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर चुनावी मैदान से विपक्ष को खाली कर किसी प्रकार सत्ता में कायम रहना चाह रहे हैं।

पूर्व आइएएस राजीव कुमार ने चतरा से लोकसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

PHOTON NEWS CHATRA : भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी राजीव कुमार चतरा संसदीय सीट से चुनाव लड़ेंगे। कुमार राज्य के पूर्व मत्स्य निदेशक रहे हैं। लातेहार के उपायुक्त और जेएसएलपीएस के सीइओ के पद पर भी पदस्थापित थे। कुमार ने चुनाव की घोषणा के बाद क्षेत्र का भ्रमण शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि चतरा लोकसभा क्षेत्र पिछड़ा है। इसके विकास की काफी संभावना है।

बैठक में शामिल पूर्व आईएएस राजीव कुमार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

क्षेत्र के ग्रामीणों से मिले, की बैठक

लातेहार के पूर्व उपायुक्त राजीव कुमार शनिवार को बालूमाथ प्रखंड के तसतबार गांव पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि चतरा लोकसभा क्षेत्र के लोगों की मांग पर उन्होंने क्षेत्र से चुनाव की लड़ने का मन बनाया है।

वोटिंग बढ़ाने के लिए डोर टू डोर चलेगा अभियान

रांची नगर निगम के उप प्रशासक अनवर हुसैन ने बैठक कर आगामी लोकसभा चुनाव में शहरी क्षेत्र के मतदाताओं की संख्या बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें, इसे प्राथमिकता के तौर पर लिया जाये। इसके लिए डोर टू डोर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि मतदान के दिन सबसे पहले वोट डालें।

इलेक्शन फूड फेस्टिवल का आयोजन

लोकसभा चुनाव 2024 में जन भागीदारी बढ़-चढ़ हो इसके लिए जिला प्रशासन हजारीबाग ने स्वीप कोषांग के माध्यम से इलेक्शन फूड फेस्टिवल का आयोजन किया। इन गतिविधियों से मतदाताओं के बीच मतदान के महत्व और उनके अधिकारों की जानकारी दी गयी। मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, विशिष्ट अतिथि जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैंसी सहाय, आइजी बीएसएफ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

चुनाव का पर्व देश का गर्व

कार्यक्रम की पूरी रूप रेखा इलेक्शन इन इंडिया के विषय पर आधारित था। रवि कुमार ने कहा कि इस बार का चुनाव काफी महत्वपूर्ण है। चुनाव का पर्व देश का गर्व है। शांतिपूर्ण चुनाव के लिए राज्य से लगभग चार लाख लोगों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। उन्होंने कहा इस चुनाव में 29521 मतदान केंद्रों में निर्धारित समय में एक साथ वोट डाले जायेंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि शांतिपूर्ण, भयमुक्त और समावेशी चुनाव में सबकी भागीदारी जरूरी है।

पुलिस ने 30 डिसमिल में लगी अफीम की खेती को किया नष्ट

PHOTON NEWS RANCHI : नशा कारोबारियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पिठौरिया पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में रविवार को सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के रारहा और पुशु गांव में लगभग 30 डिसमिल में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया। मौके पर पिठौरिया थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुवे बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पुशु पर औचक छापेमारी की गई जहाँ लगभग 30 डिसमिल में अफीम कि खेती लगी हुवी थी। सभी खेती को नष्ट किया गया है आगे जांच कर संबंधित लोगो पर एफआईआर कर कार्रवाई की जा रही है। गौतम कुमार राय ने थाना क्षेत्र पर नशा के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे है जिसमे अवैध महुवा शराब, जावा, भट्टी, सहित अफीम की खेती को नष्ट किया जा रहा है। छापेमारी में थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के अलावे एसआइ सत्यदेव प्रसाद सहित पुलिस के जवान भी मौजूद थे।

कांग्रेस का हाथ थामने के बाद पहली बार हजारीबाग पहुंचे जयप्रकाश भाई पटेल, बोले-

सोनिया गांधी व टेकलाल के सपनों को करेंगे पूरा

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद जेपी पटेल (जयप्रकाश भाई पटेल) पहली बार दिल्ली से हजारीबाग पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड के आंदोलनकारी नेता विनोद बिहारी महतो, शिबू सोरेन और टेकलाल महतो का बीजेपी और एनडीए में कोई महत्व नहीं देखा। टेकलाल महतो महागठबंधन के हमेशा प्रबल समर्थक रहे थे। हम इंडिया गठबंधन में शामिल होकर झारखंड को सजाने-संवारने का उनका सपना पूरा करने आये हैं। सोनिया गांधी ने झारखंड के विकास के लिए जो सपना देखा है, उसे पूरा करेंगे।

जेपी पटेल का स्वागत करतीं पूर्व विधायक ममता देवी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

टेकलाल महतो के सपने रह गए अधूरे

जेपी पटेल ने कहा कि राजनीतिक परिस्थितिवश पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा में शामिल हुए थे, ताकि टेकलाल महतो के सपने को पूरा किया जा सके, लेकिन वो अधूरा रहा। हजारीबाग लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन उम्मीदवार बनाती है, तो चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी। बीजेपी ने जिसे उम्मीदवार बनाया है, उन्हें 2011 के मांडू विधानसभा चुनाव में हराया था। यहां तक कि वे तीसरे स्थान पर रहे थे।

विधायक-मंत्री बनने के बाद बीजेपी ने दिया टिकट

चुनाव के समय पार्टी बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जिस तरह बिहार में बीजेपी के केंद्रीय और बिहार के सीएम नीतीश कुमार को मरते दम तक शामिल नहीं करने की बात कह रहे थे, लेकिन नीतीश कुमार के साथ दोबारा गठबंधन कर लिया। राजनीति में जनता की मांग सर्वोपरि है। जेपी पटेल ने कहा कि बीजेपी ने मुझे मंडल अध्यक्ष से विधायक नहीं बनाया था। हम दो बार के विधायक और मंत्री थे। इसके बाद पार्टी ने टिकट दिया। उसके बाद हमने मांडू में बीजेपी का खाता खुलवाया।

राहुल गांधी के प्रति युवाओं में दिख रहा रुझान

जेपी पटेल ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा झारखंड से जब गुजरी तो युवाओं में उनके प्रति काफी रुझान दिखा। सोनिया गांधी ने झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, पिछड़ों, अल्पसंख्यक और सभी समाज के विकास के लिए जो सपना देखा है, उसे पूरा करेंगे। जेपी पटेल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा सीट का समीकरण पूरी तरह से इंडिया गठबंधन के पक्ष में है। चुनाव में भी खुलकर दिखेगा।

श्री महावीर मंडल सुकुरहुटू के अध्यक्ष बने राजकुमार महतो

PHOTON NEWS RANCHI : सुकुरहुटू बाजार टांड में रविवार को श्री श्री महावीर मंडल केंद्रीय पूजा समिति सुकुरहुटू डॉल मेला समितिश की बैठक संपन्न हुई। इस आम सभा में सर्वसम्मति से वर्ष 2024 के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। इसमें सर्वसम्मति से राजकुमार महतो को पुनः अध्यक्ष और और बालचंद मुंडा को कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया। दोनों लोगों को दूसरी बार यह दायित्व सौंपा गया है। बैठक के शुरूआत में अध्यक्ष राजकुमार महतो ने उपस्थित पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व आमंत्रित सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कमेटी ने काफी कार्य किया। इस अवसर पर संरक्षक अंजय बैठा ने कहा कि श्री महावीर मंडल की सदस्यता सालों भर लोग ले सकें ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

इन लोगों को मिली जिमवारी : अध्यक्ष राज कुमार महतो, सचिव उनिल महतो, सह सचिव सतीश कुमार, शिव कुमार संतोषी, मनोज कुमार, उपाध्यक्ष रोहित बैठा, गौरीशंकर प्रजापति, बेनी महतो, सीताराम मुंडा, तारा नायक, उमेश साहू, नरेश महतो, नागेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष अनूप कुमार लोहरा संयोजक नसीब लाल महतो, हरे कृष्णा महतो, नागेंद्र महतो, हरिनाथ साहू संरक्षक अजय बैठा, शत्रुधन महतो, शानू महतो, बिनोद साहू, गौरीशंकर महतो, सुषमा देवी, अनिता मुंडा, बनिता मेहता, राम लखन मुंडा, बादल सिंह मुंडा, शालिख राम महतो, मुकुल नायक, प्रदीप ठाकुर, पारस नाथ महतो, मीडिया प्रभारी अनिल कुमार, देव पूजन ठाकुर, पुरूषोत्तम दास गोस्वामी, संचालन-प्रभात भूषण, दीपक कुमार, सचिन दास गोस्वामी शत्रुधन महतो, बिनोद साहू बनाये गए।

BRIEF NEWS

महिला के गले से चेन की छिनतई

RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र स्थित बरियातू हाउसिंग कालोनी में रहने वाली एक महिला के गले से अपराधियों ने सोने का चेन उड़ा लिया। महिला के पति प्रभात झा के बयान पर बरियातू थाना में केस हुआ है। प्रभात झा ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी हाउसिंग चौक से सामान लेकर आ रही थी। मोहल्ले में स्कूटी पर सवार दो युवक पहुंचे और चेन छीनकर फरार हो गए। महिला ने शोर मचाया लेकिन दोनों अपराधी लोगों की पकड़ से दूर निकल गए। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी की मदद से अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

बूटी मोड़-कांटाटोली सड़क का काम धीमा

RANCHI : राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण सड़क व बाइपास की तरह काम करने वाले नेवरी विकास से बूटी मोड़-कोकर-कांटाटोली-नामकुम आरओबी तक बन रहे फोरलेन सड़क का काम धीमा है। 15.21 किमी लंबी इस सड़के फोरलेनिंग के लिए 2022 में ही संवेदक एसआरई एंड एसोसिएट भागलपुर की कंपनी के साथ एक करारनामा किया गया था, लेकिन काम धीमी गति से चल रहा है। स्थिति यह है कि इस सड़क चौड़ीकरण-मजबूतीकरण का काम तय समय से दो माह विलंब से चल रही है। पथ निर्माण विभाग ने जनवरी 2024 तक ही इसे पूरा करने का लक्ष्य दिया था, लेकिन मार्च समाप्ति पर है और काम सिर्फ 50 फीसदी ही हो पाया है। अभी सड़क कई जगह उखड़ी है, चौड़ीकरण नहीं हो सका है। इस रोड में एक ब्रिज का भी निर्माण कार्य कराना है। ऐसे में 129.16 करोड़ की लागत से बन रही इस सड़क को पूरा होने में यह साल पूरा लग जायेगा। हालांकि, पथ निर्माण विभाग ने इंजीनियरों व संवेदकों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है, लेकिन अभी कई कार्य बाकी है।

मनरेगा कर्मी भी लगाए गए चुनाव कार्य में

RANCHI : राज्य के मनरेगा कर्मियों को भी लोकसभा चुनाव की ड्यूटी पर लगा दिया गया है। अनुबंध पर काम करने वाले इन मनरेगा कर्मियों से चुनाव संबंधी कार्य लिए जा रहे हैं। प्रत्येक दिन ब्लॉक में इन्हें चुनाव से जुड़े कार्य लिया जा रहा है। संबंधित जिला प्रशासन ने इसकी ड्यूटी लगायी है। इस वजह से मनरेगा का काम भी प्रभावित हो गया है। हालांकि, भारत निर्वाचन आयोग का इस संबंध में स्पष्ट निर्देश है कि अनुबंध कर्मियों से चुनाव से जुड़े कार्य नहीं कराना है फिर भी राज्य में बड़े पैमाने पर काम लिया जा रहा है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि काम करने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन इसके बदले सामाजिक सुरक्षा भी मिलने चाहिए।

सरकारी कार्यालयों व आवासों का लाखों बिजली बिल बकाया

RANCHI : झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से समय-समय पर छापेमारी अभियान चलाया जाता है। इस अभियान में अधिक बिजली बिल बकायेदारों और बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई की जाती है। लेकिन सरकारी कार्यालयों के बिजली बिल बकाया होने पर निगम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इन कार्यालयों से नोटिस के जरिये ही बिजली बिल भुगतान करने की गुजारिश की जाती है। झारखंड बिजली वितरण निगम की मानें तो सिर्फ राजधानी में कई ऐसे सरकारी कार्यालय है जहां बिजली बिल 52 लाख से भी अधिक है।

चुनाव के समय केंद्र सरकार ने कांग्रेस के बैंक खातों को किया फ्रीज, कैसे छपेंगे चुनावी बैलेट-पोस्टर

कांग्रेस के पास प्रचार-प्रसार तक के पैसे नहीं जनता के सहयोग से लड़ेंगे चुनाव : राजेश ठाकुर

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस के सभी अकाउंट को फ्रीज कर दिया गया है। कांग्रेस के पास अब प्रचार प्रसार तक के पैसे नहीं है। कांग्रेस पार्टी जनता के सहयोग और प्यार से चुनाव लड़ेंगे। यह बातें ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कही। ठाकुर ने कहा कि 18 वीं लोकसभा के आम चुनाव की घोषणा तो हो चुकी है। देश का हर एक नागरिक इसमें भाग लेने के लिए उत्सकु है। भारत पूरी दुनिया में अपने लोकतंत्र मूल्यों और आदर्शों के लिए जाना जाता है। किसी भी लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष चुनाव अनिवार्य होता है। राजेश ठाकुर ने कहा कि मालूम ही होगा ये रीसेंटली किन-किन देशों में ऐसा हुआ है। तो ये सत्ताधारी दल द्वारा एक खतरनाथ खेल खेला गया है। इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। पर यह स्पष्ट है कि इस तरीके से किसी राजनीतिक दल को असहाय बनाकर चुनाव लड़ने में बाधा उत्पन्न कर आए और फ्री एंड फेयर इलेक्शन कभी नहीं कहा जा सकता। राजेश ठाकुर ने कहा कि हम लोगों को पब्लिसिटी के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंदर स्लॉट बुक करने है। हमें सोशल मीडिया के अंदर इस्तेमाल करना है। हमें पोस्टर छपवाने हैं, हमें पैम्पलेट छपवाने है। अगर हम लोग वो काम भी नहीं कर सकते, तो किस प्रकार से लोकतंत्र जिंदा रहेगा और कैसा लोकतंत्र है यह।

- लोकतंत्र को बचाने के लिए मीडिया को भी अपनी भूमिका निभानी होगा
- कंपनियों को ब्लैकमेल कर चंदा उगाही की गई
- भाजपा ने तीन अवैध तरीके इस्तेमाल करके चुनावी बांड से पैसे हासिल किया
- होली के बाद सीट और प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर व अन्य।

कांग्रेस को फाइनेंशली पंगु बना दिया गया

ठाकुर कहा कि लोकतंत्र के उपर किस प्रकार का खतरा मंडरा रहा है, किस प्रकार से कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों के उपर हमला हुआ और ये कोशिश की जा रही है कि फाइनेंशियली कांग्रेस पार्टी को पंगू बना दिया जाए। ये केवल कांग्रेस पार्टी के खातों पर नरेन्द्र मोदी सरकार का हमला नहीं है, बल्कि भारत के लोकतंत्र पर हमला है। अगर प्रमुख विपक्षी पार्टी वित्तीय तौर पर पूरी तरके से पंगू हो जाए, कोई कार्य नहीं कर सके, पब्लिसिटी के उपर पैसा नहीं खर्च कर सके, कैंपेन के उपर पैसा नहीं खर्च कर सके, अपने कैंडिडेट को पैसे नहीं दे सके, तो फिर चुनाव किस बात का है और चुनाव की घोषणा हो चुकी है, पिछले एक महीने से हमारे अपने बैंक अकाउंट्स में पड़े हुए 285 करोड़ रुपए का हम इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं।

कांग्रेस ने टाइमिंग पर उठाया सवाल

राजेश ठाकुर ने कहा कि समय 2017-18 के एक केस को लेकर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 2017-18 के बेसिस के उपर सात साल बाद में जाकर हमारे बैंक के खाते अब जाकर फ्रीज किए हैं, उसकी जानकारी दी। मैंने कहा कि ये सात साल पुराने कैसे फ्रीज किए जा सकते हैं और टाइमिंग इसका कैसा है। हम लोगों के पास में मुख्यतः तीन बातें हैं कहने की। हर पॉलिटिकल पार्टी इनकम टैक्स से एग्जेप्ट होती है। कभी किसी ने भी पैनेल्टी इस तरह से नहीं दी, तो कांग्रेस पार्टी को अकेले क्यों चुना जा रहा है? दूसरा, इसकी टाइमिंग देखिए, 2017-18 का, मोती लाल वोरा जी के टाइम का और 1994-95 का, सीताराम केसरी जी का समय और केवल एक महीना पहले, चुनाव के घोषणा होने से पहले ये काम शुरू किया जाता है। ठाकुर ने कहा कि एक महीने से भी ज्यादा हम अपने पैसे जो हमारे वर्कर ने इकट्ठे किए हैं, वो हम इसका उसका इस्तेमाल नहीं कर पारहे हैं, ये कहां की डेमोक्रेसी है, ये कहा का लोकतंत्र रह गया है। तो इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं कि केवल हमलोग तो अपनी लड़ाई लड़ेंगे, लेकिन ये आप लोगों की भी लड़ाई है, मीडिया की भी लड़ाई है, देश की जनता की लड़ाई है। अगर आप इसके अंदर हमें समर्थन नहीं करेंगे, तो लोकतंत्र जिंदा नहीं रहेगा, ना आप रहेंगे, न हम रहेंगे।

210 करोड़ का पेनाल्टी कहां का लोकतंत्र

ठाकुर ने कहा कि हमारा टोटल जो है 14 लाख 40 हजार बनता है, जो 0.07 प्रतिशत है। तो सिर्फ 14 लाख 40 हजार जो हमारा 0.07 प्रतिशत है, उसकी वजह से हमारे ऊपर 210 करोड़ रूपए से भी अधिक का हमारे ऊपर लीएन मार्क करके हमें पैनेल्टी लगाई गयी है। तो आप सोचिए 14 लाख 40 हजार के बदले 210 करोड़ रूपए की पैनेल्टी हमारे उपर लगाई गयी है, ये कहा का लोकतंत्र है। वहीं दूसरी ओर चुनावी इलेक्ट्रॉल बांड के जरिए जबरन वसूली रैकेट भाजपा चलायी है। 2018 और 2024 के बीच, भाजपा को चुनावी बांड में कुल 16,518 करोड़ में से 8,252 करोड़ मिले। कांग्रेस पार्टी को केवल 1,950 करोड़ मिले, और इसे भी फ्रीज कर दिया गया है। जबकि भाजपा अपनी लूट को खर्च करने के लिए स्वतंत्र है। राजेश ठाकुर ने कहा कि कई पार्टियों को चुनावी बांड के माध्यम से धन प्राप्त हुआ, क्योंकि सभी दानदाताओं ने गुमनाम रूप से देना पसंद किया। हालांकि, केवल भाजपा सरकार चला रही हैं जिसके कारण उसका ईडी/सीबीआई/आयकर जैसी जांच एजेंसियों पर नियंत्रण है। इसलिए भाजपा ही बड़े पैमाने पर कंपनियों को मजबूर और ब्लैकमेल कर सकती हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि होली के बाद सीट और प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी किसी भी सीट पर कहीं कोई पेंच नही है।

ठाकुर ने कहा कि तीन स्पष्ट अवैध रास्ते हैं जिनका उपयोग भाजपा ने चुनावी बांड जुटाने के लिए किया। हफ्ता वसूली (जबरन वसूली) ईडी, सीबीआई या आयकर का उपयोग करके किसी कंपनी पर छापा मारना, और फिर कंपनी को छोड़ने के लिए हफ्ता (दान) मांगना। इस तरह 94 कंपनियों को निशाना बनाया गया, जिनमें शीर्ष 30 दानदाताओं में से 14 शामिल थीं। द न्यूज मिनट और न्यूजलॉन्ड्री की एक जांच में पाया गया कि पिछली चुनावी ट्रस्ट योजना के माध्यम से दान देने वाली 30 कंपनियों ने एजेंसियों द्वारा छापे जाने के बाद अपना दान दिया था। चंदा दो धंधा लो का रास्ता अपनाया भाजपा ने राजेश ठाकुर ने कहा कि चंदा दो, धंधा लो (प्रतिदान) कुछ मामलों में कंपनियों ने दान दिया और फिर ठेके प्राप्त किए, जबकि अन्य मामलों में उन्हें ठेके मिले और फिर दान के रूप में रिश्वत दी गई। 37 व्यापारिक समूहों ने चुनावी बांड दान दिया जिसके बाद उन्हें 4 लाख करोड़ रुपये की 243 परियोजनाएं सौंपी गईं। 4,000 करोड़ का चंदा पैदा हुआ 4 लाख करोड़ का धंधा। अन्य सात दवा कंपनियों की खराब गुणवत्ता वाली दवाओं के लिए जांच की जा रही थी जब उन्होंने चुनावी बांड खरीदे थे। दवाओं में व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले उत्पाद जैसे कफ सिरप, रक्तचाप की दवा और सीओवीआईडी -19 उपचार रेमेडिसविर शामिल हैं। भाजपा ने नकदी जुटाने के लिए भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ क्या समझौते किए गए। राजेश ठाकुर ने कहा कि 29 संदिग्ध शेल कंपनियां हैं जिन्होंने दान दिया। 19 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का उल्लंघन करने के उच्च जोखिम के कारण वित्त मंत्रालय की सूची में रखा गया था। उनकी गतिविधियों को मोदी सरकार की इस शर्त से मदद मिली कि किसी कंपनी के मुनाफे की कोई भी राशि चुनावी बांड के रूप में दी जा सकती है; पहले शुद्ध लाभ की 7.5 प्रतिशत की सीमा थी।

दीपिका सिंह पांडे पर कार्रवाई पार्टी क्यों करेगी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कांग्रेस विधायिका दीपिका सिंह पांडे पर ऑडियो वायरल होने के संबंध में पूछे जाने सवाल पर कहा कि कांग्रेस पार्टी कार्रवाई क्यों करेगी यह सब चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए चलता रहेगा। देश में लाखों करोड़ों के घोटाले का खेल का पदार्फाश हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा को पूरी तरह से नंगा कर दिया है, आप लोग जाकर नरेंद्र मोदी आज भाजपा वाले से सवाल क्यों नहीं पूछते हैं।

चुनाव की नाइट ड्यूटी में लगे कर्मियों व अधिकारियों का पारिश्रमिक भत्ता बढ़ा

मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग ने अधिसूचना जारी की, बैंक में आएगी राशि

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में लोकसभा चुनाव कराने के लिए आयोग दिन रात तैयारियों में जुटा है। चुनाव कार्य में ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग भत्ता देने का भी प्रावधान किया जा रहा है। इसके मद्देनजर चुनाव कार्य में नाइट ड्यूटी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त पारिश्रमिक भत्ता को बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग ने अधिसूचना जारी कर

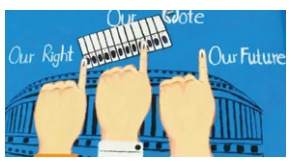

दिया है। इसके अनुसार कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में हुई वृद्धि एवं सप्तम वेतन आयोग द्वारा संशोधित वेतनमान आदि को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन कार्य में संलग्न पदाधिकारी-कर्मचारी को निर्धारित अवकाश के दिनों सहित सामान्य कार्यावधि में अधिक देर रात्रि तक काम करने के लिए संशोधित पारिश्रमिक का भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। पारिश्रमिक की राशि पाने वाले पदाधिकारियों-कर्मियों की पात्रता निर्धारण राज्य मुख्यालय स्तर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिला स्तर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी तय करेंगे। पारिश्रमिक राशि बैंक अकांउट में सीधे भेजी जायेगी। प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री के अनुमोदन से हस्ताक्षर से आदेश जारी कर दिया गया है।

रिटायर होने वाले शिक्षकों का भुगतान 3 माह में होगा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से रिटायर होने वाले अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारियों को रिटायरमेंट से तीन माह पहले सभी बकाया और प्रमाण पत्र दे दिया जाएगा। इसका निर्देश विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह ने लेटर जारी कर दिया है। तीन महीना पहले सारा काम करने का निर्णय इसलिए लिया गया है,

क्योंकि आए दिन रिटायर होने वाले कर्मचारियों का बकाया नहीं मिलने से वे कोर्ट पहुंच जाते हैं। जिसके कारण विभाग के काम में बाधा आती है। इन्हीं मामलों को देखते हुए विभागीय सचिव ने निर्देश दिया है। इसके लिए विभाग समेत प्रखंड स्तरीय शिक्षा कार्यालय में तैयारी किया जा रहा है। तैयारी पूरा होते ही काम शुरू किया जाएगा। यदि किसी के ऊपर विभागीय कार्रवाई चल रही है, तो उसे रिटायर होने के 7 महीने पहले सारे मामलों का निष्पादन करना है। जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय में एक कोषांग बनाना है।

शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर दो हजार जवान तैनात, 40 बाइक पर गश्त करेंगे पुलिसकर्मी

पांच बाइक दस्ते का होगा मूवमेंट, गश्ती से लेकर अपराधियों के घर मारेंगे रेड

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी में होली को देखते हुए रांची पुलिस हाई अलर्ट पर है। शहर के सभी प्रमुख चौक चौराहों पर जवानों की तैनाती कर दी गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए दो हजार जवानों को लगाया गया है। इधर, रांची में बढ़ते क्राइम को कंट्रोल करने के लिए रांची पुलिस ने नया तरीका अपनाया है। यह नया तरीका बाइक दस्ता है। जिसे एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने एक्टिव किया है। यह दस्ता पहले चरण में होली के दौरान एक्टिव होकर शरारती लोगों पर नजर रखेगा। इसके बाद शहर में हो रहे क्राइम को कंट्रोल करने में लग जाएगी। पुलिस कंट्रोल रूम से आज बाइक दस्ते को रवाना किया गया है। शहर के विभिन्न इलाकों में इन बाइक दस्ते का मूवमेंट भी होने लगा है।

हुड़दंगियों से निपटने के लिए लगाया जिग-जैग बैरिकेडिंग : होली के दौरान तेज गति से वाहन चलाने और हुड़दंग मचाने वाले लोगों को नियंत्रित करने के लिए रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहरी क्षेत्र में जिग-जैग बैरिकेडिंग लगाने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में भी होली के दिन ओवर स्पीडोग के कारण दुर्घटनाओं के मामले सामने आए हैं। इसी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात के निर्देशानुसार ओवर स्पीडींग और दुर्घटना को नियंत्रण करने के लिए रांची शहरी क्षेत्रान्तर्गत निम्नांकित यातायात थानान्तर्गत निम्न जगहों पर जिग-जैग बैरिकेडिंग लगाने का निर्णय लिया गया है। ये बैरिकेडिंग रविवार रात रात्रि 11 बजे से 27 मार्च की सुबह सात बजे तक लगा रहेगा।

- होली में हाई अलर्ट पर पुलिस, एसएसपी ने कहा किसी क्षेत्र में गड़बड़ी हुई तो नपेंगे थानेदार
- रांची एसएसपी ने होली पर हुड़दंगियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए बाइक दस्ता किया रवाना

बाइक दस्ते को ब्रिफ करते सिटी एसपी राजकुमार मेहता।

शहर के आठ थाना क्षेत्र में एक्टिव रहेंगे जवान

बाइक दस्ते में कुल 40 बाइक हैं। जिनमें 80 पुलिस पदाधिकारी और जवानों को तैनात किया गया है। शहर के आठ थाना क्षेत्र में इस बाइक दस्ते को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में पांच पांच बाइक दस्ते को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने ब्रीफिंग कर रवाना किया है। मौके पर सीसीआर डीएसपी राम सामद, इंस्पेक्टर बिमल किंडो सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। पुलिस की माने तो इनकी मदद से शहर के उन जगहों पर भी होने वाले क्राइम को रोका जा सकता है, जहां पुलिस के चार चक्के वाले वाहन नहीं पहुंच पाते हैं। इसलिए वायरलेस से सभी को लैस किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता के मुताबिक यह बाइक दस्ता ने केवल अपने निर्धारित थाना क्षेत्र में केवल गश्ती करेगा, बल्कि इनमें तैनात पदाधिकारी अपराधियों को चिन्हित भी करेंगे। उनके घरों में ये रेड भी करेंगे। अपराधियों पर नकेल कसने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि बाइक दस्ते को ब्रीफ भी किया गया है। उनके माध्यम से अपराधियों की गिरफ्तारी, आर्म्स की रिकवरी, नार्कोटिक्स की बरामदगी भी करने की कोशिश होगी। इसके अतिरिक्त कहीं लॉ एंड ऑर्डर में दिक्कत आती है तो वे तत्काल लोकेशन पर मूव कर समस्या को हल करेंगे।

कांग्रेस को दस्तावेज के साथ बहस करने के लिए भाजपा ने दी खुली चुनौती

टैक्स भुगतान में पार्टी डिफॉल्टर, झूठ बोलती है कांग्रेस : भाजपा

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि भारत के हर नागरिक और संस्था के लिए आयकर नियम बराबर है। भानु प्रताप शाही ने कांग्रेस के खाता फ्रिज करने के दुष्प्रचार पर हमला बोलते कांग्रेस को दस्तावेज के साथ बहस करने की खुली चुनौती दी। कहा कि कांग्रेस घोटालेबाज पार्टी है जो अपने घोटाले पकड़े जाने पर केंद्र सरकार, भाजपा और आयकर विभाग को कटघरे में खड़ा करके झूठी बातें करती है, लेकिन न्यायलय में आने बचाव के लिए दलील पेश नहीं कर पाती है।

बचाव के लिए दलील पेश नहीं कर पाती कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जे बी तुबिद ने कांग्रेस पार्टी के खाते को फ्रिज करने से संबंधित भ्रामक बयान पर कहा कि, कांग्रेस घोटाले बाज पार्टी है जो अपने घोटाला पकडे जानेपर केंद्र सरकार, भाजपा और आयकर विभाग को कटघरे में खडा करके झूठी बातें करती है, लेकिन न्यायालय में अपने बचाव के लिये दलील पेश नहीं कर पाती है। आयकर विभाग ने डिफॉल्टर होने के कारण कांग्रेस की बकाया टैक्स राशि 115 करोड के प्रयोग पर ही रोक लगाई है, न कि बैंक अकाउंट को फ्रीज किया है। उन्होंने कहा कि आयकर मामले में कांग्रेस के द्वारा अपने खाते फ्रीज होनेकी तुलना लोकतंत्र की हत्या से करना, देश का अपमान है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार ने इस मामले पर कहा कि कांग्रेस देश की घोटालेबाज पार्टी है।

आयकर विभाग ने डिफॉल्टर होने के कारण कांग्रेस की बकाया टैक्स राशि 115 करोड़ के प्रयोग पर ही रोक लगाई गई है, न कि बैंक एकाउंट को फ्रिज किया है। आयकर मामले में कांग्रेस के द्वारा अपने अपने खाते फ्रिज होने की तुलना लोकतंत्र की हत्या से करना देश का अपमान है। प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाईक एवं प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज भी उपस्थित थीं। भानु ने कहा कि कांग्रेस ने 1 लाख 80 हजार करोड़ का कोयला, 1 लाख 76 हजार करोड़ का 2जी स्पेक्ट्रम, 3600 करोड़ का हेलीकॉप्टर, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ गेम्स और 5000 करोड़ का नेशनल हेराल्ड घोटाला किया था। राहुल गांधी स्वयं स्टार्टड प्लेन में घूम रहे हैं और कह रहे हैं कि कांग्रेस के पास ट्रेन में आने जाने का भी पैसा नहीं है। सारे प्रावधानों की जानकारी होने के बावजूद भी कांग्रेस ने 14 लाख नगद चंदा लिया, 105 करोड़ का टैक्स बकाया होने के बावजूद मात्र 2.5 करोड़ ही जमा कराया। कांग्रेस ने उस समय कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं किया कि हमारे साथ अन्याय हो रहा है क्योंकि कांग्रेस इस बात से सहमत थी कि 105 करोड रुपए का आयकर वैध है। कांग्रेस ने आयकर मामले में हर न्यायालय और ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया लेकिन उन्हें हर जगह मुंह की खानी पड़ी।

सीता सोरेन की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगा झारखंड : प्रतुल शाहदेव

RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार द्वारा सीता सोरेन के जेड सिक्योरिटी के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट नहीं देने पर आपत्ति जताई है। ट्विटर (एक्स) पर ट्विट करते हुए प्रतुल ने कहा कि राज्य सरकार ने जेड सिक्योरिटी के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट देने से सीता सोरेन को मना कर दिया, जिसके कारण वह रांची नहीं आ पायी। आज सीता सोरेन का रांची आगमन तय था, लेकिन राज्य सरकार ने उनको जेड सिक्योरिटी कवर के लिए जरूरी इंतजाम देने से मना कर दिया है। जिसके कारण उनका दौरा टल सकता है। प्रतुल ने कहा कि हेमंत सोरेन पार्ट 2 सरकार का डर दिखा रहा है कि वह बहाने करके सीता सोरेन के दौरे को टालना चाहती है। सोरेन परिवार की मां समान बड़ी बहु के सुरक्षा के साथ खिलवाड़ को झारखंड कतई बर्दश्त नहीं करेगा।

आरपीएफ ने 24 किलो गांजा के साथ एक तस्कर को किया अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन से एक तस्कर को 24 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम गुलशन कुमार बताया गया है। वह उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का रहने वाला है। इसके पास से चार पैकेट में कुल 24 किलो गांजा बरामद किया गया।बरामद गांजा का बाजार मूल्य दो लाख 40 हजार बताया जा रहा है। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर हटिया स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर एक को व्यक्ति काले रंग का पिट्ठू बैग और एक ट्रॉली बैग के साथ संदेहास्पद स्थिति में देखा गया। संदेह के आधार पर उसके सामानों की जांच की गई तो गांजा बरामद किया गया। इसके बाद रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह के निदेर्शानुसार डीडी किट से जांच किया गया जो पॉजिटिव पाया गया।

BRIEF NEWS

कैनवस ने राउरकेला दिवस मनाया

ROURKELA : 'कैनवस' संगठन की ओर से राउरकेला दिवस के मौके पर रविवार को सेक्टर 17 मैदान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। राउरकेला इस्पात संयंत्र के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक को राउरकेला गौरब से सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता भवानी कवि और मिनती ढल सामन्था को भी सम्मानित किया गया। प्रमुख उड़िया सिनेमा गायकों ने मधुर संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

कवियों का हुआ सम्मान

ROURKELA : जिले में 7वां राज्य स्तरीय सारस्वत समारोह गोपबंधुपल्ली हाई स्कूल में आयोजित किया गया है।इस अवसर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों से आये प्रख्यात कवियों को रश्मिप्रभा सारस्वत सम्मान-2024 से सम्मानित किया गया है।

पूर्णाहुति के साथ तीन दिवसीय नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का हुआ समापन

ROURKELA : शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन मे नुआगांव गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान मे तीन दिवसीय नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ रविवार को समापन हुआ।इस अवसर जोकेता शिव मंदिर के पास तालाब से पवित्र जल कलश मे भरकर पूजन के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकली गयी। नुआगांव बाजार से होते हुए यज्ञ स्थल गायत्री शक्तिपीठ तक पहुंची।जिसमे सैकड़ो महिलाओ ने भाग लिया। 22 से 24 मार्च तक यह आयोंजन हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम मे नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार, युग संगीत, युग निर्माण योजना हेतु दिव्य शंदेश प्रवचन, दीपदान महायज्ञ हुआ। जिसमे वेदमूर्ति पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के द्वारा लिखे सद साहित्यो पर आधारित दिव्य ज्ञान का प्रवचन दिया गया । महायज्ञ की पूणार्हुति के साथ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुई।

भटली परिवार टाटानगर के संस्थापक का निधन

JAMSHEDPUR : शहर की धार्मिक संस्था श्रीश्री श्याम भटली परिवार, टाटानगर के संस्थापक हरिकिशन रूस्तगी का रविवार को इलाज के दौरान टीएमएच में निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को होगा। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार को दोपहर एक बजे सीतारामडेरा स्थित निवास स्थान से भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट के लिए प्रस्थान करेगी। वे अपने पीछे दो पुत्र गगन और पवन रूस्तगी समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बाहा के गीत-संगीत की धुन पर खूब झूमा मुंडा समाज

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित बारा फ्लैट परिसर में रविवार को आदिवासी मुंडा समाज, जमशेदपुर की ओर से बाहा पर्व मनाया गया, जिसमें गीत-संगीत की धुन पर मुंडा समाज के महिला-पुरुष खूब झूमे। टाटा स्टील फाउंडेशन के संयोजन से मुंडा संस्कृति के प्रकृति पर्व बाहा में बोंगा पूजा पाहन छोटे शंख द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के परशुराम सामंत, पवन संडील, राजश्री नाग, दुर्योधन मुंडा, बिष्णु बासा, निशा संडील, विशाल संडील, जयकिशोर सामंत, रुईबारी सामंत, मीना शंख, प्रकाश संडील, जयनारायण मुंडा, रोशन नाग, विवेक नाग आदि शामिल हुए।

कांग्रेस के आरोपों पर बिफरे सांसद , बोले-

कांग्रेस का कोई बैंक खाता फ्रीज नहीं हुआ

मीडिया को जानकारी देते सांसद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के आरोपों पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि कांग्रेस का कोई बैंक खाता फ्रीज नहीं हुआ है। साकची स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सांसद ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ का पुलिंदा खड़ा कर रही है। कांग्रेस के कई बैंक खाते हैं और बकाया कर का भुगतान नहीं करने की वजह से उनमें से केवल तीन-चार खातों को ही आयकर विभाग ने अटैच किया है। ये खाते फ्रीज नहीं, ये चालू हैं। लोकसभा चुनाव में अपनी निश्चित हार को देखते हुए कांग्रेसी नेता जनता को गुमराह करने वाली झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। एक तरफ राहुल गांधी कहते हैं कि उनके पास आने-जाने के लिए पैसे नहीं हैं, जबकि वह आए दिन चार्टर्ड प्लेन से यात्रा करते नजर आते हैं।प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश मंत्री सह जमशेदपुर लोकसभा प्रभारी नंदजी प्रसाद, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा भी मौजूद रहे।

पश्चिमी सिंहभूम में नक्सलियों के लेवी की रकम बरामद

CHAIBASA : पुलिस ने टोन्टो थाना क्षेत्र के जिम्की, इकीर और राजाबासा के जंगल में नक्सलियों के छिपाकर रखे गये लेवी का 10.50 लाख रुपये बरामद किया है। यह धन शीर्ष नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखा गया था। गिरफ्तार राजेश देवगम और जयपाल देवगम नाम के नक्सलियों की निशानदेही पर पुलिस ने इसे बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने लेवी रसीद, विस्फोटक सामग्री, तीन वायरलेस समेत कई अन्य सामान बरामद किए हैं।

एसएसपी ने होली के दौरान हुड़दंगियों पर खास नजर रखने के दिए निर्देश

शहर में फ्लैग मार्च करते एसएसपी व अन्य पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : होली पर जिला पुलिस कड़ी सतर्कता बरत रही है। होली के पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार को साकची सीसीआर परिसर में पीसीआर और टाईगर मोबाइल के जवानों को होली में लगातार गश्त करते रहने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि हुड़दंगियों पर खास नजर रखें। लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करे।

एसएसपी ने सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में पैदल मार्च किया। साथ ही शहर के अन्य थाना क्षेत्रों में संबंधित डीएसपी और थानेदारों ने फ्लैग मार्च निकाला। एसएसपी ने बताया कि होली को लेकर जिला पुलिस सक्रिय है। पूरे शहर को छह जोन में बांटा गया है। इसमें डीएसपी और मजिस्ट्रेट प्रभार में रहेंगे। विशेष तौर पर बाइक दस्ता बनाया गया है जो शहर में भ्रमणशील रहेंगे। रैश ड्राइविंग को लेकर 19 चेकपोस्ट बनाया गया है। उन्होंने कहा कि होली उत्साह के साथ मनाएं और नशे में गाड़ी ना चलाए। उन्होंने शहर वासियों को आपसी सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील करते हुए होली की शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस को पंगु बनाकर कैसे होगा निष्पक्ष चुनाव : बन्ना

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कांग्रेस का बैंक खाता फ्रीज करने को लोकतंत्र पर हमला बताया है। बिष्टुपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) में रविवार को प्रेस वार्ता में बन्ना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाकर मोदी सरकार कैसा लोकतंत्र चाहती है। 1994-95 और 2017-18 के मामले में कांग्रेस का 285 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिया गया है। अब कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार-प्रसार कैसे करेगी। एक दल को असहाय बनाकर निष्पक्ष चुनाव की बात करना भी बेमानी है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कार्रवाई ठीक चुनाव के पहले की गई है। इससे स्पष्ट है कि केंद्र की मोदी सरकार चुनाव में अकेले ही जाना चाहती है। यह किसी पार्टी पर नहीं, लोकतंत्र पर हमला है। संवाददाता सम्मेलन को कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने भी संबोधित किया।

जमशेदपुर में द्वारकापीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती का आगमन कल

संवाददता सम्मेलन में जानकारी देते समिति के मुख्य संरक्षक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज 26 मार्च को शहर आएंगे। श्री गुरुदेव सेवा समिति के मुख्य संरक्षक उमेश प्रसाद खिरवाल टप्पू ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अनंत श्रीविभूषित द्वारकाशारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज का आगमन 26 मार्च को संध्या 6 बजे जुगसलाई के एमई स्कूल रोड स्थित राजस्थान शीव मंदिर में होगा। अगले दिन 27 मार्च को राजस्थान शिव मंदिर में प्रातः 9.30 बजे से 11:00 बजे तक महाराजश्री द्वारा शिष्यों को गुरुदीक्षा प्रदान की जाएगी। इच्छुक श्रद्धालु, जिन्हें गुरुदीक्षा लेनी है वे प्रातः 9.30 बजे शिव मंदिर पहुंच कर गुरुदीक्षा ले सकते हैं। उसी दिन वे संध्या 4 बजे से प्रवचन देंगे, जिसमें विश्व कल्याण, मानव कल्याण एवं विश्व शांति प्रसंग पर महाराजश्री प्रख्यान देंगे। प्रवचन के पश्चात महाराजश्री उपस्थित भक्तों से मुलाकात करेंगे। शंकराचार्य 28 मार्च को संध्या 4 बजे घाटशिला प्रस्थान करेंगे।

संवाददता सम्मेलन में शुभम खिरवाल, विकास अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, लक्ष्य खिरवाल आदि भक्त उपस्थित थे।

डंपर व बाइक की टक्कर, पत्नी के सामने गई पति की जान

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के बिरसा चौक के पास बंडामुंडा रोड पर सड़क दुर्घटना रविवार को हुई। इस दुर्घटना में पत्नी के सामने ही पति की जान चली गई। जब पति-पत्नी बाइक से घर लौट रहे थे, तो सामने से एक डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। पति-पत्नी दोनों सड़क पर गिर गये। डंपर पति को कुचलते हुए मौके से भाग गया। मरने वाला जल्दा निवासी मनुआ तिर्की अपनी पत्नी के साथ घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। खबर मिलते ही डीएसपी निर्लम महापात्र समेत प्लांट साइट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को राउरकेला सरकारी अस्पताल भेजा। राउरकेला-बंडामुंडा मार्ग पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोगों में चिंता व्यक्त की। खराब सड़कों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। इसके अलावा अवैध पार्किंग के कारण सड़क भी संकरी हो गई है। आम लोगों द्वारा प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

पश्चिमी सिंहभूम में ट्रक ने बाइक को रौंदा, महिला सहित दो की मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75 ई पर रविवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंद दिया, जिससे महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घायल व्यक्ति को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

बताया जाता है कि रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75 ई पर चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बोरदा पुल के समीप खरसावां मोड पर रविवार अपराह्न 3:30 बजे तेज रफ्तार एक ट्रक ने बाइक को रौंद दिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गंभीर अवस्था में चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेजा। दुर्घटना में महिला समेत दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक चक्रधरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत केरा गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया है। जब्त ट्रक जमशेदपुर के एक ठेकेदार का है, जो सरकारी राशन लेकर चक्रधरपुर आया था। वह अनाज को खाली कर के वापस जमशेदपुर जा रहा तभी घटना हुई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

केंद्रीय मंत्री सह खूंटी से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

PHOTON NEWS CHAIBASA : केंद्रीय मंत्री सह खूंटी से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने रविवार को खूंटपानी के थोलको, भोया, बादेया आदि गांवों में जा कर जन संपर्क किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने केंद्र सरकार के उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा। मुंडा ने कहा कि विपक्षी दलों के पास नीति, नेता व नियत की भारी कमी है। भाजपा जहां राष्ट्र निर्माण के लिये राजनीति करती है, वहीं विपक्षी दल सत्ता का सुख पाने के लिये राजनीति करते है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य किया है। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज के हर वर्ग की चिंता की। 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम चल रहा है। आज भारत पूरे विश्व में एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। यह मोदी जी के दृढ़ संकल्प और दूरगामी सोच के कारण संभव हो पा रहा है। पहले लोगों को गैस का कनेक्शन के लिए पैरवी की जरूरत होती थी। लेकिन आज घर-घर कनेक्शन दिया जा रहा है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में एकलव्य आश्रम विद्यालय खोले जा रहे है।

मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ चाहे उज्ज्वला हो, किसान सम्मान हो, शौचालय हो, पीएम आवास हो, के माध्यम से लोगों को मिल रहा है।

मानगो के गांधी मैदान से निकलेगी हिंदू नववर्ष यात्रा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : हिंदू उत्सव समिति की ओर से इस बार 9 अप्रैल को हिंदू नववर्ष यात्रा मानगो के गांधी मैदान से निकलेगी, जो साकची स्थित सुभाष (आमबगान) मैदान तक जाएगी। इसे लेकर मानगो के हनुमान मंदिर में रविवार को बैठक हुई, जिसमें समिति के अध्यक्ष रवि सिंह ने बताया कि विशाल हिंदू नववर्ष यात्रा का शंखनाद सर्वप्रथम 21 उत्कृष्ट पंडित द्वारा किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति पारंपरिक परिधान में यात्रा की अगुआई करेंगी। इसमें पूरे कोल्हान व प्रदेश सहित ओडिशा व बंगाल से भी बड़ी संख्या में हिंदू धर्मावलंबी सम्मिलित होंगे।

यात्रा में कई प्रकार की झांकी रहेगी, जिसमें श्रीराम दरबार, हिंदू संस्कृति की झलक, भारत माता का रथ आदि होंगे। बैठक में समिति के संरक्षक कन्हैया सिंह, मानगो से दशरथ चौबे, प्रो. राजीव कुमार, मृत्युंजय सिंह, पूर्व सैनिक राजीव कुमार, सुशील सिंह, रविशंकर पांडेय सहित कई सदस्य शामिल थे।

अमर भवन परिसर में राजस्थान परिषद के होली हुडदंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में शामिल परिषद के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राजस्थान परिषद की ओर से रविवार को अमर भवन परिसर में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान परिषद के पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य एवं विशिष्ट सदस्यों ने भाग लिया।

र होली कार्यक्रम का शुभारंभ राजस्थान परिषद के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल के नेतृत्व में की गई।इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने पूर्व अध्यक्षों एवं सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें मिठाइयां खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान परिषद के अधिकारी एवं पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में राजस्थानी लोकगीत प्रस्तुत किया गया और सभी ने इस पारंपरिक लोकगीत पर नृत्य किये। राजस्थान परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा राजस्थानी लोकगीतों पर पारंपरिक राजस्थानी नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

होली पर इस कार्यक्रम का सभी ने आनंद उठाया। राजस्थान परिषद की पूर्व अध्यक्ष सरोज टेबरीवाल, तरूण मालानी उपाध्यक्ष जुगल मारोठीया, सचिव विनोद नरेड़ी, संयुक्त सचिव मनीस तोदी, कोषाध्यक्ष विनय शर्मा, सह

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने मिठाई दुकानों में की जांच

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला उपायुक्त के निदेर्शानुसार होली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने चाईबासा शहर स्थित मंगला हाट के किराना दुकान, चिकन झ मीट दुकान एवं शहर के मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया। मिठाई प्रतिष्ठानों में राजस्थान स्वीट्स, स्वीट इंडिया, अन्नपूर्णा मिष्ठान एवं आम्रपाली स्वीट्स का निरीक्षण कर नमूना संग्रहित किया गया। मंगला हाट स्थित चिकन एवं मीट दुकानों में फूड लाइसेंस नहीं पाया गया। चिकन एवं मीट दुकानों को खुले में मांस नहीं लटकाने, स्टील का चाकू प्रयोग करने और साफ सफाई रखने का कड़ा निर्देश दिया गया। मंगला हाट के किराना दुकानों में बेचे जा रहे अखाद्य तेल को खाद्य तेल से अलग रखने और पेकेज्ड मसाला पर फसाई लेबल अंकित हो सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सभी खाद्य कारोबारियों को फूड लाइसेंस प्रदर्शित करने, मिठाई खुले में बिक्री नहीं करने, मिठाई झ नमकीन आदि में अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने एवं पैकेज खाद्य सामग्री पर एफएसएसएआई के नियमानुसार लेबल लगाने का निर्देश दिया गया। खाद्य कारोबारियों को चेतावनी दी गई कि प्रामाणिक मात्रा में फूड कलर का इस्तमाल करें।

रामनवमी पर राउरकेला के सभी अखाड़ा कमेटियों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारी शुरू

महावीर अखाड़ा 1998 से निकाल रहा शोभायात्रा

बैठक में शामिल समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : 17 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राउरकेला के सभी अखाड़ा कमेटियों द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकालने के तैयारी शुरू कर दी गई है। जिसमे बिसरा चौक स्थित हनुमान मंदिर से श्री महावीर अखाड़ा की ओर से तैयार तैयारी शुरू हो गई है। हर साल की भांति इस साल भी रामनवमी शोभा यात्रा को बड़े धूमधाम से निकलने का निर्णय कमेटी द्वारा लिया गया है। 1998 मे जय बजरंग अखाड़ा पंच तीर्थ मंदिर से अलग होकर बिसरा चौक से श्री महावीर अखाड़ा का आरंभ जगन्नाथ शर्मा, स्व-सुनील अग्रवाल ,राकेश चक्रवर्ती, श्यामल चक्रवर्ती, राजू शर्मा, बबन चक्रवर्ती ,अशोक सिंह द्वारा शुरूआत की गई थी तब से लेकर लगातार हर वर्ष रामनवमी शोभायात्रा बड़े धूमधाम से श्री महावीर अखाड़ा द्वारा निकाला जाता है। इस बीच शहर के कई गणमन लोग अखाड़ा के अध्यक्ष रह चुके हैं जिसमें जगन्नाथ शर्मा ,धर्मनाथ जायसवाल ,हरिंदर बाबा प्रमोद शर्मा, श्यामल चक्रवर्ती, निहार राय शामिल हैं। अखाड़ा के प्रमुख सदस्य राकेश चक्रवर्ती ने बताया कि इस वर्ष श्री महावीर अखाड़ा 26 वा वर्ष के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकलने जा रही है। जिसमें कोलकाता से ढोल पार्टी को बुलाया जा रहा है,भव्य हनुमान की प्रतिमा तैयार की जा रही है।

आगामी नवरात्र के शुरूवात 9 अप्रैल से होगी एवं नवरात्र में मंदिर को लाइट से साज सज्जा कर दी गई है तथा नौ दिनों तक मंदिर परिसर में मां दुर्गा का आह्वान किया जाएगा। कन्या पूजन भी होगा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा 17 अप्रैल को नवमी के अवसर पर झंडा पूजन तथा सुन्दर काण्ड का पाठ किया जाएगा तथा 18 अप्रैल को शोभा यात्रा निकल जाएगी। इस वर्ष कमेटी के नए पदाधिकारी में जगन्नाथ शर्मा एवं पावना चाचा सलाहकार के अलावा अध्यक्ष वीरेंन पति धर्मनाथ जायसवाल महासचिव नागेश्वर पुष्टि को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा बबलू गुप्ता, श्यामल चक्रवर्ती, राजू शर्मा, सुजीत चौधरी, संतोष सिंह, गौतम साव, हरपाल सिंह पाली, तलविंदर सिंह बंटी, पिंटू शर्मा, रामेश्वर शर्मा, बैजनाथ शर्मा, अमन गुप्ता, अर्जुन सेठ, कमलेश गुप्ता, विकास सतपति, प्रिंस सिंह, दीपेश सिंह, सूरज देव शर्मा, अजय गुप्ता, कृष्ण वर्मा, छोटू, बिट्टू कुमार, शंकर शर्मा आदि को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप गई है।

अनंत उदय ट्रस्ट में होली मिलन का आयोजन, हर्बल रंगों से खेली होली

PHOTON NEWS ROURKELA : पूर्व में होली फागु और अबीर रंग से ही खेला जाता था। बाद में रासायनिक रंगों का व्यापक प्रयोग होने लगा। नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे लोग होली में रंग खेलने से दूर हो गए। अनंत उदय चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा होली और रंग खेल के पुराने गौरव को वापस लाने के प्रयास शुरू किए। होली से एक दिन पहले इस ट्रस्ट द्वारा राउरकेला के भंज भवन में हमारी राउरकेला हर्बल होली मनाई । इस दौरान रंग खेल, कृत्रिम बारिश में होली नृत्य और नृत्य प्रतियोगिता आदि के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस होली उत्सव की खास बात यह रही कि सभी ने हर्बल रंगों से होली खेली। यह रंग विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों से तैयार किया जाता है।प्रमुख सोशलाइट हेमा एक्का ने इस हर्बल रंगो को प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में राउरकेला शहर के कई गणमान्य लोग विशेष रूप से शामिल हुए। ट्रस्ट की अध्यक्ष राजलक्ष्मी पात्र की पहल पर इस तरह के होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

खुद को बताया राम का सच्चा भक्त,बोले- 28 मार्च को गया लोकसभा सीट पर नामांकन करूंगा

गया। बिहार के पूर्व सीएम एवं हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतन राम मांझी आज रामनगरी पहुंचे। अयोध्या जंक्शन पर पार्टी कार्यकताओं ने मांझी का स्वागत किया। यहां से मंदिर पहुंचे और भगवान रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। जीतन राम मांझी ने कहा, 28 मार्च को गया लोकसभा सीट पर नामांकन करूंगा। इसलिए नामांकन से पहले भगवान राम का आशीर्वाद लेने आया हूं। पूर्व सीएम मांझी ने खुद को राम भक्त बताते हुए लालू यादव पर तंज कसा। कहा- राम हमारी आस्था का केंद्र हैं। शबरी को हम पूर्वज मानते हैं। राम जी को शबरी ने सहारा दिया था। हम लोगों का राम से पुराना नाता है। उन्होंने अपने नाम पर तंज कसते हुए कहा, समाज के जो लोग खुद को राम भक्त कहते हैं, वह अपने नाम के पीछे टाइटल क्यों लगाते हैं। मेरा नाम जीतन राम है, मेरे नाम के पीछे राम है, हम राम के सच्चे भक्त हैं। बाहुबली की पत्नी को उम्मीदवार बनाने पर मांझी ने लालू पर कसा तंज बिहार के बाहुबली नेता अशोक महतो की शादी के बाद उनकी पत्नी अनीता देवी के चुनाव लड़ने पर मांझी ने कहा, लालू प्रसाद का यही कल्चर रहा है। सीवान के पूर्व सांसद शहाबुद्दीन को भी इसी तरह टिकट दिया था। अशोक महतो की पत्नी को टिकट दिया जाने में आश्चर्य की कोई बात नहीं है। बता दें कि लालू प्रसाद ने मुंगेर में जदयू के वर्तमान सांसद ललन सिंह के खिलाफ कुख्यात अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी

को आरजेडी की ओर से उम्मीदवार बनाया है। इसके लिए खरमास में पहले अशोक महतो ने शादी की। शादी के 24 घंटे के अंदर गुरुवार रात को लालू यादव ने अपने हाथ से नई नवेली दुल्हन को राजद का सिंबल सौंपा। मोदी और नीतीश की सराहना की गया से चुनाव लड़ने पर मांझी ने कहा, हम एनडीए में मोदी जी के प्यार, प्रतिष्ठा और निष्ठा के चलते आए थे। एनडीए में प्रधानमंत्री ने हमारे बेटे को एमएलसी बनाया, मंत्री बनाया, तीन विभाग दिए हैं। नीतीश कुमार ने सम्मान के साथ सपोर्ट भी किया है। बता दें कि पूर्व जीतन राम मांझी 'हम' सेकुलर पार्टी के संरक्षक हैं। इन्हें से गया लोकसभा सीट का उम्मीदवार बनाया गया है। बिहार में नरेंद्र मोदी का करिश्मा चलेगा मांझी ने कहा, बिहार में नरेंद्र मोदी का करिश्मा चलेगा। नरेंद्र मोदी, अटल बिहारी वाजपेई और जवाहरलाल नेहरू से भी कई गुना आगे आ चुके हैं। देश की वैश्विक, आर्थिक और घरेलू नीति सब में प्रधानमंत्री अव्वल हैं। पीएम मोदी देश के लिए जो कर रहे हैं, वह बहुत कम लोग करते हैं। जन-जन का एक ही नारा है, अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा, बिहार में राजद का सिक्का नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री के सामने सभी फेल होंगे। इंडिया गठबंधन को मांझी ने बताया मेंढक इंडिया गठबंधन को मांझी ने मेंढक बताया। कहा- मेंढक को एक तराजू में नहीं तोला जा सकता है। पटना की बैठक में ही इंडिया गठबंधन पर मैंने कहा था कि ऐसे लोग गठबंधन में एक साथ नहीं रह सकते। इनकी मंशा ही गलत है। यह सब लोग इंडिया गठबंधन में प्रधानमंत्री का पद भरने के लिए गए थे। दर्जन भर कैंडिडेट प्रधानमंत्री के दावेदार थे, गठबंधन तो टूटना ही था। अयोध्या में किशोर कुणाल से भी मिले मांझी गया लोकसभा से सांसद प्रत्याशी घोषित होते ही जीतन राम मांझी ने कहा था कि मैं राम लला का दर्शन करने अयोध्या जाउंगा। भगवान श्रीराम का दर्शन करने बाद गया लौट कर नामांकन दाखिल करूंगा। हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नंदलाल मांझी ने बताया कि आज हम के संरक्षक सह पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने अयोध्या पहुंचकर भगवान श्री राम लला का दर्शन किया। मांझी ने भगवान श्री राम से देश में सुख और चैन की मन्नत मांगी है। इस दौरान धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और बिहार के चर्चित कद्दर रहे किशोर कुणाल से भी मुलाकात की। परिवार थी था साथ जीतन राम मांझी के साथ उनकी पत्नी शांति देवी, बेटा प्रवीण मांझी, दामाद इंजीनियर देवेन्द्र मांझी, बेटी पूनम कुमारी, भतीजा नवीन मांझी, बहू प्रमिला और पुष्पा कुमारी, रिंकी कुमारी और टीनू देवी सहित नाती-पोता भी थे।

संक्षिप्त डायरी

राइफल की बट, हॉकी स्टिक से की पिटाई, हालत गंभीर; पहले भी घर में घुसकर की थी मारपीट

नालंदा। नालंदा में पूर्व के विवाद को लेकर बदमाशों ने पिता बेटे के साथ मारपीट कर रविवार को जख्मी कर दिया। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ारा गांव का है। जख्मी बड़ारा गांव निवासी रोशन पांडे एवं उनका बेटा त्रिपुरारी कुमार है। घायलों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से रोशन पांडे की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में रोशन पांडे ने बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा उन्हें रास्ते में घेर लिया गया। वह शौच कर घर लौट रहे थे। इसी बीच बदमाशों के द्वारा राइफल की बट, हॉकी स्टिक और डंडे से पिटाई कर दी गई। और उन्हें अधमरा खेत में छोड़ फरार हो गया। बीच बचाव करने आए उनके बेटे के साथ भी मारपीट की गई। जख्मी ने बताया कि 3 महीना पूर्व भी बदमाशों के द्वारा घर पर चढ़कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद गांव के ही बुद्धिजीवियों के द्वारा पंचायती कर मामले को निपटारा कर दिया गया था। और आगे से इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं करने की भी दूसरे पक्ष के लोगों को हिदायत दी गई थी। बावजूद फिर से उन्हीं लोगों के द्वारा जान मारने की नियत से मारपीट की गई है। 15 दिन पूर्व बेटे को भी रास्ते में घेर कर मारपीट की गई थी। नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। पूर्व के विवाद को लेकर घटना हुई है।

रिक्शेवाले की बेटी इंटर कॉमर्स में 5वीं स्टेट टॉपर

नवादा। नवादा की बेटी दीपाली कुमारी ने इंटर कॉमर्स में पूरे बिहार में 5वां स्थान हासिल किया है। दीपाली के पिता ई रिक्शा चलाते हैं और मां हाउस वाइफ है। वहीं, दीपाली का छोटा भाई प्रिंस कुमार 10वीं में पढ़ाई कर रहा है। दीपाली कुमारी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरिश्चंद्र बीघा नहर पर रहने वाले शंकर कुमार साव की बेटी है। दीपाली ने कॉमर्स में पूरे राज्य में 467 अंक लाकर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। खबर फैलते ही दीपाली को बधाई देने वाले काफी संख्या में लोग उसके घर पहुंचे। वहीं, पिता ने बेटी को रिक्शे पर बैठाकर बाहर घूमाया। दीपाली ने बताया कि उसे सीए बनना है, लेकिन मेरी माता-पिता की स्थिति सही नहीं है। हमें कोई बेहतर रास्ता मिलेगा तो हम अपने बिहार और अपने माता-पिता के साथ ही नवादा का भी नाम रोशन करेंगे। हम प्रतिदिन आज भी 10 बजे रात तक पढ़ते हैं। वॉट्सऐप पर हम 10 लड़कियां जुड़े हैं, जो एक दूसरे से सवाल करते हैं। किसी तरह की कोई परेशानी होती है तो हम मिलकर सॉल्व करते हैं। हमें आज अच्छा लग रहा है। हम अपने माता-पिता का नाम रोशन किए हैं। आगे भी इसी तरह राम रोशन करेंगे। वहीं, दीपाली की मां कहती है कि पढ़ाई के क्रम में अपना टारगेट पूरा करने के लिए कभी कभी 10 से 11 घंटों तक पढ़ाई रात में जग कर किया करती थीं। उधर, प्रिया की इस सफलता के बाद उसे बधाई देने वालों का तांता उसके घर पर लग गया है।

सब्जी दुकान लगाने को लेकर हुआ था विवाद, इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान गई जान

गया। गया में पीट-पीटकर सब्जी दुकानदार की हत्या कर दी गई। शनिवार को सब्जी की दुकान लगाने के विवाद में पीट-पीटकर गंभीर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन इलाज के लिए आनन-फानन में बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए। जहां से स्थित गंभीर देखते मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल को भेज दिया। वहां भी डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। इलाज के लिए पटना ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई। मृतक शेरघाटी थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनैती गांव के रहने वाले 28 वर्षीय अनील साव पिता देव कुमार साव है। घटना के बाद आक्रोशित परिजन थाने के पास पहुंचकर आरोपियों पर अभिलंब कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अनिल साव मगध विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के भौंरा बार गांव में अपने ससुराल में पत्नी और तीन बच्चों के साथ रह रहा था। वह हर रोज सब्जी बेचने जिंदापुर जाया करता था। कल भी वह सब्जी बेचने गया था। वह जिस जगह पर अपनी सब्जी की दुकान लगाता था। उसके स्थान पर किसी और ने कब्जा जमा लिया था। जिसे देखकर उसने विरोध किया। विरोध करने पर अनील साव पर लाठी डंडे लोहे के रड से हमला कर दिया गया। हमला करने वालों में कैलाश यादव, उपेंद्र यादव, मुन्ना यादव, संदीप कुमार और दीपू कुमार शामिल थे। सभी ने पीड़ित सब्जी विक्रेता अनिल साहू को इतना पीटा की वह अधमरा होकर जमीन पर गिर पड़ा था। घटना की जानकारी किसी तरह परिजनों को लगी, जिसके बाद परिजन घटनास्थल पहुंचे और गंभीर अवस्था में उसे इलाज के लिए ले गए थे बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मगध मेडिकल ले गए जहां से पटना ले जाने क्रम में मौत हो गई। मृतक अनिल साव की पत्नी प्रतिमा कुमारी ने मगध विश्वविद्यालय थाने में आरोपियों के नाम के साथ लिखित शिकायत की है। बड़ी संख्या में परिजन भी मगध विश्वविद्यालय थाना को पहुंचे हैं। घटना में शामिल अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग पर आने हैं। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। उनका कहना है कि अब हम लोगों को कौन देखेगा।

पूर्व सांसद बोले- जदयू के बाद अब बीजेपी में होगी टूट, दबाव में थे सीएम नीतीश

पटना। लोकसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही जेडीयू में भगदड़ मची है। रविवार को मोहम्मद अली अशरफ फातमी ने जदयू छोड़ने के बाद आज राबड़ी आवास पर राजद की सदस्यता ली। उन्होंने दावा किया है कि जदयू के बाद अब बीजेपी में टूट होगी। तो वहीं रामा सिंह ने भी राजद सुप्रीमो से मुलाकात की। फातमी ने कहा कि उन्होंने कहा कि राजद मेरा घर है। कुछ दिनों के लिये हम दूसरे जगह गये थे अब वापस अपने घर लौट आये है। लोकसभा चुनाव लड़ने उन्होंने कहा कि हमारे नेता लालू यादव जहां से देंगे टिकट वहां से हम चुनाव लड़ेंगे और जीत कर लोकसभा जाएंगे। बीजेपी से भी लोग आएंगे फातमी ने कहा कि जदयू में लोग परेशान हैं और सिर्फ जदयू हीं नहीं बीजेपी से भी लोग छोड़ कर आएंगे। पिछले 17 महीने से स्थिर सरकार चल रही थी। एक विकास वाली सरकार चल रही थी। पांच से सात लाख लोगों को नौकरी दी गई। सरकार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अस्थिर कर दिया। किसी ना किसी तरीके से मुख्यमंत्री पर भारी दबाव था। दबाव किस चीज का था ये मैं नहीं जानता।बिहार का भविष्य किसी के साथ खड़ा है तो वो है तेजस्वी यादव हैं। रामा सिंह ने भी की लालू से मुलाकात वहीं रामा सिंह ने रविवार को लालू से राबड़ी आवास जाकर मुलाकात की। उनके पहुंचते ही यह चर्चा तेज हो गई कि रामा सिंह या उनकी पत्नी वैशाली या शिवहर से चुनाव लड़ सकती हैं। वैशाली से पिछली बार लोजपा की वीणा देवी, आरजेडी के रघुवंश प्रसाद सिंह को हराकर चुनाव जीती थीं। चर्चा है कि आरजेडी यहां से रामा सिंह को लड़ा सकती है। बता दें शिवहर से बाहुबली आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद को जेडीयू टिकट दे रही है। शिवहर सीट पर महागठबंधन किसी वैश्य जाति की महिला को लड़ाना चाहती है। यह नाम रामा देवी या आरजेडी की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष का भी हो सकता है।

ड्यूटी खत्म कर पटना से जा रहे थे गांव, बेलगाम स्कॉर्पियो ने मारा; पटना रेफर

आरा(भोजपुर)। भोजपुर जिले के आराझपटना नेशनल हाईवे नगर थाना क्षेत्र के धनुपरा गांव के समीप शनिवार की देर शाम बेलगाम स्कॉर्पियो ने बाइक सवार पिताझपुत्री को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों जख्मियों को पटना रेफर कर दिया

गया है। जख्मियों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के चांदी गांव निवासी स्वर्ग सीताराम सिंह के 47 साल का बेटा मुन्ना कुमार सिंह एवं उनकी 17 साल की बेटी नंदनी कुमारी शामिल है। वही जख्मी मुन्ना सिंह पटना में रहकर पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। इधर, जख्मी मुन्ना सिंह ने बताया कि शनिवार की देर शाम पटना से ड्यूटी खत्म कर अपनी बेटी नंदिनी के साथ बाइक से गांव जा रहे थे।इस हादसे में दोनों पिताझपुत्री सड़क किनारे जख्मी हालत में खून से लथपथ होकर गिर गए। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें इलाज के लिए आरक्षण अस्पताल लाया गया जहां से गंभीर अवस्था में मुन्ना सिंह और उनकी बेटी को पटना रेफर कर दिया गया है। जख्मी युवक संदेश थाना क्षेत्र के बढ़िहा गांव निवासी कुंवर पासवान का 30 वर्षीय पुत्र मोहन कुमार है। कि वह पहले बाइक से नारायणपुर थाना क्षेत्र के बनौली गांव अपने दीदी के घर आया था। इसके बाद वह वहां से बाइक से मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारा बसंतपुर गांव अपने ससुराल जा रहा था।

नीतीश के खिलाफ बयानबाजी सुनील पिंटू को पड़ी भारी

पटना। जदयू ने लोकसभा चुनाव के लिए कैंडिडेट की घोषणा कर दी है। नीतीश कुमार ने लगभग 90 फीसदी सांसदों को एक बार फिर से रिपीट किया है। गठबंधन के नए समीकरण के तहत पार्टी को 16 सीटें मिली हैं। इनमें जदयू ने 13 सीटों पर अपने पुराने कैंडिडेट को ही रिपीट किया है। टिकट बांटने से पहले शुक्रवार को सीएम नीतीश कुमार ने अपने सभी सांसदों के साथ बैठक कर इसका मैसेज पहले ही दे दिया था। नीतीश कुमार के महागठबंधन में शामिल होने के बाद उनके खिलाफ लगातार बयानबाजी करने के कारण सीतामढ़ी के सांसद सुनील कुमार

पिंटू को इस बार पार्टी ने टिकट नहीं दिया। वहीं, सीवान जातीय समीकरण को साधने के लिए नीतीश कुमार ने विजयलक्ष्मी को टिकट दिया है। वे कुशवाहा समाज से आती हैं। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल से पाला बदल कर उन्होंने शनिवार को ही जदयू का दामन थामा था। गठबंधन के नए समीकरण के तहत गया और काराकाट की सीट जदयू से लेकर उपेंद्र कुशवाहा के रालोद और जीतन राम मांझी की हम पार्टी को दी गई है। इसके कारण यहां के सीटिंग सांसद विजय मांझी और रामबली सिंह पहले ही बेटिकट हो गए थे। दरअसल, विजय लक्ष्मी को सीवान में एंट्री दिलाकर नीतीश कुमार ने राज्य में लवकुश समीकरण को साधने की कोशिश की है। सीतामढ़ी में पिछड़े सुनील कुमार पिंटू का टिकट काट कर उन्होने सवर्ण देवेश चंद्र ठाकुर को टिकट दिया है। वहीं, जदयू के हिस्से में पहली बार आई शिवहर सीट पर उन्होंने सवर्ण लवली आनंद को टिकट दिया है। ऐसे में सीवान से पिछड़ा को टिकट देकर इसे बैलेंस करने की कोशिश की गई है।

शिवहर से लवली आनंद, सीवान से विजय लक्ष्मी तो वाल्मीकि नगर सुनील कुमार को टिकट

पटना। जेडीयू में मची भगदड़ के बीच पार्टी ने आज उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। शिवहर से लवली आनंद, सीवान से विजय लक्ष्मी तो वाल्मीकि नगर सुनील कुमार को टिकट मिला है। जेडीयू ने 4 सीटों पर कैंडिडेट बदले हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम सीवान की कविता सिंह का है, जिनका टिकट कटा है। उनकी जगह पर विजय लक्ष्मी कुशवाहा को पार्टी ने सीवान से टिकट दिया है। विजय लक्ष्मी कुशवाहा जीरादेई के पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा की पत्नी हैं। वो शनिवार को ही पार्टी में शामिल हुई हैं। इसके अलावा पार्टी ने सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू का टिकट काट दिया है। विधान

परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर जदयू को टिकट दिया गया है। उन्होंने इसकी घोषणा तीन महीने पहले ही कर दी थी। सुनील कुमार पिंटू लगातार पार्टी लाइन से इतर ये कहते आ रहे थे कि वे भाजपा के सिपाही हैं। केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर पिछली बार वो जदयू के सिंबल पर चुनाव लड़े थे। गठबंधन के तहत गया और काराकाट की सीट पहले ही जदयू के हिस्से से हटा ली गई है। इसकी जगह शिवहर सीट दी गई है। ऐसे में सीट शेयरिंग की घोषणा के साथ ही यहां के सिटिंग सांसदों का टिकट कट गया है। पांच दिन पहले एनडीए में सीट शेयरिंग में उसके हिस्से 16 सीटें आई हैं, जबकि बीजेपी 17, चिराग की पार्टी को 5 सीटें मिली हैं। जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को एक-एक सीट दी गई है। जीतन राम मांझी गया से और उपेंद्र कुशवाहा काराकाट से चुनाव लड़ रहे हैं। बाहुबली आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद पांच दिन पहले ही आरजेडी छोड़कर जेडीयू जॉइन किया। इसके पहले नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट के दौरान उनके बेटे और शिवहर से आरजेडी विधायक ने पाला बदल लिया था। उसी समय तय हो गया था कि लवली आनंद शिवहर से जदयू की प्रत्याशी होंगी।

होली पर बिहार के 12 जिलों में बारिश-वज्रपात का अलर्ट

पटना। बिहार के कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। जहानाबाद, पटना में सुबह-सुबह कोहरा देखने को मिला। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के कई जिलों में होली पर बारिश की संभावना है। पटना समेत बिहार के दक्षिणी भागों में 25-26 मार्च को बादल छाए रहेंगे। साथ ही गरज के साथ बारिश का भी पूवार्नुमान है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, हिमालय के तराई वाले भागों के 12 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। इन जिलों में पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, किशनगंज, सुपौल, अररिया, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार और मधेपुरा शामिल है। यहां हल्की बारिश और वज्रपात की

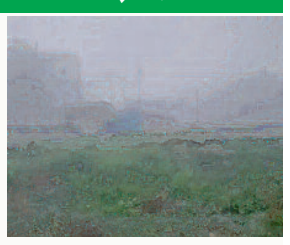

चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार होलिका दहन से लेकर अगले दिन तक अन्य भागों का मौसम आमतौर पर शुष्क बने रहने की संभावना है। पटना में आज कैसा रहेगा मौसम पटना में आसमान साफ होने के साथ तेज धूप निकलेगी। जिसकी वजह से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में पटना में गर्मी बढ़ने की आशंका है।

पटना से बाहर जाने के लिए टिकट की मारामारी शुरू

पटना। इस साल 25 और 26 मार्च को होली है। अब लोगों की सब से बड़े समस्या है यहां से जाने की। दूसरे राज्य से लोग भारी संख्या में बिहार होली मनाने आएं है। होली बीतने के बाद 27 मार्च के बाद से लोग जाना शुरू कर देंगे। लेकिन अभी से हीं फ्लाइटों का किराया आसमान छू रहा है। ऐसे तो लगभग सभी जगहों से लोग होली मनाने बिहार आते हैं लेकिन सब से ज्यादा लोग दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई से आते है। लिहाजन लोग इन जगहों पर लौटेंगे भी। इसी लिए इन जगहों पर जाने वाली फ्लाइटों का किराया 2 से 5 गुना तक बढ़ा हुआ है। इस साल होली 25 और 26 मार्च को मनाया जाएगा। जिसके बाद 28 से 31 मार्च तक फ्लाइटों का किराया आसमान छू रहा है। ये किराया 1 अप्रैल यानी की सोमवार से सामान्य हो जाएगा। एयरलाइंस कंपनियों की माने तो होली के बीतने के बाद 3 से 4 दिन तक ज्यादा पैसेंजरों का फ्लो रहेगा। इसी लिए किराया भी बढ़ा हुआ है। 1 अप्रैल से किराया सामान्य हो जाएगा।

पारिवारिक विवाद में आत्महत्या की आशंका, पिता बोले...होली पर बेटी-दामाद आने वाले थे घर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर समस्तीपुर रेलखंड पर आमगोला रेलवे ओवरब्रिज के पास डाउन मौर्य एक्सप्रेस से कटकर पति पत्नी की मौत हो गई है। मामले की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों इसकी सूचना रेल पुलिस की दी। जिसके बाद पुलिस और काजी मोहमदपुर थाना की टीम मौके पर पहुंची। वही, इस घटना को लेकर पारिवारिक विवाद में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। दंपती की पहचान पुलिस ने कर ली है। मृत दंपती की पहचान मोतीपुर थाना क्षेत्र के बरजी निवासी अमित कुमार

ओझा (37 वर्ष) और अनुराधा ओझा (32 वर्ष)के रूप में हुई है। जो मुजफ्फरपुर के ब्रहपुरा इलाके में एक किराए के मकान में रह रहे थे। दंपती की शादी वर्ष 2017 में हुई थी। मृत दंपती को अभी कोई बच्चा नहीं है। दूसरी तरफ, पुलिस की पहल पर ट्रैक के आसपास क्षत विक्षत पड़े शव को इकट्ठा कराया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। बताया जाता है कि अमित पेशे से पेशकार था। मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट में कार्यरत था। सरैया इलाके में ससुराल था। बताया जा रहा है कि पहले पति ट्रेन के सामने आया फिर उसे बचाने के लिए पत्नी भी ट्रेन के चपेट में आ गई। जिससे दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। फिलहाल मौके पर परिजन पहुंच चुके है। अचानक इस हादसे के बाद परिजन सदमे में है। होम सिग्नल के बाहर घटना होने की वजह से काजी मोहम्मदपुर थाना की पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पीड़ित पक्ष के बयान पर पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। होली पर बेटी के इंतजार में था पिता इस संबंध में मृतक अनुराधा के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 2017 में मोतीपुर के अमित कुमार ओझा के साथ हुई थी। होली के मौके पर उनकी बेटी ने घर आने की बात कही थी। जहां घर पर सब लोग बेटी दामाद के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें इस घटना को लेकर जानकारी मिली। जहां उन्हें समझ नहीं आ रहा है आखिर ऐसा क्या हो गया। हालांकि, मृतक अनुराधा के पिता ने बताया दोनों की शादी के बाद कोई संतान नहीं है। जिसको लेकर अनुराधा का इलाज चल रहा था। घटना के संबंध में काजी मोहम्मदपुर थाना के अपर थानेदार ने बताया कि पुलिस आपसी और पारिवारिक विवाद के बिंदु पर तफ्तीश करने में जुटी है।

फंदे में आप

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी भारतीय लोकतंत्र और संघवाद की दिशा के बारे में परेशान करनेवाले सवाल खड़े करती है। आम चुनाव से पहले विपक्ष के एक प्रमुख नेता और एक पदासीन मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की राजनीतिक मंशा को लेकर कोई शक-शुबहा नहीं है। दिल्ली आबकारी नीति मामला, जिसमें केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है, अगस्त 2022 में सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था, जिसके आधार पर ईडी ने धन शोधन की जांच शुरू की। आप के कई अन्य नेता जेल में हैं - मनीष सिसोदिया फरवरी 2023 से और संजय सिंह अक्टूबर 2023 से। अगर ईडी के पास भ्रष्टाचार के खिलाफ सबूत था, तो उसे युद्धस्तर पर मुकदमे को विचारण (ट्रायल) के लिए ले जाना चाहिए था। आरोपियों को जेल में रखकर, जांचकताओं द्वारा अपना खोजी अभियान जारी रखना, कानून से चलने वाले समाज में अस्वीकार्य होना चाहिए। जब आरोपी सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक विरोधी हों, तो इन गिरफ्तारियों को कानून को चुनिंदा तरीके से अमल किए जाने के रूप में देखा जायेगा और यह लोकतंत्र में जन विश्वास को कमजोर करता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में ईडी से सबूत की एक ऐसी अटूट श्रृंखला मुहैया कराने को कहा था जो यह दिखाती हो कि शराब लॉबी से गलत तरीके से प्राप्त धन सिसोदिया तक पहुंचा था। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि ईडी की योग्यता किसी आरोपी को अपराध से हासिल धन के साथ जोड़ने वाले निर्बाध सबूत सामने लाने में है। बाद में, उसने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब कोई केंद्रीय एजेंसी किसी संवैधानिक पदाधिकारी के पीछे लगी है। हेमंत सोरेन ने ईडी द्वारा गिरफ्तार किये जाने से पहले झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। जैसे हालात हैं, इस देश की लोकतांत्रिक राजनीति को केंद्रीय एजेंसियां ठप कर सकती हैं, जबकि भारत का सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग इसे रोजमर्रा का कानून प्रवर्तन मानना जारी रखेंगे। कानून अपना काम कर रहा है झ इस बहाने को कोई भी तार्किक व्यक्ति स्वीकार नहीं कर पायेगा। यह कोई संयोग नहीं है कि केंद्रीय एजेंसियां भ्रष्टाचार के आरोप में केवल विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर रही हैं और भ्रष्टाचार के आरोपी नेता भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिलाते ही मुक्ति पा रहे हैं। केजरीवाल ने सार्वजनिक जीवन से भ्रष्टाचार का खात्मा करने वाली एक सर्व-शक्तिसंपन्न एजेंसी के लिए अभियान चलाकर राष्ट्रीय ख्याति पायी थी। एक दशक से ज्यादा समय हुआ जब केजरीवाल और उनके अराजकतावादी झुंड ने भीड़तंत्र के जरिए संवैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार को चुनौती दी थी और सरकारी खजाने को धारणात्मक नुकसान (नोशनल लॉस) जैसे षड्यंत्रकारी सिद्धांत (कांस्पिरेसी थ्योरीज) को प्रचारित किया था। खुद केजरीवाल अब उस तर्क में फंस गये हैं, जिसे उन्होंने लोकप्रिय बनाया।

जैसी करनी, वैसी भरनी

अगस्त 2021 में जब तालिबान काबुल में सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया था कि अफगानिस्तान ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ दी हैं। ढाई साल बाद, अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा दोनों देशों के बीच तनाव का एक सबब बन गया है। पाकिस्तान ने इस हफ्ते की शुरूआत में अफगान प्रांत पक्तिका और खोस्त में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम आठ नागरिक मारे गए। पाकिस्तान का कहना है कि वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को निशाना बना रहा है, जिसे वह अपने इलाके में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार मानता है। जवाबी कार्रवाई में, तालिबान ने सीमा पर स्थित पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमले किए। सीमा पर एक असहज शांति बनी हुई है और अफगान तालिबान का पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ जो सौहार्द्र था, वह अब खत्म हो गया है। पाकिस्तान, जिसने 1990 के दशक में तालिबान के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, ने सालों से सुन्नी इस्लामवादी समूह का समर्थन किया है। वर्ष 1990 के दशक के अंत में, जब तालिबान सत्ता में आया था, तो पाकिस्तान औपचारिक रूप से उस शासन को मान्यता देने वाले सिर्फ तीन देशों में से एक था। इस्लामाबाद 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद वाशिंगटन के दबाव में तालिबान के खिलाफ हो गया, लेकिन उसने तालिबान का समर्थन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का सहयोगी बनकर दो दशकों तक चतुराई से दोहरा खेल खेला। इस दौर में, समूचा तालिबान नेतृत्व बलूचिस्तान के क्वेटा में स्थित था। पाकिस्तान ने अमेरिका और भारत समर्थित अफगान सरकार के खिलाफ तालिबान को तैयार किया था। जब 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी और तालिबान की सत्ता में वापसी के बीच राष्ट्रपति अशरफ गनी की अफगान सरकार गिर गई, तो पाकिस्तान को काबुल में एक दोस्ताना निजाम के जरिए दक्षिण एशिया में अपनी रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने की उम्मीद थी। लेकिन हुआ ऐन उल्टा। ऐतिहासिक रूप से, अफगान सरकारों के पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे रिश्ते नहीं रहे हैं। खासकर, दोनों देशों के बीच की विवादित सीमा, डूरंड रेखा के मद्देनजर।

होली सबकी प्रीति, राष्ट्र की रीति

ANALYSIS

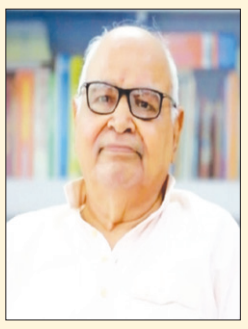

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय उत्सवों में प्रकृति और मुहूर्त की जुगुलबन्दी है। होली भारत के मन का सामूहिक उल्लास है। द्यावा-अंतरिक्ष मदनरस, आनंदरस और प्रीतिरस का वातायन। होली वसंतोत्सवों का चरम है और वसन्त है प्रकृति का अपनी परिपूर्णता में खिलना। प्रकृति सदाबहार नायिका है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और बसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरुणाई है। भारतीय उत्सवों का अन्तः प्रेरण यह भरी पूरी प्रकृति है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। वसंत ऋतु राज है। पृथ्वी सगंधा है। सो फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दशों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवन्त हो जाते हैं।

प्रकृति नित्य नूतन है। चिरन्तन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अन्तःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिन्तन में इस स्रोत का नाम है-उत्स। उत्सव इसी आनंद रस का आपूरण है। यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल। प्रकृति दर्शनीय है। नदियां हंसती नृत्य करती गति करती हैं। नदियों के तट पर उत्सव और नृत्य। काल सबका नियंता है। भारतीय उत्सवों में प्रकृति और मुहूर्त की जुगुलबन्दी है। होली भारत के मन का सामूहिक उल्लास है। द्यावा-अंतरिक्ष मदनरस, आनंदरस और प्रीतिरस का वातायन। होली वसंतोत्सवों का चरम है और वसन्त है प्रकृति का अपनी परिपूर्णता में खिलना। प्रकृति सदाबहार नायिका है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और बसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरुणाई है। भारतीय उत्सवों का अन्तः प्रेरण यह भरी पूरी प्रकृति है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। वसंत ऋतु राज है। पृथ्वी सगंधा है। सो फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दशों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवन्त हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीले गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद् और ग्रीष्म गलमिलौवल करते हैं। पक्षी गीत गाते हैं। वे नियम बंधन में रहते हैं। लेकिन वसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। होली आनंद का अतिरेक है। अतिरेक प्रायः शास्त्रीय नहीं होता। होली में लोक अपने छन्द स्वयं गढ़ता है। ऊर्जा का अतिरेक उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। भारतीय समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। होली भारत का मधुरस है, मधुछन्द है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति का चरम है। भारतीय उत्सव है प्रकृति का प्रसाद। होली महाप्रसाद है। होली पूरे बरस भर की मधुऊर्जा है। परिपूर्ण उत्सव है। होली संपूर्ण मानव समाज को अंगांगी भाव से अंगीकृत करने का नेह निमंत्रण है। आधुनिक मानस विदेशी पर मोहित है, परदेशी रंग के कारण रंग में भंग है। नेह निमंत्रण है कि आओ चढ़ा ले रंग देशी कि रंग परदेशी उतर जाये। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। एक मुट्ठी गुलाल आपके भी गाल। होली मधु विद्या का मधु प्रसाद है। यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा हिन्दू संस्कृति का मनआनंद है। होली गीता गाता नृत्य मगन अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और सम्पूर्ण उपवन, का गीत, संगीत है। होली जाति, पंथ उम्र से परे जीवन्त महाउल्लास है। होली की तमाम कथाएं हैं। महाभारत में भविष्य पुराण का उल्लेख है। कथा के अनुसार कृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया कि राजा रघु के पास ढोण्ढा राक्षसी की शिकायत हुई, यह बच्चों को तंग करती थी। रघु को ज्योतिषियों ने बताया कि शिव वरदान के अनुसार उसे खेलते बच्चों से डरना चाहिए। फाल्गुन पूर्णिमा को लोग-बच्चे हंसे, ताली बजाएं तीन बार अग्नि के चक्कर लगाएं, पूजा करें। गीत गायें। ऐसा ही किया गया, वह मर गयी। प्रहलाद की कथा दूसरी है। हिन्दुस्थान के उत्तर पूर्व में दैत्यों दानवों का क्षेत्र पूर्व ईरान, एशियाई, रूस का दक्षिणी पश्चिमी हिस्सा और गिलगिट तब इलावर्त था। बेबीलोनिया की प्राचीन गुफाओं के भित्ति चित्रों में विष्णु हिरण्याक्ष से युद्धरत हैं। हिरण्याक्ष हिरण्याकश्यप का भाई था। प्रहलाद हिरण्याकश्यप का पुत्र था। वह पिता की दैत्य परमपरा का विरोधी था। तब उसे आग में झोंका गया, कथा के अनुसार वह बच गया। प्रहलाद भारतीय सत्याग्रही चेतना का प्रतिनिधि था। ढेर सारी कथाएं हैं। ऐसी कथाओं के सत्य सांस्कृतिक स्रोत होते हैं। होली भारत का अपना सांस्कृतिक आयोजन है। यह सम्पूर्ण भारतीय जन का उल्लास है लेकिन कुछ स्वयंभू भौतिकवादी विद्वानों ने इसे मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। ऐसे क्षेत्रों से भारत के व्यापारिक सम्बंध थे। सत्यकेतु विद्यालंकार ने 'वैदिक युग' (पृष्ठ 232) में बताया कि वर्तमान ईराक और तुर्की राज्य क्षेत्रों से प्राप्त भग्नावशेषों व प्राचीन सभ्यताओं से ज्ञात होता है कि उनका भारत के साथ घनिष्ठ व्यापारिक सम्बंध था। ऋग्वेद (1.25.4) में पक्षियों के उड़ने वाले आकाश मार्ग और समुद्री नौका मार्ग के उल्लेख हैं। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई.) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शाई है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक वसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है। ऋग्वेद में अग्नि को अन्न समर्पित करने और तमाम वाद्य यंत्रों के साथ गीत गाने के उल्लेख हैं। हजारों बरस पुरानी होली की परम्परा उत्सवधर्मा भरतभूमि में ही उगी। बहुत संभव है कि मिस्र और यूनान ने भी भरतभूमि से ही ऐसी प्रेरणा ली हो। वैदिक पूर्वजों का चित्त उत्सवधर्मा था। होली हजारों बरस प्राचीन राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का परिणाम है। इसके उत्सव ऋग्वेद में हैं। ऋग्वैदिक पूर्वज सृजनशील है। सृजनशीलता ही वैदिक ऋचांए कविताएं हैं। यहां मंत्रों के साथ संगीत और नृत्य भी है। रूप, रस, गंध, स्पर्श की अनुभूति से आनंद रस का अतिरेक छलकता है। यही आनंद उत्सव बनता है। ऋषि कवि अपने खेल में देवताओं को भी साझीदार बनाते है, वे मरूतों को उत्सव क्रीडन्ति बताते हैं। सोम को घोड़े के समान खेलने वाला बताते हैं। लेकिन सूर्य और अग्नि बड़े देवता है। सूर्य ऋतुएं विभाजित करता है। अग्नि ऋतु निर्माणकत्ता है। ऋषि अग्नि से कहते (एफ . 5.19.5) हैं कि वह खेलता हुआ हमारी ओर आये। अग्नि खेलते हुए आने वाले अतिथि हैं। उनके स्वागत का आनंद होली में ही खेलता हुआ ही आता है। तब लोक भी खेलता है, हंसता, गीता गाता नृत्य करता है। वैदिक परम्परा में अग्नि बड़े देवता हैं। पूर्वजों ने होली उत्सव में अग्नि को प्रधान बनाया। कृषि प्रधान राष्ट्र ने जौ-गेहूं की बालियां अग्नि देव को सौंपी, प्रसाद रूप में स्वयं भी ग्रहण की। सूर्य अग्नि का ही रूप है। उनके प्रकाश में सात रंग है। पूर्वजों ने होली उत्सव को सतरंगी बनाया। ध्वनि में सात सुर-आयाम हैं। पूर्वजों ने रंगों के साथ सात सुर भी जोड़े।

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

केजरीवाल अब अपने को करें निर्दोष साबित

अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की शराब नीति के जिन आरोपों के आधार पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है, उन्हें साबित होना भर ही बाकी है। हां, पर इतना तो कहना ही होगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल अपने को बार-बार अराजक मुख्यमंत्री के रूप में साबित करने में सफल रहे। वे लगातार केन्द्र सरकार और सरकारी अफसरों से लड़ने-झगड़ने के मूड में ही रहे। उन्होंने एक तरह से मान लिया कि देशभर में वह ही अकेले ईमानदार है। बाकी दुनिया भ्रष्ट है। उनसे उम्मीद थी कि वह देश में साफ-सुथरी और वैकल्पिक राजनीति का रास्ता साफ करेंगे। पर उन्होंने अपने खोखले दावों-वादों और कारनामों से देश को निराश ही किया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से पहले भी सरकारें और मुख्यमंत्री रहे,पर कभी कोई ऐसा मसला नहीं आया। दिल्ली की चुनी हुई सरकारों और केन्द्र सरकारों के बीच मजे-मजे में विकास के सब काम होते रहे। पर सन 2015 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनते ही हंगामा शुरू हो गया और होने लगा रोज का क्लेश, तकरार और आरोप-प्रत्यारोप का दौर । दिल्ली में 1951-52 में पहली बार विधानसभा के चुनाव हुए। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री कांग्रेस के चौधरी ब्रह्म प्रकाश बने। चौधरी साहब 1952 से 1955 तक मुख्यमंत्री रहे। उन्हें कांग्रेस ने हटाया और यहां का दूसरा मुख्यमंत्री बनाया सरदार गुरुमुख निहाल सिंह मुसाफिर को। गुस्ताखी माफ, कम ही दिल्लीवालों को पता है कि दिल्ली के दूसरे मुख्यमंत्री एक सिख सज्जन थे। वे पहली दिल्ली विधानसभा के स्पीकर थे। वे 13 फरवरी, 1955 से 31 अक्टूबर, 1956 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। उसके बाद विधानसभा का अस्तित्व समाप्त कर दिया गया। मुसाफिर जी ने मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए दिल्ली में शराब की दुकानें खोलने नहीं दीं। अजीब इत्तेफाक है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में शराब की दुकानें खोलने में सदैव अति उत्साह दिखाते रहे। उन्हें दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाले के कारण ही गिरफ्तार किया गया है। मुसाफिर जी के पुत्र एस. निहाल सिंह प्रख्यात पत्रकार थे। वे इंडियन एक्सप्रेस अखबार के संपादक भी रहे। बहरहाल, 1966 में दिल्ली को एक महानगर परिषद मिली। यह विधानसभा के समकक्ष थी। महानगर परिषद का मुखिया कार्यकारी पार्षद होता था। इस पद पर विजय कुमार मल्होत्रा और जगप्रवेश चंद्र जैसे नेता भी रहे। दिल्ली को 1991 में फिर से संविधान में संशोधन करके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया। नए परिसीमन के तहत विधानसभा का 1993 में चुनाव हुआ। उसके बाद मदनलाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा, सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसे दिग्गज नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। इस दौरान केन्द्र में कभी कांग्रेस के नेतृत्व वाली और कभी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें काम करती रहीं। पर दिल्ली में विकास का पहिया कभी थमा नहीं। जब मदन लाल खुराना मंख्यमंत्री बने तब देश के प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिंह राव थे। कहीं कोई दिक्कत नहीं आई । जब शीला दीक्षित मुख्यमंत्री थीं, तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। तब भी दिल्ली का भरपूर विकास हो रहा था। कहीं कोई विवाद ही नहीं था। सारे विवाद आपसी बातचीत से हल हो रहे थे। अटल जी और शीला दीक्षित ने दिल्ली में मेट्रो रेल का विस्तार और बिजली की समस्या का स्थायी समाधान किया। यह बात अलग है कि अरविंद केजरीवाल हमेशा कहते रहे कि दिल्ली में बिजली की 24 घंटे सप्लाई उनकी वजह से मुमकिन हुई। हालांकि, उन्होंने कभी यह नहीं बताया कि दिल्ली में पेयजल संकट का वह हल क्यों नहीं कर सके। क्यों यमुना मैली ही होती रही? कैसे दिल्ली बन गई दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी? अरविंद केजरीवाल ने इन सवालों के जवाब देने की कभी जरूरत महसूस नहीं की। अरविंद केजरीवाल को यही लगता रहा कि अखबारों में बड़े-बड़े खचीर्ले विज्ञापन देकर वे अपने को महान साबित करते रहेंगे। आप जब दिल्ली में जी.टी.रोड से आगे बढ़ते हैं, तो आपको दूर से ही भलस्वा में काला पहाड़ नजर आने लगता है। वह दिन में भी डराता है। अगर उसे पहली बार देखेंगे तो लगेगा कि मानो कोई प्राचीन किला हो। पर यह कूड़े का ढेर है। इस तरह के कूड़े के पहाड़ राजधानी में गाजीपुर तथा ओखला में भी है। भलस्वा, ओखला और गाजीपुर के इन पहाड़ों में कुछ औरत-मर्द कुछ बीनते हुए नजर आ जाते हैं। जिस राजधानी दिल्ली में हरी-भरी लुटियंस दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली छावनी और दर्जनों अन्य शानदार एरिया हैं, वहां लगभग सौ एकड़ एरिया में फैले कूड़े के किले शर्मसार करते हैं। यह तीनों कूड़े के किले अरविंद केजरीवाल के तमाम दावों की कलई खोल कर रख देते हैं। इनके आसपास बेबस लोग रहते हैं। क्या कभी अरविंद केजरीवाल ने सोचा कि किस तरह से इनके पास लोग नारकीय स्थिति में रहते होंगे? इनसे हर वक्त भयंकर दुर्गंध आती रहती है। अब तो दिल्ली विधानसभा और नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं। पर यह कूडे के किले पहले की तरह से खड़े हैं या यह कहिये कि प्रतिदिन बड़े होते जा रहे हैं। यह कहना होगा कि दिल्ली नगर निगम ने कूड़े के निस्तारण और इसकी री-साइक्लिंग पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। क्या इन काले पहाड़ों को हटाने से मोदी सरकार ने मना किया था? राजधानी के एक एक बड़े भाग में लुटियंस दिल्ली आती है। इसमें केन्द्रीय मंत्री, सांसद, बड़े उद्योगपति वगैरह रहते हैं। इसके रखरखाव पर मोटा बजट खर्च होता है। राजधानी के नई दिल्ली एरिया की देखभाल नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) करती है।

हिंदी साहित्य में होली के रंग

होली कवियों का प्रिय त्योहार है। यह त्योहार उस समय आता है जब चारों दिशाओं में प्रकृति अपने सौन्दर्य के चरम पर होती है। उपवनों में रंग-बिरंगे पुष्प खिले हुए होते हैं। होली प्रेम का त्योहार माना जाता है, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण और राधा को होली अत्यंत प्रिय थी। भक्त कवियों एवं कवयित्रियों ने होली पर असंख्य रचनाएं लिखी हैं। कृष्ण भक्त कवि रसखान ने ब्रज की होली पर अत्यंत सुंदर रचनाएं लिखी हैं। इनमें श्रीकृष्ण की राधा के साथ खेली जाने वाली होली प्रमुख है। वे कहते हैं-

मिली खेलत फाग बढयो अनुराग सुराग सनी सुख की रमकै।

कर कुंकुम लै करि कंजमुखि प्रिय के दृग लावन को धमकै।।

रसखानि गुलाल की धुंधर में ब्रजबालन की दुति यौं दमकै।

मनौ सावन सांझ ललाई के मांझ चहुं दिस तें चपला चमकै।।

अर्थात श्रीकृष्ण राधा और गोपियों के साथ होली खेल रहे हैं। इस खेल के साथ-साथ उनमें प्रेम बढ़ रहा है। कमल के पुष्प के समान सुंदर मुख वाली राधा श्रीकृष्ण के मुख पर कुमकुम लगाने की चेष्टा कर रही है। वह गुलाल फेंकने का अवसर खोज रही है। चहुंओर गुलाल ही गुलाल दिखाई दे रहा है। इस गुलाल के कारण ब्रजबालाओं की देहयष्टि इस प्रकार दमक रही है जैसे सावन मास के सायंकाल में सूर्यास्त से लाल हुए आकाश में चारों ओर बिजली चमकती रही हो। कृष्ण भक्त सूरदास ने भी श्रीकृष्ण और राधा की होली पर असंख्य रचनाएं लिखी हैं। होली उनकी रासलीलाओं में महत्वूर्ण स्थान रखती है। वे कहते हैं-

हरि संग खेलति है सब फाग।

इहिं मिस करति प्रगट गोपी, उर अंतर कौ अनुराग।।

सारी पहिरि सुरंग, कसि कचुकि, काजर दै दै नैन।

बनि बनि निकसि निकसि भई ठाढ़ी, सुनि माधौ के बैन।।

डफ, बांसुरी रुंज अरु महुअरि, बाजत ताल मृदंग।

अति आनंद मनोहर बानी, गावत उठति तरंग।।

एक कोध गोविंद ग्वाल सब, एक कोध ब्रज नारि।

छांड़ि सकुच सब देति परस्पर, अपनी भाई गारि।।

मिलि दस पांच अली कृष्नहिं, गहि लावतिं अचकाइ।

भरि अरगजा अबीर कनकघट, देति सीस तै नाइ।।

छिरकतिं सखी कुमकुमा केसरि, भुरकतिं बदनधूरि।

सोभित है तन सांझ-समै-घन, आए है मनु पूरि।।

दसहूं दिसा भयौ परिपूरन, 'सूर' सुरंग प्रमोद।

सुर विमान कौतूहल भूले, निरखत स्याम विनोद।

अर्थात श्रीकृष्ण के साथ सब होली खेल रहे हैं। फागुन के रंगों के माध्यम से गोपियां अपने हृदय का प्रेम प्रकट कर रही हैं। वे अति सुन्दर साड़ी एवं चित्ताकर्षक चोली पहन कर तथा आंखों में काजल लगाकर श्रीकृष्ण की पुकार सुनकर होली खेलने के लिए अपने घरों से बाहर आ गईं हैं।

डफ, बांसुरी, रुंज, ढोल एवं मृदंग बजने लगे हैं। सब लोग आनंदित होकर मधुर स्वरों में गा रहे हैं। एक ओर श्रीकृष्ण और ग्वाल बाल डटे हुए हैं तो दूसरी ओर समस्त ब्रज की महिलाएं संकोच छोड़कर एक दूसरे को मीठी गालियां दे रहे हैं तथा छेड़छाड़ चल रही है। अकस्मात कुछ सखियां मिलकर श्रीकृष्ण को घेर लेती हैं और स्वर्णघट में भरा सुगंधित रंग उनके सिर पर उंडेल देती हैं। कुछ सखियां उन पर कुमकुम केसर छिड़क देती हैं। इस प्रकार ऊपर से नीचे तक रंग, अबीर गुलाल से रंगे हुए श्रीकृष्ण ऐसे लग रहे हैं जैसे सांझ के समय आकाश में बादल छा गए हों। फाग के रंगों से दसों दिशाएं परिपूर्ण हो गई हैं। आकाश से देवतागण अपना विचरण भूलकर श्याम सुन्दर का फाग विनोद देखने के लिए रुक गए हैं तथा आनंदित हो रहे हैं।

निष्पक्ष जांच की जरूरत

देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर जो आरोप लगाए, वे गंभीर हैं। हालांकि विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाती रहती है, फिर भी देश में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और प्रामाणिकता पर सवाल उठाने वाले इन आरोपों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। आरोपों की गंभीरता इसे सार्वजनिक करने के पार्टी के अंदाज से भी झलकती है। यह पहला मौका है जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आम चुनावों की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बीच, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी आरोप लगाए कि उसे चुनाव लड़ने और प्रचार करने की स्थिति में नहीं छोड़ा जा रहा तो उस पर पूरी तस्वीर साफ होनी चाहिए। यह बात सही है कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार कोई नई चीज नहीं है। लेकिन मतभेदों के बीच भी सत्तापक्ष और विपक्ष में संवाद की निरंतरता लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी मानी जाती है। अफसोस की बात है कि कुछ समय से दोनों के बीच का टकराव संवाद को बाधित करने की हद तक पहुंच गया है। कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को जो आरोप लगाए, उनमें तल्खी थी। पार्टी ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों के जरिए सरकार ने मुख्य विपक्षी पार्टी को वित्तीय तंगी के उस हाल में पहुंचा दिया है कि वह न तो कहीं विज्ञापन दे सकती है, न अपने नेताओं के लिए हवाई यात्रा के टिकट बुक कर सकती है और न ही रैलियां आयोजित कर सकती है। हालांकि ये सब अभी महज एक पार्टी के आरोप मात्र हैं। इन पर सत्तारूढ़ दल, सरकार और संबंधित विभागों व उनसे जुड़े अधिकारियों का अपना पक्ष है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इन सभी पक्षों पर अच्छी तरह गौर करने की जरूरत है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने या चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने की छूट नहीं दी जा सकती।

Social Media Corner

सच के हक में...

असम राइफल्स के कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को उनके स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं। सदैव सतर्क और विजयी बल पूर्वोत्तर में देश की आंतरिक सुरक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में खड़ा है। मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सिंह-हृदय सैनिकों को सलाम।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

होलिका दहन के शुभ अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। होलिका दहन के साथ ही आप सभी के दु:खों व कष्टों का भी नाश हो, यही कामना है।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी देशवासियों को असत्य, अधर्म एवं अहंकार पर सत्य, भक्ति और संस्कार के विजय का प्रतीक पर्व होलिका दहन की हार्दिक शुभकामनाएं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रेखा झुनझुनवाला ने खरीदे 12 आलीशान अपार्टमेंट, 156 करोड़ की है डील

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला रियल एस्टेट सेक्टर में ताबड़तोड़ निवेश कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने परिवार के साथ दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल के वॉकेश्वर रोड पर 12 आलीशान अपार्टमेंट खरीदे हैं। यह डील 156 करोड़ रुपये में हुई है। यह अपार्टमेंट एक पुरानी इमारत में है, जो रेखा झुनझुनवाला के 14 मंजिला आवास रेयर विला के बगल में है। लगभग 50 साल पुरानी इस हाउसिंग सोसाइटी और आसपास की कुछ अन्य संपत्तियों के संभावित पुनर्विकास पर चर्चा के बीच रेखा झुनझुनवाला परिवार पिछले कुछ महीनों में इस इमारत, रॉकसाइड अपार्टमेंट में कई निवेश किए हैं। ईटी की रिपोर्ट में एक ब्रोकर के हवाले से बताया गया है कि यह परिवार के लिए एक निवेश की तरह लगता है या वे सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि पुनर्विकास परियोजना के कारण उनका सी-फेसगि व्यू में दिक्कत न हो। मतलब ये कि अपार्टमेंट से समुंद्र के किनारे के व्यू साफ-साफ देखे जा सकें। ईटी की रिपोर्ट की मानें तो अपार्टमेंट का औसत क्षेत्रफल 2100 वर्ग फुट और कुल क्षेत्रफल 26,119 वर्ग फुट है। पिछले 2-3 महीनों में हुए सौदों के रजिस्ट्रेशन के लिए परिवार ने अकेले स्टांप ड्यूटी के रूप में 9.02 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है। आखिरी डील 15 मार्च को हुई थी। इसके तहत इमारत की तीसरी मंजिल पर 1,666 वर्ग फुट के एक अपार्टमेंट के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया था। बता दें कि पिछले साल नवंबर में रेखा झुनझुनवाला समर्थित किन्नटीस्टो एलएलपी ने मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और अंधेरी में कॉमर्शियल टावरों में लगभग 740 करोड़ रुपये का प्राइम ऑफिस स्पेस हासिल किया था। रेखा झुनझुनवाला, दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला की प प्रतिशती हैं। राकेश झुनझुनवाला को देश का वॉरेन बफेट या शेयर बाजार के बिग बुल के नाम से जाना जाता है। उनका निधन साल 2022 में हो गया था। इसके बाद उनकी प प्रतिशती रेखा झुनझुनवाला ने मोर्चा संभाला है और 25 से ज्यादा कंपनियों के स्टॉक पर दांव लगाया है।

चीन के वाणिज्य मंत्री से मिले एपल के सीईओ टिम कुक, शंघाई में नए स्टोर की ओपनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ ने शुक्रवार को एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक से मुलाकात की। दोनों लोगों ने चीन में एपल के विकास और चीन-अमेरिका आर्थिक व व्यापार संबंधों पर अपने विचार साझा किए। यह बैठक कुक द्वारा शंघाई में एपल का सबसे नया स्टोर खोलने के एक दिन बाद हुई। फोन निर्माता एपल चीन में आईफोन की बिक्री में गिरावट और हुआवेई जैसे घरेलू प्रतिद्वंद्वियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। वांग ने कहा कि चीन-अमेरिका के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्थिर शक्ति है। चीन दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग के लिए एक निष्पक्ष, स्थिर और अनुमानित वातावरण बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ काम करने के लिए तैयार है। कुक के अगले सप्ताह बीजिंग में चीन विकास मंच में भाग लेने की उम्मीद है।

अमेरिकी देश के लिए विमान बनाएगी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स कंपनी

बढ़ रहा शेयर, 3680 पर जाएगा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंस सेक्टर से जुड़ी दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को ताबड़तोड़ ऑर्डर मिल रहे हैं। इसी कड़ी में कंपनी ने दो हिंदुस्तान-228 कम्यूटर एयरक्राफ्ट की आपूर्ति के लिए गुयाना रक्षा बल के साथ एक समझौता किया है। इस ऑर्डर का कुल मूल्य लगभग 194 करोड़ है। बता दें कि गुयाना दक्षिणी अमेरिका का देश है।

गुयाना ने विमान के लिए भारत से कर्ज लिया है। दरअसल, भारत के निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने गुयाना को 2.33 करोड़ डॉलर (लगभग 194 करोड़ रुपये) की ऋण सुविधा देने की घोषणा की है। गुयाना को यह ऋण सुविधा अपने रक्षा बल के लिए भारत से दो विमानों की खरीद के लिए दी गई है। इस ऋण सुविधा (एलओसी) के साथ बैंक के पास अब 292 एलओसी हैं, जिनके दायरे में अफ्रीका, एशिया, लातिनी अमेरिका, सीआईएस और ओशिनिया के 62 देश हैं।

शेयर का हाल

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर की कीमत 3170.50 रुपये है। बीते शुक्रवार को शेयर में तूफानी तेजी थी और भाव 1.63 प्रतिशत चढ़ गया। साल 2024 में अब तक इस शेयर ने पॉजिटिव रिटर्न दिया है। कंपनी की मजबूत ऑर्डर बुक की वजह से शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं।

हाल ही में इनक्रेड इक्रिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दीपेन वकील ने एक रिपोर्ट में कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स की ऑर्डर पाइपलाइन ठोस बनी हुई है, लेकिन ऑर्डर कंप्लीट करने की डेडलाइन काफी अहम है। ब्रोकरेज ने शेयर पर खरीद की रेटिंग बनाते हुए कहा कि कीमत 3680 प्रति शेयर तक जा सकती है। हालांकि, नए ऑर्डर में देरी, विमान डिलीवरी समयसीमा में असफलता और कम मार्जिन इसके निगेटिव रिस्क कैटेगरी में आते हैं।

बता दें कि दिसंबर 2023 तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स की ऑर्डर बुक 84800 करोड़ की थी, जो मुख्य रूप से हेलीकॉप्टर और विमान के उत्पादन से प्रेरित थी। इसके अलावा, मरम्मत और ओवरहाल (आरओएच) ऑर्डर बुक 28,300 करोड़ थी।

पहले दिन आईपीओ को मिला 16 गुना सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। नमन इन-स्टोर (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ इस समय ओपन है। कंपनी के आईपीओ का साइज 28.48 करोड़ रुपये का है। आईपीओ को पहले दिन ही 16 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया था। निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में भी नमन इन-स्टोर (इंडिया) का प्रदर्शन शानदार है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 84 रुपये से 89 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से रिटेल निवेशक को कम से कम 1,42,400 रुपये का दांव लगाना होगा। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 21 मार्च को खुला था। कंपनी एंकर निवेशकों के जरिए 7,22 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही है। बता दें, आईपीओ 27 मार्च तक खुला रहेगा। इंवेस्टर गेन की रिपोर्ट अनुसार आज ग्रे मार्केट में 55 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। अगर यही ट्रेंड लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 144 रुपये पर डेब्यू कर सकती है। ऐसा होने पर निवेशकों को पहले दिन ही 61 प्रतिशत का लाभ हो सकता है। बता दें, कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 2 अप्रैल को प्रस्तावित है।

कंपनी आईपीओ के जरिए 28.48 लाख शेयर जारी करेगी। कंपनी की लिस्टिंग एनएसई एसएमई में होगी। बता दें, मौजूदा समय में कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 प्रतिशत की है।

आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

आरबीआई ने फाइनेंस की 2 कंपनियों पर लगाए थे प्रतिबंध, अब होगी स्पेशल ऑडिटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, केंद्रीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियामक उल्लंघनों की जांच के लिए आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड का एक स्पेशल ऑडिट शुरू करेगा। यह स्पेशल ऑडिट आगामी 12 अप्रैल से किया जाएगा। बता दें कि आईआईएफएल फाइनेंस को गोल्ड लोन देने से रोक दिया गया है। वहीं जेएमएफपीएल की बात करें तो शेयरों या डिबेंचर के फाइनेंसिंग पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों पर प्रतिबंध लगाते समय आरबीआई ने कहा था कि एक स्पेशल ऑडिट पूरा होने और कमियों को दूर करने के बाद ही प्रतिबंधों की समीक्षा की जाएगी। आरबीआई ने इन दोनों कंपनियों का स्पेशल ऑडिट करने के लिए एक ई-टेंडर जारी किया है। जिन ऑडिट फर्म को स्पेशल ऑडिट में रुचि है, वो आवेदन कर सकते हैं। अहम बात है कि फॉरेंसिक ऑडिट के लिए सेबी की ऑडिट फर्म टेंडर प्रक्रिया में भाग ले सकती हैं। आरबीआई की वेबसाइट के मुताबिक ऑडिट के लिए चयनित फर्मों को 12 अप्रैल, 2024 को काम सौंपा जाएगा। बता दें कि 4 मार्च, 2024 को केंद्रीय रिजर्व बैंक ने तत्काल प्रभाव से ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए आईआईएफएल फाइनेंस को नए गोल्ड लोन स्वीकृत करने और वितरित करने से रोक दिया था। 31 दिसंबर, 2023 तक आईआईएफएल फाइनेंस ग्रुप की मैनजमेंट के तहत कुल समेकित संपत्ति (एयूएम) में गोल्ड लोन का हिस्सा 32 प्रतिशत (24,692 करोड़ रुपये) और आईआईएफएल फाइनेंस के स्टैंडअलोन एयूएम का 79 प्रतिशत था। 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गोल्ड लोन ब्रांच हैं, जिनमें लगभग 15,000 कर्मचारी हैं।

एनपीएस कर्मियों को अप्रैल से आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने अपने एनपीएस खाता धारकों की सुरक्षा के मद्देनजर पहली अप्रैल से आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य कर दिया है। द्विस्तरीय दृष्टिकोण के माध्यम से सीआरए प्रणाली के अनधिकृत उपयोग के जोखिम को कम किया जा सकता है। पीएफआरडीए ने इसके लिए सीआरए प्रणाली को टू फैक्टर प्रमाणीकरण प्लेटफार्म तैयार किया है। इसे सुलभ बनाने के मकसद से आधार बेस्ड लॉग-इन प्रमाणीकरण को वर्तमान उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड-आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत करेंगे। आधार बेस्ड लॉग इन वेरिफिकेशन को एनपीएस अभिदाता, अपने यूजर आईडी से जोड़ेंगे। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने के बाद ही एनपीएस खाते को लॉग-इन किया जा सकेगा।

पीएफआरडीए द्वारा पिछले दिनों जारी सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस के नए लॉग-इन मानदंडों के अनुसार, सीआरए प्रणाली को दो-कारक प्रमाणीकरण के जरिए अधिक सुरक्षित बनाया गया है। पहली अप्रैल, 2024 से एनपीएस की सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) प्रणाली में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड-आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए नई सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। सीआरए प्रणाली तक पहुंचने में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और ग्राहकों एवं हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, सीआरए प्रणाली में लॉग-इन के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएं लाने का निर्णय लिया गया है। नई सुरक्षा प्रणाली के तहत, एनपीएस ग्राहक आधार-आधारित प्रमाणीकरण और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी दर्ज करने के बाद ही अपने खातों तक पहुंच सकते हैं।

पीएफआरडीए परिपत्र के अनुसार, पीआरएओ/डीटीए/पीएओ/डीटीओ/डीडीओ सहित सरकारी और कॉर्पोरेट नोडल कार्यालयों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से संबंधित कार्यों के संचालन, गतिविधियों के निष्पादन और विभिन्न रिपोर्ट को तैयार करने के लिए केंद्रीय अभिलेखपालन अभिकरण (सीआरए) प्रणाली का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। सीआरए सिस्टम में लॉग इन करने वाले सभी पासवर्ड आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा स्तर, द्विस्तरीय आधार आधारित प्रमाणीकरण, को अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

अतिरिक्त सुरक्षा सुविधा

वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के तहत नोडल कार्यालय, उनके अंतर्निहित स्वायत्त निकायों सहित, एनपीएस लेनदेन के लिए सीआरए का उपयोग करने की खातिर पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रयोग करते हैं। सुरक्षा विशेषताओं को बढ़ाने और अभिदाताओं और हितधारकों के हितों की रक्षा करने के मद्देनजर सीआरए प्रणाली लॉग-इन के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह आधार आधारित लॉग-इन प्रमाणीकरण वर्तमान यूजर आईडी और पासवर्ड आधारित लॉग-इन प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके माध्यम से सीआरए प्रणाली का उपयोग करने के लिए द्विस्तरीय प्रमाणीकरण को सक्षम करेगा।

आधार मैपिंग

सरकारी क्षेत्र (केंद्रीय/राज्य/सीएबी/एसएबी) के अंतर्गत नोडल कार्यालयों की यूजर आईडी को आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के माध्यम से द्विस्तरीय प्रमाणीकरण का उपयोग करते हुए सीआरए सिस्टम (सीआरए और एनपीएससीएन) में लॉग-इन करने की अनुमति दी जाएगी। निरीक्षण कार्यालय (पीआरएओ/डीटीए) को प्रारंभ में अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ना होगा, जिससे अंतर्निहित उपयोगकर्ता आधार मैपिंग का उपयोग कर सकें। इसी प्रकार पीएओ/डीटीओ भी अपने आधार को संबंधित सीआरए यूजर आईडी से जोड़ेंगे, जिससे अंतर्निहित डीडीओ को आधार लिंकिंग शुरू करने की अनुमति मिल सके।

एनपीएस गतिविधियों का प्रदर्शनः

सरकारी क्षेत्र के तहत सभी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों को एनपीएस से संबंधित सभी गतिविधियों को पूरा करने के लिए सीआरए प्रणाली में आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण की अतिरिक्त सुविधा के लिए आवश्यक ढांचे को स्थापित करना आवश्यक है।

मानक संचालन प्रक्रियाः

संलग्न दस्तावेज प्रोटियन सीआरए से जुड़े नोडल कार्यालयों के लिए उनके आधार को जोड़ने और सीआरए प्रणाली का उपयोग कर कार्यात्मक गतिविधियों के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है। इसमें कई प्वाइंट शामिल हैं। जैसे, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार संख्या का एक बारगी पंजीकरण, नोडल कार्यालय उपयोगकर्ता आईडी के लिए आधार मैपिंग का प्रमाणीकरण, आधार मैपिंग की अवस्थिति और सीआरए प्रणाली तक नियमित (आधार आधारित) उपयोग की प्रक्रिया। स्वायत्त निकायों सहित सरकारी और कॉर्पोरेट नोडल कार्यालयों से अनुरोध किया गया है कि वे नए आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण के लिए आवश्यक ढांचा स्थापित करें।

केंद्र सरकार ने एक-एक पैसा राज्य सरकार को समय पर दिया, कर्नाटक सरकार पर निर्मला सीतारमण का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक सरकार द्वारा कर राजस्व वितरण में राज्य के साथ हुए अन्याय के आरोप पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कर्नाटक को देने वाला एक-एक पैसा राज्य सरकार को समय पर दिया है। साथ ही दावा किया कि यूपीए के 10 सालों की तुलना में साल 2014 से 2024 तक कर बंटवारे में साढ़े तीन गुना अधिक वृद्धि हुई है।

गौरतलब है, कांग्रेस का आरोप है कि पिछले कुछ सालों में कर राजस्व में कर्नाटक के हिस्से का पैसा ट्रांसफर और सहायता अनुदान में राज्य के साथ अन्याय किया गया है। इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूपीए सरकार और भाजपा

के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत कर्नाटक को दिए गए केंद्रीय करों और अनुदान सहायता की हिस्सेदारी की तुलना की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को किसी भी तरह से वंचित नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि साल 2014 से 2024 तक कर बंटवारे में 258 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो यूपीए के 10 वर्षों की तुलना में 3.5 गुना अधिक है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सहायता अनुदान पर नजर डालें तो राज्यों को दिए अनुदान में 273 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो यूपीए सरकार द्वारा दिए गए अनुदान से 3.7 गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि साल 2004 से 2014 के बीच, कर्नाटक को प्रति वर्ष 81,795 करोड़ रुपये कर बंटवारे के रूप में दिए गए। जबकि 2014-2024 के बीच राज्य को भुगतान किया गया कर हिस्सा लगभग 2.93 लाख करोड़ रुपये है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रियंवदा बिरला की एस्टेट के प्रशासकों की शक्तियों को तय करने वाले डिवीजन बेंच के फैसले को बरकरार रखा

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में बिरला परिवार को अंतरिम राहत देने से इनकार किया

कोलकाता, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिरला परिवार को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया, यहां तक कि उसने 14 दिसंबर 2023 को पारित कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ के फैसले के खिलाफ उनकी अपील भी स्वीकार कर ली, जिसमें अन्य बातों के अलावा, दिवंगत प्रियंवदा देवी बिरला की एस्टेट पर प्रशासकों की शक्तियां स्पष्ट रूप से परिभाषित की गई हैं।

किसी भी अंतरिम राहत देने से इनकार करके, शीर्ष अदालत ने एमपी बिरला ग्रुप के चेयरमैन हर्ष वर्धन लोढ़ा को प्रियंवदा बिरला की एस्टेट के प्रशासकों के एक वर्ग द्वारा 18 सितंबर 2020 को पारित कलकत्ता हाईकोर्ट के सिंगल जज के एक विवादास्पद फैसले के आधार पर समूह की सभी संस्थाओं का नियंत्रण हासिल करने के प्रयास के साथ शुरू हुए सभी गलत कामों को ठीक करने के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया है। बिरला को कोई अंतरिम राहत न देकर, सुप्रीम कोर्ट ने अंततः एमपी बिरला ग्रुप के कई ट्रस्टों, सोसायटियों और निजी तौर पर आयोजित कंपनियों में कुप्रबंधन के खिलाफ सुधारात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए मंच तैयार किया है, जहां प्रशासकों ने गैरकानूनी तरीके से संचालन में हस्तक्षेप किया है। सितंबर 2020 के विवादास्पद फैसले ने एक्सटेंडेड एस्टेट की एक संदिग्ध अवधारणा पेश की थी, और प्रशासकों की भूमिका का विस्तार किया था। भले ही फैसले को डिवीजन बेंच द्वारा संशोधित किया गया था, इसका उपयोग एमपी बिरला समूह के कई ट्रस्टों, सोसायटियों और कंपनियों के संचालन को बाधित करने के लिए एक हैंडल के रूप में किया गया था, और इसके साथ ही अदालती मामलों का प्रसार हुआ है।

खंडपीठ ने एस्टेट के अर्थ और विस्तार को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए प्रशासकों की भूमिका को स्पष्ट किया। कलकत्ता हाईकोर्ट की दो-जजों की बेंच ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से कहा था कि प्रशासक ट्रस्टों, सोसायटी और कंपनियों के संचालन में हस्तक्षेप नहीं कर सकते क्योंकि वे एस्टेट का हिस्सा नहीं थे, और प्रशासकों के मतदान के अधिकार सिर्फ प्रियंवदा बिरला द्वारा सीधे रखे गए शेयरों तक ही सीमित हैं। हालांकि, सितंबर 2020 के विवादास्पद फैसले के बल पर, प्रशासक, जो हाल ही में 2:1 बहुमत से निर्णय ले रहे हैं, ने बार-बार एजीएम में प्रमोटर समूह संस्थाओं के मतदान को प्रभावित करने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा डिवीजन बेंच के फैसले के खिलाफ बिरला को कोई राहत नहीं दिए जाने के मद्देनजर, प्रशासक अब विभिन्न प्रमोटर समूह संस्थाओं के मतदान में हस्तक्षेप नहीं कर पाएंगे।हर्ष लोढ़ा का प्रतिनिधित्व करने वाली लॉ फर्म फॉक्स एंड मंडल के पार्टनर देबंजन मंडल ने कहा कि एमपी बिरला समूह को अब इन समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। इसके अलावा, ट्रस्टों, सोसायटियों और कंपनियों में कुप्रबंधन को समाप्त करने का समय आ गया है, जहां प्रशासकों और एमपी बिरला समूह के कर्मचारियों के एक समूह ने गैरकानूनी तरीके से प्रबंधन संरचना को बदलने की कोशिश की थी।

सैमसंग टेक-सेवी भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर कनेक्टिविटी का तोहफा लेकर आएगा

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के वाइस चेयरमैन, सीईओ और डिवाइस एक्सपीरियंस डिवीजन के हेड जोंग-ही (जेएच) हान ने स्टोर के उद्घाटन के बाद जियो वर्ल्ड प्लाजा, मुंबई में सैमसंग बीकेसी का पहली बार दौरा किया। उन्होंने अपने टेक-सेवी उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर कनेक्टिविटी लाकर भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने उपभोक्ताओं को टेलीविजन और डिजिटल उपकरणों से लेकर स्मार्टफोन तक अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में सैमसंग के नए एआई इनोवेशन का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के वाइस चेयरमैन, सीईओ और डिवाइस एक्सपीरियंस डिवीजन के हेड जोंग-ही (जेएच) हान ने कहा एआई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में सुधार लाने के लिए कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज को सक्षम बनाएगी और हमेशा बैकग्राउंड में रहेगी तथा दूसरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगी। खुले सहयोग के अपने मॉडल के साथ, हम अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर-कनेक्टिविटी लाना चाहते हैं। भारत एआई के लिए अगला बड़ा मैदान है और हमारा प्रमुख सैमसंग बीकेसी स्टोर हमारे

एआई फॉर ऑल नजरिए का प्रतीक है। ये वन सैमसंग का प्रदर्शन करेगा। स्टोर के विभिन्न जोन में, उपभोक्ता हमारे एआई नजरिए को वास्तविकता में देख सकते हैं और यह अनुभव कर सकते हैं कि स्मार्ट और बेहतर अनुभव हमारे जीने के तरीके को फिर से कैसे परिभाषित करेंगे। इस साल की शुरुआत में, हान ने सीईएस में सैमसंग के एआई फॉर ऑल विज़न को पेश किया था जिसमें दिखाया गया था कि कैसे एआई लोगों को अपने उपकरणों को पहले से कहीं अधिक सहज और सुविधाजनक तरीके से इस्तेमाल करने की सुविधा देगा। अपने एआई फॉर ऑल विजन के तहत, सैमसंग ने जनवरी में अपनी नई गैलेक्सी स्24 स्मार्टफोन सीरीज में गैलेक्सी एआई की पेशकश की थी।

हान ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और यह सैमसंग के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है।

हान ने कहा भारत में टेक-सेवी युवा उपभोक्ताओं की एक बड़ी आबादी है जो हमें कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती है। यहां, हजारों उद्यमशील युवा एआई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को दुनिया के सामने लाने के लिए हमारे आरएंडडी सेंटर्स पर काम करते हैं। हमें उन पर गर्व है। सैमसंग ने हाल ही में लाइफस्टाइल एक्सपीरियंस स्टोर सैमसंग बीकेसी का उद्घाटन किया था जहां उपभोक्ता वन सैमसंग का अनुभव ले सकते हैं। इसमें सैमसंग के नए एआई इनोवेशंस शामिल हैं। यहां यह देखा जा सकता है कि कंपनी के कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम को एआई कैसे शक्ति प्रदान करता है।

सैमसंग 28 वर्षों से अधिक समय से भारत में है और इसने यहां 1995 में अपना परिचालन शुरू किया था। सैमसंग दो अत्याधुनिक फैक्ट्रियों, तीन आरएंडडी सेंटर्स और एक डिजाइन सेंटर के साथ भारत के लिए प्रतिबद्ध है और हजारों लोगों को रोजगार देता है।

'होली' विशेष

कभी जमुना तट पर राधा और कान्हा की टोली रासरंग में सराबोर नजर आती है, तो कभी ,सरजू तट पर जनक दुलारी राम संग टेसू रंग से होली खेल रही हैं, उधर भोले शंकर ऐर उनके गण मसाने में ही भूत-भभूत संग होली का धमाल मचा रहे हैं। सब ओर होली के रंग बिखर रहे हैं और फगुन की मादक बयार बह रही है। अवध काशी और ब्रज जैसे अलग-अलग अंचलो की होली के विविध रंग अपनी छटा बिखेर रहे हैं....

होलीका में आहुति देने वाली सामग्रीया

होलिका दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उसमें कच्चे आम, नारियल, भुट्टे या सप्तधान्य, चीनी के बने खिलौने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तधान्य हैं, गेहूं, उड़द, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर।

सुख - समद्धि मंत्र

वंदितासि सुरेंद्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि मां देवी! भूति भूतिप्रदा भव ॥ होलिका पूजन के समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

अहकूटा भयत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः अतस्वां पूजयिष्यामि भूति-भूति प्रदायिनी? इस मंत्र का जप एक माला, तीन माला या फिर पांच माला विषम संख्याके रूप में करना चाहिए।

होली के रंग कान्हा के संग

होली का त्योहार कई पौराणिक गाथाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें कामदेव, प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख हैं। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। कुछ लोग इस उत्सव का संबंध भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूतना एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गई। वह उनको अपना जहरीला दूध पिला कर मारना चाहती थी। दूध के साथ-साथ बालक कृष्ण ने उसके प्राण भी ले लिए। कहते हैं मृत्यु के पश्चात पूतना का शरीर लुप्त हो गया इसलिए ग्वालों ने उसका पुतला बना कर जला डाला। मथुरा तब से होली का प्रमुख केंद्र है।

होली और राधा - कृष्ण का कथा

होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पावन प्रेम कहानी से भी जुड़ा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक-दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक अंग माना गया है। वृन्दावन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है। भगवान श्रीकृष्ण तो सांवले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गौरवर्ण की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते हैं। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने चल पड़े। हम चित्रों व अन्य भक्ति आकृतियों में श्रीकृष्ण के इसी कृत्य को जिसमें वे राधा व अन्य गोपियों पर रंग डाल रहे हैं, देख सकते हैं। यह प्रेममयी शरारत शीघ्र ही लोगों में प्रचलित हो गई तथा होली की परंपरा के रूप में स्थापित हुई। इसी ऋतु में लोग राधा व कृष्ण के चित्रों को सजाकर सड़कों पर घूमते हैं। मथुरा में होली का विशेष महत्व है।

होली और धुंधी की कथा

भविष्यपुराण में वर्णित है कि सत्ययुग में राजा रघु के राज्य में माली नामक दैत्य की पुत्री ढोंढा या धुंधी थी। उसने शिव की उग्र तपस्या की। शिव ने वर मांगने को कहा तो उसने वर मांगा- प्रभु! देवता, दैत्य, मनुष्य आदि मुझे मार न सकें तथा अस्त्र-शस्त्र आदि से भी मेरा वध न हो। साथ ही दिन में, रात्रि, में शीतकाल में, उष्णकाल तथा वर्षाकाल में, भीतर-बाहर कहीं भी मुझे किसी से भय न हो। शिव ने तथास्तु कहा तथा यह भी चेतावनी दी कि तुम्हें उन्मत्त बालकों से भय होगा। वही ढोंढा नामक राक्षसी बालकों व प्रजा को पीड़ित करने लगी। 'अडाडा' मंत्र का उच्चारण करने पर वह शांत हो जाती थी। इसी कारण उसे 'अडाडा' भी कहते हैं। भगवान शिव के अभिशाप वश वह ग्रामीण बालकों की शरारत, गालियों व चिल्लाने के आगे विवश थी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि होली के दिन ही सभी बालकों ने अपनी एकता के बल पर आगे बढ़कर धुंधी को गांव से बाहर धकेला था। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए तथा चालाकी से उसकी ओर बढ़ते ही गए। यही कारण है कि इस दिन नवयुवक कुछ अशिष्ट भाषा में हंसी मजाक कर लेते हैं, परंतु कोई उनकी बात का बुरा नहीं मानता।

श्री हरि विष्णु - हिरण्यकश्यप कथा

राजा हिरण्यकश्यप अहंकारवश स्वयं को ईश्वर मानने लगा। उसकी इच्छा थी कि केवल उसी का पूजन किया जाए, लेकिन उसका स्वयं का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के बहुत समझाने के बाद भी जब पुत्र ने श्री विष्णु जी की पूजा करनी बंद नहीं की, तो हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को दंड स्वरूप उसे आग में जलाने का आदेश दिया। इसके लिए राजा ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को जलती हुई आग में लेकार बैठ जाए, क्योंकि होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में बैठ गई, लेकिन होलिका जल गई और प्रह्लाद नारायण कृपा से बच गया। यह देख हिरण्यकश्यप अपने पुत्र से और अधिक नाराज हुआ। हिरण्यकश्यप को वरदान था कि वह न दिन में मर सकता है न रात में, न जमीन पर मर सकता है और न आकाश या पाताल में, न मनुष्य उसे मार सकता है और न जानवर या पशुपक्षी, इसीलिए भगवान ने उसे मारने के लिए संध्या का समय चुना और आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य का, नृसिंह अवतार लिया। नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यप की हत्या न जमीन पर की, न आसमान पर, बल्कि अपनी गोद में

शिव - पार्वती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय की बात है कि हिमालय पुत्री पार्वती की यह मनोइच्छा थी, कि उनका विवाह केवल भगवान शिव से हो। सभी देवता भी यही चाहते थे, परंतु श्री भोले नाथ थे कि सदैव गहरी समाधी में लीन रहते थे, ऐसे में माता पार्वती के लिए भगवान शिव के सामने अपने विवाह का प्रस्ताव रखना कठिन हो रहा था। इस कार्य में देवताओं ने कामदेव का सहयोग मांगा। कामदेव ने भगवान शंकर की तपस्या भंग करने के लिए प्रेम बाण चलाया, जिसके फलस्वरूप भगवान शिव की तपस्या भंग हो गई। तपस्या के भंग होने से शिवजी को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल कर कामदेव को भस्म कर दिया। कुछ समय पश्चात भगवान शिव ने माता पार्वती से विवाह कर लिया। होलिका दहन का पर्व, क्योंकि कामदेव के भस्म होने से भी संबंधित है इसलिए इस पर्व की सार्थकता इसी में है कि व्यक्ति होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भस्म कर दें और वासनाओं से ऊपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

नारद - युधिष्ठिर कथा

पुराणों के अनुसार श्री नारदजी ने एक दिन युधिष्ठिर से यह निवेदन किया कि है राजन! फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सभी लोगों को अभयदान मिलना चाहिए, ताकि सभी कम से कम एक साथ एक दिन तो प्रसन्न रहें। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि जो इस दिन हर्ष और खुशियों के साथ यह पर्व मनाएगा, उसके पाप प्रभाव का नाश होगा। उस दिन से पूर्णिमा के दिन हंसना-होली खेलना आवश्यक समझा जाता है।

हरि हर को झुले में झुलाने की प्रथा

होली से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन जो लोग चित को एकाग्र कर भगवान विष्णु को झूले में बिठाकर, झूलते हुए विष्णु जी के दर्शन करते हैं, उन्हें पुण्य स्वरूप वैकुण्ठ की प्राप्ति होती है।

पुजा विधि

होलिका दहन करने से पहले होली की पूजा की जाती है। इस पूजा को करते समय, पूजा करने वाले व्यक्ति को होलिका के पास जाकर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पूजा करने के लिए निम्न सामग्री को प्रयोग करना चाहिए। एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि। इसके अतिरिक्त नई फसल के धान्यों जैसे-पके चने की बालियां व गेहूं की बालियां भी सामग्री के रूप में रखी जाती हैं। इसके बाद होलिका के पास गोबर से बनी ढाल तथा अन्य खिलौने रख दिए जाते हैं। गोबर से बनाई गई ढाल व खिलौनों की चार मालाएं अलग से घर लाकर सुरक्षित रख ली जाती हैं। इसमें से एक माला पितरों के नाम की, दूसरी हनुमान जी के नाम की, तीसरी शीतला माता के नाम की तथा चौथी अपने घर-परिवार के नाम की होती है। कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटना होता है। फिर लोटे का शुद्ध जल व अन्य पूजन की सभी वस्तुओं को एक-एक करके होलिका को समर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत व पुष्प का भी पूजन में प्रयोग किया जाता है। गंध-पुष्प का प्रयोग करते हुए पंचोपचार विधि से होलिका का पूजन किया जाता है। पूजन के बाद जल से अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में होलिका में अग्नि प्रज्वलित कर दी जाती है। इसमें अग्नि प्रज्वलित होते ही डंडे को बाहर निकाल लिया जाता है।

राशि अनुसार खेलें रंग जीवन में लाएं खुशी के पल

होली रंगों का त्यौहार है और रंग प्रेम के परिचायक होते हैं। इन प्यार मोहब्बत के रंगों को वही व्यक्ति स्वीकार करता है जिन के मन में अनुराग और अपनत्व की भावना होती है। अपनी राशि के अनुसार अपने इष्ट का ध्यान कर अपने मन से सभी बुराईयों का दहन कर भविष्य की पवित्र, सुखद, शाश्वत, पापरहित और प्रेममयी होली के रंग अपने जीवन में लाने का संकल्प करें और सुनहरे भविष्य की उज्वल कामना करें।

- मेष : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली की पूजा करने के उपरांत मंदिर जाकर शिवालय के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल गुलाल का प्रयोग करें।
- वृषभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत कन्या पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्के पीले रंग का प्रयोग करें।
- मिथुन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे रंग का प्रयोग करें।
- कर्क : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत शिव परिवार का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए सफेद कपड़े धारण करें और केवल गुलाल से ही होली खेलें।
- सिंह : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान सूर्य नारायण का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाल एवं मेहरून रंग का प्रयोग करें।
- कन्या : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत गणपति बप्पा और धन के देवता कुबेर जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए टेसू रंग का प्रयोग करें।
- तुला : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत मां दुर्गा का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल और पीले रंग का प्रयोग करें।
- वृश्चिक : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति और उनकी पत्नियों रिद्धि-सिद्धि का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाबी रंग का प्रयोग करें।
- धनु : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान दत्तात्रेय (गुरु महाराज) का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।
- मकर : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान श्री राम और उनके प्रिय भक्त हनुमान जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्का गुलाबी और पीला रंग प्रयोग में लाएं।
- कुंभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत श्री राम भक्त हनुमान जी का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे और सिंदूरी रंग का प्रयोग करें।
- मीन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत बृहस्पति देव का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।

शादी समारोह में दुल्हन ने दागी तीन गोलियां, पुलिस ने दर्ज किया मामला

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शादी समारोह में एक दुल्हन के हर्ष फायरिंग करने का मामला सामने आया है। इस मामले में वीडियो सामने आने के बाद इस पुलिस ने दुल्हा,दुल्हन पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है। वायरल वीडियो में दुल्हन लगातार गोलियां चलाती नजर आ रही है। दुल्हन ने एक नहीं करीब तीन गोलियां हवा में दागीं इस दौरान एक व्यक्ति उन्हें गोल चलाने के लिए उकसा रहा थ। शादी समारोह के इस वीडियो में एक गोली चलाने के बाद पिस्टल जब रुक जाती है तो समारोह में मौजूद एक अन्य युवक दुल्हन को पिस्टल पकड़ना और गोलियां चलाने के बारे में बता रहा है। जानकारी होने के बाद दुल्हन लगातार तीन गोलियां हवा में चला देती है। दुल्हन का हर्ष फायरिंग करने वाला वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर डाल दिया तो ये मामला खुला। इसके बाद आनन फानन में पुलिस ने जांच शुरु कर दी। पुलिस ने पिस्टल वाली दुल्हन की जानकारी की तो वह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की बताई गई। पुलिस लगातार दूल्हा-दुल्हन की तलाश कर रही है लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया है।

केमिकल फैक्ट्री में आग से 5 मजदूरों की जिंदा जलने से मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के बस्सी इलाके के बैनाड़ा में शनिवार शाम को एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 5 मजदूरों की जिंदा जलने से मौत हो गयी। वहीं कुछ अन्य मजदूर घायल हो गये हैं। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। दुर्घटना की सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके साथ ही दमकल की कई गाड़ियों को आग बुझाने के लिए मौके पर बुला लिया था। घायल मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए मौके पर एंबुलेंस को भी बुलाया गया था। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मचारियों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। तब तक लाखों का सामान जलकर खाक हो गया था। आग इतनी विकराल थी कि उसकी लपटें और धुआं काफी दूर तक साफ देखा जा रहा था। इसे देखकर ग्रामीण भागते हुए मौके पर पहुंचे। आग बुझाने की कोशिश करने के साथ ही उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इस हादसे में मारे गए मजदूरों के शवों को कब्जे में ले लिया है। इसके साथ ही मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम दोस्त से मिलने नेपाल से मुंबई आई युवती, प्रेमी ने यौन उत्पीड़न करने के बाद छोड़ा

मुंबई, । सोशल मीडिया का क्रेज युवाओं पर हावी हो गया है। इस उम्र में बच्चे पढ़ाई पर ध्यान देने की बजाय घंटों सोशल मीडिया पर समय बिता रहे हैं। इस सोशल मीडिया के जरिए एक अनोखा प्रेम प्रसंग सामने आया है। एक नाबालिग लड़की अपने इंस्टाग्राम दोस्त से मिलने के लिए नेपाल से भारत की सीमा पार कर आई। लेकिन इस युवती को, जिसका सपना था कि आभासी दुनिया का एक दोस्त उसका प्रेमी बनेगा मगर उसे एक अलग संकट का सामना करना पड़ा। युवती को क्या पता था कि जिस प्रेमी ने उसे मिलने के लिए नेपाल से बुलाया है, वह सिर्फ उसके शरीर का आनंद लेना चाहता है। उसका यौन उत्पीड़न करने के बाद उसने उसे छोड़ दिया।

सोशल मीडिया पर पहचान और...

15 साल की एक लड़की की मुलाकात इंस्टाग्राम पर मुंबई से सटे मुंब्रा के एक लड़के से हुई। दोनों बातें करने लगे. फिर प्यार हो गया और दोनों ने एक-दूसरे के नंबर लिए। प्रेमी ने उसे झांसा दिया कि वह उससे शादी करना चाहता है. फिर 15 साल की नाबालिग लड़की अपने प्रेमी से मिलने के लिए नेपाल की सीमा पार कर सीधे मुंबई आ गई. लेकिन उसे क्या पता था कि उसका प्रेमी सिर्फ उसका आनंद लेना चाहता है। अपना उद्देश्य पूरा करने के बाद, उसने विदेशी लड़की को छोड़ दिया। तब लड़की दहशत में आ गई. वह नहीं जानती थी कि आगे क्या करना है.

यात्रियों ने पूछताछ की और हुआ मामले का खुलासा

यौन प्रताड़ना के डर से वह मुंबई लोकल से यात्रा कर रही थी. साथी यात्रियों ने लड़की को मध्य रेलवे के दादर लोकल में सदमे की हालत में बैठा हुआ पाया. सहयात्रियों ने लड़की से गंभीरता से पूछताछ की। तभी यह चौंकाने वाली घटना का खुलासा हुआ. इसके बाद यात्रियों ने उसे दादर स्टेशन पर रेल पुलिस को सौंप दिया। पुलिस जांच में पता चला कि उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है और कुछ ही घंटों में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. बहरहाल उक्त घटना कुछ जागरूक यात्रियों की वजह से सामने आई। सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण लड़के-लड़कियां घर से भाग रहे हैं। लेकिन कई लोगों को एहसास भी हो रहा है कि उनके साथ धोखा हुआ है. इसलिए माता-पिता को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

जैश के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाकर जैश के 4 आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। लोकल पुलिस ने जैश आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। कश्मीर जोन पुलिस इस मामले को लेकर बताया है कि श्रीनगर पुलिस आगे की जांच में जुटी है। गिरफ्तार आतंकियों के सहयोगियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। इस मामले में पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। श्रीनगर पुलिस ने जैश आतंकी मॉड्यूल के सहयोगियों से तीन मैगजीन के पास से एक एके 56 राइफल, 75 राउंड गोलियां, दो मैगजीन के साथ एक ग्लॉक पिस्तौल, 9 एमएम की 26 राउंड गोलियां और छह चीनी ग्रेनेड बरामद किए हैं।पकड़े गए आतंकियों की पहचान मोहम्मद यासीन भट, शेराज अहमद राठेर, गुलाम हसन खांडेय और पंपोर के इम्तियाज अहमद भट के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान आतंकी मॉड्यूल के रूप में काम कर रहे आरोपियों ने इस बात का खुलासा किया कि वे सभी आतंकी संगठन जैश से जुड़े हैं। श्रीनगर पुलिस के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने सेना की 50 आरआर, घाटी क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया टीम) और 29 बीएन सीआरपीएफ के जवानों ने एक संयुक्त अभियान चलाकर मोबाइल वाहन चेक पोस्ट केनिहामा क्षेत्र में स्थापित किया था।

मुंबई उत्तर पश्चिम से गोविंदा लड सकते हैं चुनाव

मुंबई। कांग्रेस के पूर्व सांसद एवं बालीवुड एक्टर गोविंदा महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े में शामिल हो सकते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 नजदीक है। ऐसे में अब फिल्म स्टार्स के भी चुनावी मैदान में उतरने की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि गोविंदा को मुंबई उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना-यूबीटी के अमोल कीर्तिकर के खिलाफ मैदान में उतारा जाएगा, जो शिंदे खेमे के मौजूदा सांसद गजानन कीर्तिकर के बेटे हैं। शिंदे की मौजूदगी में जल्द ही गोविंदा की एंट्री होने की उम्मीद है। हालांकि शिंदे गुट के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। सूत्रों के मुताबिक शिंदे गुट मौजूदा सांसद गजानन की उम्र को देखते हुए गोविंदा को उम्मीदवार बनाना चाह रहा है। गोविंदा ने साल 2004 में कांग्रेस के टिकट पर उत्तरी मुंबई से लोकसभा चुनाव लड़ा था और भाजपा के दिग्गज नेता राम नाइक को मात दी थी। फिर 2009 में उन्होंने राजनीति को वक्त की बर्बादी बताते हुए दूरी बना ली थी लेकिन अब वह फिर से किस्मत आजमा चाहते हैं। हाल ही गोविंदा ने मुख्यमंत्री शिंदे से मुलाकात की थी।

राजनीति की दुनिया में कदम रखने वाली है स्वरा, कांग्रेस मुंबई से दे सकती है लोकसभा का टिकट

मुंबई। खबरें आ रही हैं कि एक्टिंग के बाद एक्ट्रेस स्वरा भास्कर राजनीति की दुनिया में कदम रखने वाली है। वह लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कांग्रेस मुंबई से स्वरा भास्कर को लोकसभा का टिकट दे सकती है। हालांकि अभी तक कांग्रेस और स्वरा भास्कर की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कांग्रेस स्वरा भास्कर को मुंबई की उत्तर-मध्य सीट से लोकसभा का टिकट दे सकती है। इस सीट पर बीजेपी की पूनम महाजन सांसद हैं। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि स्वरा भास्कर कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। कांग्रेस भी स्वरा भास्कर के नाम पर विचार कर सकती है।

राजस्थान में अशोक गहलोत का दांव-इस तरह लगाएंगे भाजपा के मिशन 25 में सेंध

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में इस बार कांग्रेस ने अभी तक घोषित उम्मीदवारों में जालौर-सिरोही को छोड़कर नए लोगों को टिकट दिया है। केवल वैभव गहलोत को रिपीट किया है। सियासी जानकारों का कहना है कि इस बार श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़, अलवर, नागौर, सीकर, टोंक-सवाई माधोपुर और उदयपुर सीट पर इंडिया गठबंधन बीजेपी पर भारी पड़ता हुआ दिखाई दे रहे है। जैसलमेर-बाड़मेर से मोदी के मंत्री कैलाश चौधरी की राह भी आसान नहीं है। इन सीटों पर बीजेपी सांसदों से लोग नाराज बताए जा रहे है। हालांकि, बीजेपी की दूसरी लिस्ट जारी होने के बाद ही स्थितियां साफ हो पाएंगी। बीजेपी ने राजस्थान के लिए 15 उम्मीदवारों की घोषणा की है। जबकि 10 सीटों पर उम्मीदवार घोषित करना है। माना जा रहा है कि बचे हुए उम्मीदवारों की आज सूची जारी हो सकती है।

राज्य के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की चतुराई से इस बार बीजेपी के मिशन 25 में सेंध लग सकती है। दरअसल, कांग्रेस ने इस बार अपने प्रभाव वाली नागौर और सीकर लोकसभा सीट इंडिया एलायंस के लिए छोड़ दी है। हनुमान बेनीवाल की आरएलपी के लिए नागौर से अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी। बता दें सीकर और नागौर

दोनों ही कांग्रेस के गढ़ है। जाट बाहुल्य सीट पर कांग्रेस ने इस बार बीजेपी को घेर दिया है। सियासी जानकारों का कहना है कि इसका फायदा कांग्रेस को जयपुर ग्रामीण, चूरू, श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ और जैसलमेर-बाड़मेर में मिल सकता है। क्योंकि इन जिलों में हनुमान बेनीवाल की पार्टी का प्रभाव माना जाता है।

जानकारों का कहना है कि आरएलपी और वामदलों के 50 हजार से लेकर एक लाख वोट भी कांग्रेस प्रत्याशियों को मिल जाते हैं तो बीजेपी के मिशन 25 में सेंध लगना तय माना जा रहा है। चर्चा यह भी है कि डूंगरपुर-बांसवाड़ा सीट भारतीय आदिवासी पार्टी यानी बाप के लिए छोड़ सकती है। यहां से हाल ही में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए महेंद्र जीत सिंह मालवीय को बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया है। सियासी जानकारों का कहना है कि इस बार राजस्थान में बीजेपी की हैट्रिक लगना मुश्किल है।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि हनुमान बेनीवाल से गठबंधन करने में अशोक गहलोत की बड़ी भूमिका बताई जा रही है। बता दें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश चौधरी आरएलपी को गहलोल की प्रायोजित पार्टी बताते रहे है। विधानसभा चुनाव के दौरान भी हरीश चौधरी ने अपने आरोप दोहराए थे। सियासी जानकारों का कहना है कि हनुमान बेनीवाल से गठबंधन करके कांग्रेस ने बीजेपी के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। जाट बाहुल्य इलाकों में बेनीवाल का खासा असर माना जाता है। गठबंधन करने से मतों बंटवारों रूकेगा और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों का फायदा मिल सकता है। बता दें 2019 के लोकसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल खुद नागौर से सांसद बने थे। हालांकि, उस दौरान बेनीवाल का बीजेपी से गठबंधन था। लेकिन किसान आंदोलन के चलते बेनीवाल बीजेपी से अलग हो गए थे।

दुनिया छोड़ दूंगा पर पूर्णिया नहीं छोडूंगा : पप्पू यादव

पूर्णिया। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पप्पु यादव ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव चाहते थे कि मैं राजद में शामिल हो जाऊं। पर मैने कांग्रेस को चुना है। इसके लिए मर जाएंगे कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे, दुनिया छोड़ देंगे, पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे। मतलब साफ है कि किसी भी सूरत में पप्पू यादव पूर्णिया से ही चुनाव लड़ेंगे। पप्पू यादव को ये मसला इसलिए उठाना पड़ा कि हाल ही

में जेडीयू विधायक बीमा भारती हाल ही में आरजेडी में शामिल हुई है। इसके बाद पूर्णिया सीट को लेकर घमासान मच गया। इस सीट से कांग्रेस नेता पप्पू यादव पहले से ही दावा कर रहे हैं। वहीं, इस राजनीतिक उलटफेर पर पप्पू यादव ने रविवार को कहा कि मैं एक परिवार के विश्वास, आशीर्वाद और एक पार्टी की विचारधारा से जुड़ गया हूं। ये सारी जिम्मेदारियां अब उस पार्टी के नेतृत्व की है। मैं कोसी में काम कर रहा हूं। पिछले 2 वर्षों से सीमांचल और 5 वर्षों से पूरे बिहार में काम कर रहा हूं। लालू यादव चाहते थे कि मैं मधेपुरा से चुनाव लडूं लेकिन मैंने इसे ठुकरा दिया। मैंने उनसे कहा कि मैं पूर्णिया नहीं छोड़ सकता।पप्पू यादव ने कहा कि लालू यादव चाहते थे कि मैं आरजेडी में शामिल हो जाऊं, लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने मुझ पर भरोसा किया है। भरोसा मेरे लिए काफी था। मैं कांग्रेस में शामिल हो गया। इस पर ट्वीट भी किया है कि मर जाएंगे कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे, दुनिया छोड़ देंगे, पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे इसलिए, नेतृत्व मुझे जो भी जिम्मेदारी देगा, मैं उसे निभाऊंगा। मेरे लिए विश्वास सबसे महत्वपूर्ण है, पद नहीं अगर मुझे चुनाव लड़ना हुआ तो मैं पूर्णिया से चुनाव लडूंगा और कहीं से नहीं।

पति जेल में बंद इनकी पत्नियां कल्पना, सुनीता व श्रीकला लड़ सकती हैं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी पत्नियों का सियासी जंग में आना नई बात नहीं है। इस बार लोकसभा चुनाव में कई ऐसे राजनेताओं की पत्नियां हैं जो अपने पति की सियासी विरासत को बचाने के लिए चुनाव मैदान में आने की तैयारी कर रही हैं। इनमें हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला हैं। तीनों के पति अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार हुए हैं

और लोकसभा चुनाव तक इनके बाहर आने की संभावनाएं बहुत ही कम है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह तीनों ही अपने पति के सियासी मैदान को बचाने के लिए फ्रंटफुट से खेल सकती हैं। दिलचस्प बात है कि जेल में बंद ये तीनों ही नेता सत्ताधारी बीजेपी के विरोधी खेमे के हैं।

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन जमीन घोटाले के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में हैं। न्यायिक हिरासत के तहत उन्हें रांची जेल में रखा गया है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन राजनीति में सक्रिय हो गई हैं। मुंबई में हाल ही में इंडिया गठबंधन की रैली हुई थी जिसे कल्पना सोरेन ने संबोधित किया था। जमीन पर भी कल्पना काफी सक्रिय हैं और संथाल परगना में घूम-घूम कर लोगों से जनसमर्थन जुटा रही हैं। जेएमएम सूत्रों के मुताबिक कल्पना सोरेन के चुनाव लड़ाने की भी तैयारी पार्टी के भीतर हो रही है। कल्पना गांडेय सीट से उपचुनाव लड़ सकती हैं। यह सीट हेमंत सोरेन ने जेल जाने से पहले खाली करवा दी थी। कल्पना को आगे लाने के पीछे का मुख्य मकसद संथाल परगना में जेएमएम वोटरों को इमोशनली साधना है। कल्पना के भाषण की स्क्रिप्ट भी हेमंत के जेल जाने के इर्द-गिर्द ही रहती है। कल्पना और हेमंत सोरेन की शादी साल 2006 में हुई थी। वे मूल रूप से ओडिशा के मयूरभंजन जिले की रहने वाली हैं। सक्रिय राजनीति में आने से पहले कल्पना एक प्ले स्कूल चलाती थीं।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह अभी जेल में बंद हैं। चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले ही उन्हें अपहरण के एक मामले में दोषी पाया गया था। उन्हें 7 साल की सजा मिली है। धनंजय इस बार भी जौनपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। हालांकि जेल जाने और सजा मिलने की वजह से उनके अरमानों पर पानी फिर गया है। जौनपुर से अब उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी के चुनाव लड़ने की चर्चा है। श्रीकला अभी जौनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। धनंजय और श्रीकला की शादी साल 2017 में हुई थी। श्रीकला को लेकर जौनपुर से लखनऊ तक 2 तरह की चर्चा है। धनंजय सिंह के सिंपैथी वोट को हासिल करने के लिए श्रीकला रेड्डी को समाजवादी पार्टी टिकट दे सकती है। सपा और बीएसपी से टिकट नहीं मिलने पर श्रीकला रेड्डी निर्दलीय लोकसभा का चुनाव लड़ सकती हैं। जौनपुर ठाकुर बाहुल्य सीट है जहां पर 2009 में धनंजय सिंह ने जीत हासिल की थी। 2014 चुनाव में धनंजय को जौनपुर सीट से 65 हजार वोट मिले थे। 2022 में धनंजय जौनपुर के मल्हनी सीट से उम्मीदवार थे जहां उन्हें करीब 80 हजार वोट मिले थे।

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद अरविंद को कोर्ट ने 6 दिनों के लिए कस्टडी में भेजा है। चुनाव के बीच केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आम आदमी पार्टी को सकते में ला दिया है। केजरीवाल अगर लंबे वक्त तक ईडी की गिरफ्त में रहते हैं तो उनकी पत्नी पार्टी के लिए कैंपेन कर सकती हैं। केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर पिछली बार भी सुनीता ने कैंपेन किया था। इतना ही नहीं अरविंद को जब ईडी की टीम ने गिरफ्तार किया तो सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सुनीता ने केंद्र को निशाने पर लिया था। इसके अलावा सुनीता ने जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का संदेश भी देशवासियों के लिए पढ़ा था। सुनीता और अरविंद की शादी साल 1994 में हुई थी। सुनीता भी आईआरएस अधिकारी रही हैं। हालांकि अब वो वीआरएस लेकर परिवार संभाल रही हैं।

पूर्व वायुसेना प्रमुख भदौरिया भाजपा में शामिल हुए, गाजियाबाद से मिल सकता है टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों के ठीक पहले पूर्व वायुसेना प्रमुख प्रमख राकेश कुमार सिंह भदौरिया भी राजनीति में उतर गये हैं। भदौरिया भाजपा में शामिल हो गये हैं। भाजपा महामंत्री विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में उन्होंने सदस्यता ली। इस मौके पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के अभियान में भदौरिया की बड़ी भूमिका रही है। वहीं भदौरिया ने कहा कि वह विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सहयोग करेंगे।

उन्हें गाजियाबाद लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है। अभी यहां से पूर्व सेनाध्यक्ष वीके सिंह सांसद हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर भदौरिया के भाजपा की सदस्यता देने की पुष्टि की है। भदौरिया के अलावा पूर्व सांसद तिरुपति श्री वाराप्रसाद राव भी भाजपा में शामिल हो गये हैं।

भदौरिया उत्तर प्रदेश के ही रहने वाले हैं। देश में राफेल लाने में उनकी अहम अहम भूमिका रही है। वह सितंबर 2019 से सितंबर 2021 तक वह वायुसेना प्रमुख के पद पर रहे। इसी के साथ ही भाजपा ने अब तक लोकसभा चुनावों के लिए 291 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। शीघ्र ही उसकी पांचवीं लिस्ट भी जारी होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में अब तक 51 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं। वहीं शेष सीटों पर उम्मीदवारों की घोष्णा अभी होनी है। इस सूची में गाजियाबाद और पीलीभीत की सीट भी शामिल है।

चंदन तस्कर वीरप्पन की बेटी लड़ेगी लोकसभा चुनाव

-पिता के आतंक को लेकर बन चुकी हैं कई फिल्में

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में दावेदारी करने वालों का अपना ही अलग महत्व है, लेकिन राजनीतिक पार्टियां किसे अपना उम्मीदवार बनाती हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी होती हैं। ऐसे में एक नाम जो सुर्खियां बटोर रहा है वो है कुख्यात चंदन तस्कर और डाकू रहे वीरप्पन का। असल में वीरप्पन की बेटी विद्या रानी ने लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर सभी को चौंका दिया है।

गौरतलब है कि वीरप्पन की बेटी विद्या रानी ने शनिवार को ऐलान करते हुए कहा कि वह तमिलनाडु के कृष्णागिरि निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। यह घोषणा तब उन्होंने की है जबकि कुछ दिन पहले ही वो भाजपा से इस्तीफा दे कर खुद को आजाद घोषित कर दिया था। इसी बीच विद्या रानी ने बयान जारी करते हुए कहा था कि वो तमिलर काची के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। इस अवसर पर उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि पिता लोगों की सेवा जरुर करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए जो रास्ता चुना वह उचित नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि वो आमलोगों की सेवा करने के लिए ही राजनीति में आई हैं। यहां बतलाते चलें कि विद्या रानी एक्टिविस्ट होने के साथ ही पेशे से वकील हैं। वो आदिवासियों और दलितों के लिए काम करती चली आ रही हैं।

गौरतलब है कि उनके पिता कुख्यात डाकू वीरप्पन को 2004 में तमिलनाडु पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक मुठभेड़ के दौरान मार गिराया था। जंगल में एकछत्र राज करने वाले वीरप्पन को लेकर फिल्मी दुनियां ने करीब 6 फिल्में बनाई हैं। यहां वीरप्पन की बेटी ने भाजपा ज्वाइन कर राजनीति में कदम रखा तो भाजपा ने उन्हें यूथ ब्रिगेड का उपाध्यक्ष बना दिया था। इसके बाद हाल ही में अभिनेता-निर्देशक सीमान के नेतृत्व वाले एनटीके में शामिल होने के लिए उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था और अब उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर सभी को अचंभे में डाल दिया है।

रिश्वत में आए 100 करोड़ का इस्तेमाल गोवा चुनाव में प्रचार के लिए हुआ

-ईडी ने कहा-अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाले के साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में है। वहीं ईडी का आरोप है कि केजरीवाल सीधे तौर पर शराब नीति में शामिल थे। शराब नीति को इस तरह बनाया गया जिससे रिश्वत लेने का रास्ता खुल गया। ईडी ने केजरीवाल को कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले का मुख्य साजिशकर्ता बताया है। हालांकि इस पर केजरीवाल ने कहा कि उन्हें इस मामले से जोड़ने का ईडी के पास कोई सीधा सबूत नहीं है।

अरविंद केजरीवाल की ओर से दलील देते सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं है क्योंकि 80 फीसदी लोगों ने अपने बयानों में दिल्ली के सीएम का नाम नहीं लिया है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने 17 नवंबर 2021 को एक्साइज पॉलिसी 2021-22 को लागू किया था। इस नई पॉलिसी के तहत दिल्ली का शराब कारोबार निजी कर्पनियों को दे दिया गया था। केजरीवाल सरकार का दावा था कि नई पॉलिसी से माफिया राज खत्म होगा और सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। नई शराब नीति को मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली में शराब की सरकारी दुकानों को बंद कर दिया गया था। दिल्ली को 32 जोन में बांट दिया गया था। हर जोन में 27 शराब की दुकानें थीं। हर वार्ड में 2 से 3 वेंडर को शराब बेचने की अनुमति थी। हालांकि ये नीति शुरुआत से ही विवादों में रही और आठ महीने बाद 28 जुलाई 2022 को दिल्ली सरकार ने नई नीति रद्द कर दी।

ईडी की ओर से पेश होने वाले एडीशनल सॉलिसिटर जनरल एएसवी राजू ने अदालत में कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाले के किंगपिन हैं और वह पूरे समय तत्कालीन उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया के संपर्क में थे। रिश्वत में आए 100 करोड़ का इस्तेमाल गोवा चुनाव में प्रचार के लिए किया गया था। इस बात की पुष्टि गोवा में आम आदमी पार्टी के एक उम्मीदवारों ने की है जिसे चुनाव खर्च के लिए नकद राशि दी गई थी।

एजेंसी ने आगे दावा किया कि आरोपों की पुष्टि न केवल गवाहों के बयानों से होती है, बल्कि कॉल डेटा भी इसकी पुष्टि करते हैं। आरोप लगाया कि केजरीवाल ने साउथ ग्रुप को फायदा पहुंचाने के बदले में उनसे रिश्वत की मांग थी। ईडी ने केजरीवाल को मुख्य आरोपी बताया है। आम आदमी पार्टी एक कंपनी है, लेकिन इसका व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है। इसलिए कंपनी के कामकाज में शामिल व्यक्ति को जिम्मेदार बताया गया है। कथित घोटाले के समय केजरीवाल आम आदमी पार्टी के मुख्य चीफ थे। इसलिए केजरीवाल के खिलाफ पीएमएलए की धारा 4 और पीएमएलए की धारा 70 के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है।

बसपा से गठबंधन की जुगत लगा रहा अपना दल कमेरावादी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक नया गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। इंडिया गठबंधन में एक भी सीट नहीं मिलने से नाराज अपना दल कमेरावादी अब बसपा से गठबंधन की जुगत लगा रहा है। दोनो ही दलों में इसको लेकर अंतिम दौर की बात चल रही है। इसके लिए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने लोकसभा की तीन सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले को फिलहाल स्थगित कर दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम छपाने की शर्त पर बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए बसपा से बातचीत चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बसपा के साथ मिलाकर चुनाव लड़ा जाएगा। बता दें कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन के घटक अपना दल (कमेरावादी) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी को गठबंधन के तहत एक भी सीट नहीं दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की थी। तब पार्टी ने कहा था कि बिहार में जो नीतीश कुमार के साथ हुआ, वही उत्तर प्रदेश में उसके साथ किया जा रहा है। विधायक पल्लवी पटेल ने विपक्षी गठबंधन के तहत आगामी लोकसभा चुनाव के लिये उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी को एक भी सीट नहीं दिये जाने पर नाराजगी जाहिर की थी। इस बाद अखिलेश यादव ने गठबंधन तोड़ने का एलान कर दिया था।दरअसल, अपना दल (कमेरावादी) ने मिर्जापुर, फूलपुर और कौशांबी से चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

प्रधानमंत्री का भ्रष्टाचार का आरोप खोखला, जयराम रमेश ने कहा- 'इंडिया' गठबंधन एकजुट, 272 का आंकड़ा करेंगे पार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ''पलटी मारने'' और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के अकेले लड़ने के बावजूद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' एकजुट है और यह (बहुमत का) 272 का आंकड़ा पार करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विपक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार के विमर्श को ''खोखला'' करार देते हुए खारिज किया। रमेश ने ''पीटीआई मुख्यालय'' में समाचार एजेंसी के संपादकों एवं पत्रकारों के साथ बातचीत में यह भी कहा कि विपक्ष एकजुट होकर चुनाव में 272 का आंकड़ा पार करेगा और भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगा। उन्होंने चुनावी बॉण्ड, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले झामुमो नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी सहित कई मुद्दों पर बात की। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के क्रमशः अमेठी और रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों पर भी अपने विचार साझा किए। बुनियादी ढांचा संबंधी ठेके मिलने के बाद एक भाजपा सांसद द्वारा चुनावी बॉण्ड खरीदे जाने का दावा करते हुए रमेश ने कहा, ''चुनावी बॉण्ड योजना के काम करने के तरीके को देखें। 4,000 करोड़ रुपये के बॉण्ड सीधे तौर पर चार लाख करोड़ रुपये के ठेकों से जुड़े हुए हैं। चुनावी बॉण्ड और ठेके देने के बीच एक स्पष्ट संबंध है।'' उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि भाजपा के पक्ष में कई कंपनियों द्वारा खरीदे गए 4,000 करोड़ रुपये के बॉण्ड सीधे तौर पर ठेके देने और उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों द्वारा शुरू की गई कार्रवाई से जुड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह कहना कि मोदी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाएंगे और यह दिखाने के लिए कि वह भ्रष्टाचार से लड़ रहे हैं, उदाहरण देने के लिए हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले का इस्तेमाल करेंगे तो ये बिल्कुल खोखला तर्क है। चुनावी बॉण्ड की कहानी को देखें, यह पूरी तरह से बदले की भावना का मामला है।'' उन्होंने दावा किया, ''जहां तक प्रधानमंत्री मोदी का सवाल है, यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि भ्रष्टाचार एक खोखला मुद्दा है।

आंख का इलाज कराने लंदन गए आप सांसद चड्ढा ने खालिस्तानी समर्थक सांसद से की मुलाकात

– भड़की भाजपा ने उठाए कई सवाल

लंदन। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में फंसे सीएम अरविंद केजरीवाल का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा विवादों में आ गए हैं। आंख का इलाज कराने लंदन पहुंचे आप सांसद ने ब्रिटिश लेबर सांसद प्रीत गिल से मुलाकात की है। इस पर भारत में भाजपा ने कई सवाल उठाए हैं। भाजपा ने खालिस्तान अलगाववाद की वकालत करने वाले और सामाजिक तौर पर भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने वाले नेता से मिलने के लिए आप सांसद की निंद की है। आपको बतला दें कि राघव चड्ढा इन दिनों आंखों के इलाज के लिए लंदन में हैं। भाजपा लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें सतर्क रहना होगा, इन ताकतों को पहचानना होगा और उन्हें हराना होगा। बीजेपी आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मैं जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की पत्नी की इस बात से पूरी तरह से सहमत हूं जिसमें वह कहती हैं कि देश के अंदर और बाहर ऐसी कई ताकतें हैं जो देश को कमजोर कर रही हैं। मालवीय ने राघव चड्ढा और गिल की एक तस्वीर भी पोस्ट की है। बीजेपी नेता ने लिखा, वह शायद यह बताना चाहती हैं कि आप सांसद राघव चड्ढा ब्रिटिश लेबर सांसद प्रीत के गिल के साथ क्या कर रहे हैं। गिल खुले तौर पर अलगाववाद की वकालत करते हैं। ब्रिटेन भारत विरोधी अभियान के लिए के लिए धन जुटाते हैं। लंदन में इंडिया हाउस के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए फंड देते हैं। लगातार भारत और मोदी विरोधी पोस्ट करते हैं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर हिंदू विरोधी सामग्री भरी हुई है।

अमेरिका में एक भारतीय युवक की हादसे में मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी के पेंसिल्वेनिया राज्य में एक भारतीय वयक्ति की हार हादसे में मौत हुई है। भारतीय दूतावास ने ये जानकारी दी है। दूतावास ने युवक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि 21 मार्च को पेंसिल्वेनिया में एक दुखद कार दुर्घटना में 24 साल के अर्शिया जोशी की मौत हो गई। जोशी ने पिछले साल स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह जोशी के परिवार और भारतीय समुदाय के नेताओं के संपर्क में है। उसने मृतक के बारे में अधिक जानकारी दिए बिना कहा, ''अर्शिया के शव को जल्द से जल्द भारत भेजने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।।''

भारत के साथ व्यापार करना चाहता है पाकिस्तान

लंदन। भारत पाकिस्तान के बीच संबंध लंबे समय से ठीक नहीं है। लंबी राजनीतिक उठापटक के बाद नई सरकार बनी है और वे अपने पड़ोसी से अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। शहबाज सरकार के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी कहा कि पाकिस्तान के बिजनेस कम्युनिटी हिंदुस्तान के साथ ट्रेड शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पड़ोसी को बदला नहीं जा सकता।इशाक डार लंदन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, जब उन्होंने जम्मू कश्मीर से धारा 370 खत्म किए जाने पर टिप्पणी की और कहा कि वो जो हुआ वो गलत हुआ। इशाक डार ने कहा, हमें अगस्त 2019 की भारतीय कार्रवाई के लिए खेद है, लेकिन पाकिस्तान का व्यापारिक समुदाय भारत के साथ व्यापार बहाल करना चाहता है। इस संबंध में बातचीत की जाएगी और सभी प्रस्तावों की समीक्षा के बाद निर्णय लिया जाएगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि बजट से पहले भी इस बारे में चर्चा उठ रही थी। सिंगापुर के माध्यम से ट्रेड करना मुश्किल होता है। ट्रांसपोर्टिंग का कोस्ट अतिरिक्त लग जाता है और इस लिए इस बारे में बैठक की जाएगी और देखा जाएगा कि अर्थव्यवस्था को बूस्ट देने के लिए जो ट्रेड है उसका क्या कर सकते हैं। वह मीडिया से बात कर रहे थे, जहां उन्होंने कहा, मैं इसका जवाब अभी हां या ना में नहीं दे सकता, क्योंकि कंसल्टेशन की जरूरत है।

क्राउन प्रिंस ने रमजान का दिया बड़ा तोहफा– दुबई में इमामों और मुअज्जिनों के बढ़े भत्ते

दुबई। रमजान के पाक मौके पर संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने दुबई में इमामों और मुअज्जिनों को सौगात दी है। उन्होंने इन सभी के वेतन और भत्ते में बढ़ोतरी के आदेश दिए हैं।संयुक्त अरब अमीरात के क्राउन प्रिंस ने यह कदम यूं ही नहीं उठाया है, बल्कि इसके पीछे बेहद खास मकसद है। रिपोर्ट की मानें तो मानवता और मुस्लिम समुदाय के प्रति इमामों और मुअज्जिनों की सेवा और समर्पण की मानवीय भावना को सम्मान देने के लिए क्राउन प्रिंस ने यह कदम उठाया है।यह बढ़ोतरी दुबई में इस्लामिक मामलों और मजहबी गतिविधि विभाग के तहत संचालित मस्जिदों में सेवा करने वालों पर लागू होगी। अब इमामों और मुअज्जिनों को को बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। बता दें कि दुबई के क्राउन प्रिंस अपनी दरियादिली के लिए सोशल मीडिया पर अमूमन छाए रहते हैं। 2021 में एक हादसे के दौरान उनका दोस्त नदी में गिर गया था, जिसके बाद पानी में उसे डूबने से बचाने के लिए वह खुद कूद पड़े थे। इसके अलावा वह काफी लग्जरियस लाइफ भी जीते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें वायरल रही हैं, जिन पर दुनिया भर में चर्चा होती है। फिलहाल रमजान का महीना चल रहा है। इस बीच इमामों और मुअज्जिनों के भत्ते में बढ़ोतरी कर उन्होंने एक बार फिर इसी दरियादिली का परिचय दिया है। इस्लाम में इमामों का खासा ओहदा है? जो मुस्लिम समुदाय को इस्लामिक रीति रिवाज के मुताबिक मजहबी निगाह पर चलने के लिए दिशा निर्देश देते हैं। जबकि मुअज्जिन वे अधिकारी होते हैं जो अजान के जरिए वे नमाज अदा करने के लिए घोषणा करते हैं।

मॉस्को में आतंकी हमले को लेकर यूक्रेन पर शक, 11 आरोपी पकड़े

मॉस्को। बीते रोज मॉस्को में हुए आतंकी हमले में 143 लोगों की जान चली गई जबकि सैकड़ों लोग घायल है। इस घटना पर रुस को यूक्रेन पर शक है। वहीं इस मामले में 11 आरोपियों को पकड़ लिया गया है।आपको बता दें कि हमलावरों ने गोलीबारी के बाद हॉल को आग लगा दी। रूस की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह हमला यूक्रेन से जुड़ा है, हालांकि इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि अधिकारियों ने हमले में सीधे तौर पर शामिल चार लोगों सहित 11 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावर सीमा पार कर यूक्रेन की तरफ जाने की कोशिश कर रहे थे। इस बीच, यूक्रेन ने हमले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। पुतिन ने इस हमले को बर्बर आतंकवादी कृत्य करार दिया। साथ ही उन्होंने बदला लेने की भी बात कही है।

रूस की जांच समिति ने कहा कि चारों संदिग्धों को पश्चिमी रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पकड़ा गया। यह क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से ज्यादा दूर नहीं है। रूस में पिछले दो दशक में हुआ सबसे भीषण आतंकवादी हमला माना जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब देश का यूक्रेन के साथ युद्ध तीसरे साल भी जारी है। हमले के तुरंत बाद कुछ रूसी सांसदों ने यूक्रेन पर उंगली उठाई। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोदोल्याक ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यूक्रेन ने कभी भी आतंकवादी तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया है। इस युद्ध में सब कुछ जंग के मैदान पर ही तय होगा।' 'रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' ने बताया कि हमलावरों के 'क्रोकस सिटी हॉल' में हमला करने के कुछ ही मिनट बाद पुतिन को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। यह हॉल मॉस्को के पश्चिमी छोर पर स्थित एक बड़ा संगीत स्थल है, जिसमें 6,000 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। यह हमला तब हुआ जब क्रोकस सिटी हॉल में प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड पिकनिक के एक संगीत कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी। इस्लामिक स्टेट समूह ने सोशल मीडिया पर संबद्ध चैनलों पर साझा किए गए एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली। इस्लामिक स्टेट समूह ने अपनी समाचार एजेंसी 'अमाक' द्वारा साझा किए गए एक बयान के जरिए कहा कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क में ईसाइयों की एक बड़ी सभा पर हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हो गए।

मॉट्रियल में कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री ब्रेन मुलरोनी को श्रद्धांजलि देते हुए लोग।

पुतिन ने कहा खून का बदला खून– चुन चुनकर लेंगे बदला

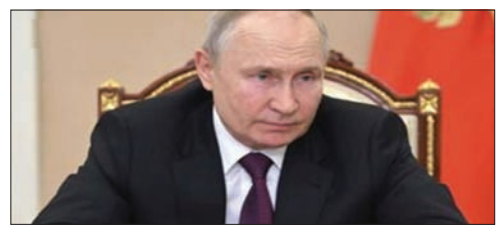

मॉस्को। आतंकी हमले के बाद भड़के रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने सख्त अंदाज में कहा है कि जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है उसे किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेगे। खून का बदला खून से ही लिया जाता है। राष्ट्र के नाम अपने हालिया संबोधन में, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल पर हमले को बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन ने हमले के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमले के पीछे जो भी लोग शामिल हैं उनके कड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों को सजा देने के लिए उन्होंने अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया. उन्होंने कहा, वे कोई भी हों और जो भी उन्हें निर्देशित कर रहे हों, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि गोलीबारी करने वाले आतंकवादियों ने कीव की ओर भागने की कोशिश की थी।उन्होंने इस हमले में आम नागरिकों को पहुंचे नुकसान के लिए खेद जताया। पुतिन ने इस भयावह घटना के पीड़ितों के सम्मान में 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की है। राष्ट्रपति पुतिन ने यह भी कहा कि हमले के अपराधियों ने हमले को अंजाम देने के बाद यूक्रेन भागने की योजना बनाई थी। उन्होंने दावा किया कि आतंकवादियों को रूस से सीमा पार भागने में मदद करने के लिए यूक्रेन के भीतर तैयारी की गई थी। हालांकि, यूक्रेन ने इस हमले से खुद को अलग बताया है। यूक्रेन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

महिलाओं के खतना पर पाबंदी हटाने जा रहा गाम्बिया

–एफएमजी को मानने वाले समुदायों की महिलाएं खतना करती हैं

बांजुल (एजेंसी)। यूनिसेफ ने अपना टारगेट रखा है कि वो महिलाओं के खतना की प्रथा को 2030 तक पूरी तरह से खत्म करवा देगी। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में एफजीएम सर्वाइवर्स की संख्या 230 मिलियन से ऊपर है। इस प्रथा के खतरों को देखते हुए कई देशों ने इस पर कानूनी पाबंदी भी लगा रखी है, लेकिन गाम्बिया ऐसा देश है, जो बैन हटाने की सोच रहा है।

एफजीएम को भले ही धार्मिक चोला पहनाया जाता हो लेकिन हकीकत में ये महिलाओं की यौन इच्छाओं पर दबाने एक टूल है। खुद वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने माना था कि बच्चियों की कम उम्र में खतना कर दी जाती है। इस दौरान एक्सटर्नल प्राइवेट पार्ट के उन हिस्सों को कट किया जाता है, जिनसे यौन इच्छाओं का संबंध होता है. इसके पीछे महिलाओं के शादी के पहले संबंध न बनाने, या फिर यौन सुख न पा सके जैसी सोच हो सकती है।

विगत दिवस गाम्बियन लॉमेकर्स ने बैन हटाने को लेकर वोटिंग करवाई। माना जा रहा है कि बहुत जल्द इस प्रथा को कानून की मंजूरी मिल जाएगी। इसकी वजह है धर्मगुरुओं का विरोध। खतना को गैरकानूनी बनाए जाने के बाद सरकार ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने लगी जो बच्चियों की खतना करते थे। इसपर इस्लामिक धर्मगुरु नाराज हो गए उनका कहना है कि सरकार उनकी परम्परा और प्रथा के साथ छेड़खानी नहीं कर सकती। इसपर मानवाधिकार संस्थाएं भी डरी हुई हैं कि इसके बाद चाइल्ड मैरिज (बाल विवाह) से पाबंदी भी हट जाएगी। दूसरी तरफ ऐसी महिलाएं भी हैं जो खुद इस प्रथा के सपोर्ट में हैं।

एफएमजी को मानने वाले समुदायों की महिलाएं खतना करती हैं। वे मेडिकल प्रोफेशनल नहीं होतीं, न ही उन्हें हाइजीन की खास जानकारी रहती है. ऐसे में पाया गया कि खतना की हुई बच्चियां शॉक, हेमरेज मतलब बहुत ज्यादा खून बहना, टिटेनस या गंभीर इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं। बहुत ज्यादा दर्द, बुखार और यूरिनरी संक्रमण को आम माना जाता है. कई बार इंफेक्शन कंट्रोल न होने पर सेप्टिसीमिया हो जाता है, जिससे उसकी जान भी जा सकती है।

डब्ल्युएचओ ने इसपर रोक लगाने के लिए वर्ल्ड हेल्थ असेंबली में एक रिजॉल्यूशन पास किया। वो सारे देशों से इसे बंद करने की अपील करने लगा। इसका असर भी दिखा कई देशों में इसपर पाबंदी लग गई। लेकिन छुपकर सब कुछ चलता रहा। वहीं मुस्लिम-बहुल अफ्रीकी देशों में ये प्रथा कॉमन है। सोमालिया में 98 प्रतिशत से भी ज्यादा महिलाएं खतना की प्रक्रिया से गुजरती हैं। एशिया और लैटिन अमेरिका के मुस्लिम-बहुल समुदायों को मिलाकर कुछ 30 देशों में ये रिपोर्टेड तौर पर हो रहा है।

क्या है एफजीएम

- एक प्रोसेस में यौनांग के ऊपरी हिस्से क्लिटोरिस को अलग कर दिया जाता है
- क्लिटोरिस को हटाते हुए साथ में वल्वा के भीतर हिस्से को भी हटाया जाता है
- एक टाइप इनफिब्युलेशन है, जिसमें वजाइनल ओपनिंग को सिलकर संकरा कर देते हैं

पाकिस्तान में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को न्याय दिलाने की मांग

–युद्ध नायकों के बलिदान को मान्यता दें

–शादमान चौक का नाम बदलकर शहीदे आजम रखने की मांग

लाहौर (एजेंसी)। यहां शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की 93वीं बरसी पर उनके समर्थकों और अनुयायियों ने पाकिस्तान में उन्हें फिर से न्याय दिलाने के लिए मुकदमा दोबारा शुरू करने की मांग की है। ब्रिटिश शासन के दौरान भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को आजादी के आंदोलन और सरकार के खिलाफ अभियान के मामले में यहां 23 मार्च, 1931 को यहां शादमान चौक पर फांसी दे दी थी। भगत सिंह को शुरू में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी पर बाद में उन्हें एक और मामले में फंसाकर मौत की सजा सुनाई गई। शहीदे आजम भगत सिंह को पूरे उपमहाद्वीप में सम्मान की नजर से देखा जाता है।

भगत सिंह की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने बैनर लेकर और नारे लगाते हुए शहीद-ए-आजम के लिए न्याय की मांग की। इस अवसर पर भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन, पाकिस्तान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शादमान चौक पर मोमबत्तियां जलाई गईं।

कार्यक्रम के दौरान एक प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें न्यायालय से भगत सिंह के मामले की सुनवाई फिर से उसी तरह करने और उन्हें न्याय देने का आग्रह किया गया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान पारित प्रस्ताव में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से तीनों वीर सपूतों को राष्ट्रीय नायकों का दर्जा देने का अनुरोध किया गया, इतना ही नहीं, भगत सिंह को पाकिस्तान के शीर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की भी मांग की गयी।

प्रस्ताव में शादमान चौक का नाम बदलकर भगत सिंह के नाम पर करने की भी मांग की गई। यह मामला पहले से ही विचाराधीन है। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष अधिवक्ता इम्तियाज रशीद कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच शांति समय की मांग है, जिससे लाखों लोगों को फायदा होगा। कुरैशी ने कहा कि सरकार को युद्ध नायकों के बलिदान को मान्यता देनी चाहिए।

सिंगापुर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है

सिंगापुर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों की कड़ी निंदा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च को कहा कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है। बीजिंग के दावों को हास्यास्पद बताया है। तीन देशों की अपनी यात्रा के तहत सिंगापुर पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को यहां के नेशनल यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज में आयोजित एक कार्यक्रम में पड़ोसी देश चीन के दावों को गलत बताया। बीजिंग से 3700 किलोमीटर की हवाई दूरी पर मौजूद सिंगापुर में विदेश मंत्री ने अपनी किताब व्हाई भारत मैटर्स पर भी खूब बात की।

कार्यक्रम के दौरान चीन के अरुणाचल पर दावे को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन ने पहले भी दावा किया है। यह दावा हास्यास्पद है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है क्योंकि यह भारत का हिस्सा हमेशा से रहा है इसलिए नहीं कि कोई अन्य देश कहता है कि यह भारत का हिस्सा है।

हाल ही में चीन ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर कहा था कि यह चीन के क्षेत्र जांगन का एक अंतर्निहित हिस्सा है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग भारत की ओर से अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी स्वीकार नहीं करता है। दूसरी तरफ भारत ने चीन के इन बेतुके दावों को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोगों को भारत के विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभ मिलता रहेगा। कार्यक्रम में जयशंकर ने 2020 से जारी सीमा गतिरोध के साथ सीमा पर संतुलन की नींव को बिगाड़ने के लिए चीन की आलोचना की। जयशंकर ने कहा कि हम सीमा विवाद को सुलझाने के बारे में बात नहीं कर रहे हैं हम सीमा पर शांति बनाए रखने के बारे में बात कर रहे हैं और हमने ऐसा किया था। 1975 से 2020 तक सीमा पर कोई भी नहीं मारा गया इसलिए 45 वर्षों तक यह काम करता रहा। हमें आज खुद से पूछना होगा कि यह अब काम क्यों नहीं कर रहा है।

गाजा में भुखमरी को देखते हुए और अधिक सहायता पहुंचाने की जरुरत : गुतारेस

– संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई हो

जेनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि संघर्ष से तबाह हुए गाजा में अधिक से अधिक सहायता भेजी जानी चाहिये। गुतारेस ने गाजा के रफह शहर के निकट मिस्र की सीमा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि गाजा को अधिक से अधिक मात्रा में जीवनरक्षक सहायता की जरुरत है जो उसे मिलनी चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने इजराइल एवं हमास के बीच तत्काल संघर्ष विराम की अपील भी की। वहीं इजराइल दुनिया भर के विरोध के बाद भी रफह में जमीनी हमला शुरू करने की योजना पर काम कर रहा है। गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने वहां शरण ले रखी है।

गुतारेस ने कहा कि आगे कोई भी हमला हालात को और भी बदतर बना देगा। उन्होंने कहा कि हालात सिर्फ फलस्तीनी नागरिकों के लिए बदतर नहीं होंगे, बल्कि बंधकों और क्षेत्र के सभी लोगों के लिए भी खराब होंगे।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल संघर्ष विराम के लिए अमेरिका प्रयोजित प्रस्ताव पर सहमति नहीं बनने के एक दिन बाद यह बात कही। गुतारेस ने गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने में आ रही मुश्किलों के बारे में बताया। अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसी इसके लिए इजराइल को जिम्मेदार बता रही है। उन्होंने कहा, हम मायूसी देख रहे हैं। सीमा के एक ओर रुके हुए ट्रकों की लंबी कतार है और दूसरी तरफ भुखमरी के हालात हैं। मिस्र के उत्तर सिनाई प्रांत के गवर्नर अब्देल फादिल शौशा ने एक बयान में कहा कि करीब सात हजार ट्रक मिस्र से गाजा में प्रवेश करने का इंतजार कर रहे हैं।

गुतारेस ने कहा कि इज़राइल को गाजा तक मानवीय वस्तुओं की पहुंच तय कर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमास की कैद से सभी बंधकों को भी तत्काल छोड़ा जाए। बाद में उन्होंने कहा कि मानवीय संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई एक साथ होनी चाहिए। माना जाता है कि सात अक्टूबर को इज़राइल पर हमले के बाद हमास अपने साथ करीब 100 लोगों को बंधक बना कर ले गया गया था।

मुंबई हमले से आतंकियों को मिला मॉस्को में खून बहाने का आइडिया?

– हमले में अब तक 70 लोगों की मौत, 150 से ज्यादा लोग घायल

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की राजधानी मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए हमले ने रूस को हिलाकर रख दिया है। कॉन्सर्ट हॉल में लोग म्यूजिक शो देखने के लिए जमा थे, इसी दौरान वहां बंदूकधारी आतंकी घुस गए और लोगों के ऊपर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमले में अब तक 70 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 150 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। मॉस्को पर हमले ने एक बार फिर से मुंबई हमले की याद दिला दी है। मॉस्को का आतंकी हमला भी उसी तरीके से किया गया है, जैसे साल 2008 में पाकिस्तान से आए आतंकियों ने मुंबई में खून बहाया था। विशेषज्ञ इस बारे में आशंका जता रहे हैं कि इस्लामिक स्टेट को मॉस्को पर हमले का आइडिया मुंबई के आतंकी हमले से ही मिला हो सकता है। अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल कुगलमैन ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को में आईएसआईएस के भयानक हमले के दृश्य 2008 के मुंबई हमले के समान हैं, जब भारी हथियारों से लैस बंदूकधारियों ने लोगों के बड़े समूहों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। कुगलमैन ने लिखा कि मुंबई के हमले ने ऐसे लोगों को प्रेरित किया।आईएसआईएस-केपी ने किया हमला: मॉस्को पर हमले के लिए आईएसआईएस-केपी को जिम्मेदार माना जा रहा है, जो अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट का सबसे सहयोगी है और इसके पहले यूरोप और मध्य पूर्व में कई हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। हालांकि, मॉस्को पर हमले की जिम्मेदारी आईइस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। माइकल कुगलमैन ने कहा है कि हो सकता है इस्लामिक स्टेट ने आईएसआईएस-केपी की ओर से हमले का दावा किया हो। क्या है आईएसआईएस-केपी: आईएसआईएस-केपी की स्थापना 2015 में पाकिस्तानी तालिबान के असंतुष्ट सदस्यों ने की थी। हालांकि, अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया और इसके कई नेता मारे गए। 2021 में इसके सदस्यों की संख्या आधी घटकर 1500 से 2000 तक हो गई थी। इसी साल अमेरिका ने अफगानिस्तान छोड़ दिया और तालिबान की सत्ता में वापसी हुई, जिसके बाद आईएसआईएस-केपी को नाटकीय रूप से नई हवा मिली। अमेरिकी सेना की वापसी के दौरान आईएसआईएस-केपी ने काबुल में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आत्मघाती विस्फोट किया, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 170 से अधिक नागरिक मारे गए।

पंजाब किंग्स के खिलाफ गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन पर लगी हैं आरसीबी की निगाहें

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 चरण में सिर्फ एक ही मैच खेला है लेकिन इसने उनकी गेंदबाजी की कमजोरी को उजागर कर दिया है जिससे सोमवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच में उन्हें गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इस चरण के शुरूआती मैच में तेज गेंदबाज आंख बंद करके शॉर्ट पिच गेंद फेंकने की रणनीति पर डटे रहे जबकि चेपॉक की पिच पर स्पिनरों के लिए ज्यादा कुछ नहीं था।

आरसीबी के तीन स्पिनरों मयंक डागर, कर्ण शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल ने मिलकर पांच ओवर फेंके और वे बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर सके। इन तीनों ने मिलकर 37 रन देकर महज एक विकेट झटका। वहीं अगर सीएसके के दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा की बात की जाये तो उन्होंने मिलकर आठ ओवर फेंके तथा 57 रन देकर चार विकेट झटके जबकि इस दौरान बल्लेबाजी करना बहुत आसान था। इसलिये आरसीबी के स्पिनरों को यहां छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड पर मुश्किल परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

इस स्टेडियम में ज्यादातर मौकों पर टीम ने एक पारी में 200 से अधिक रन जुटाये हैं और ऐसा 27 दफा हो चुका है तथा इस पिच पर आईपीएल में पहली पारी का औसत स्कोर 172 रहा है। इससे पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी के तेज गेंदबाजों को भी जिम्मेदारी से खेलना होगा। मोहम्मद सिराज, अल्जारी जोसफ और यश दयाल ने सीएसके के खिलाफ एक ओवर में दो बाउंसर डालने के अपने कोटे का पूरा इस्तेमाल किया लेकिन इस दौरान वे अपनी लाइन एवं लेंथ पर लगाम खो बैठे। यह उनके रन देने की गति से भी साफ दिखा। चौथे तेज गेंदबाज कैमरून ग्रीन ने कटर गेंदों का इस्तेमाल किया जिससे उन्हें दो विकेट मिले। पर चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक ही रणनीति पर डटे रहना उनके लिए आत्मघाती होगा और उन्हें समझदारी से अपने बेहतरीन कौशल को इस्तेमाल करने का तरीका ढूंढना होगा।

वहीं आरसीबी ने शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद सीएसके के खिलाफ छह विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी ने 75 रन

पर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन दिनेश कार्तिक और अनुज रावत ने सूझ समझ से खेलकर स्कोर 170 रन के पार कराया। लेकिन हर बार निचला क्रम विश्वसनीय साबित नहीं हो सकता क्योंकि विराट कोहली, कप्तान फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बड़ी पारी खेलनी ही होगी। रजत पाटीदार को भी निश्चित रूप से अच्छी पारी खेलनी होगी जिससे उनसे आगे वाले बल्लेबाजों को थोड़ी मदद मिले। आरसीबी के लिए यह जरूरी भी है क्योंकि पंजाब किंग्स की टीम अच्छी है जो शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके प्रदर्शन से साफ दिखा।

हालांकि पंजाब किंग्स की अपनी ही समस्यायें हैं जैसे जॉनी बेयरस्टो रन नहीं बना पा रहे हैं। वहीं बायें हाथ के तेज गेंदबाज सैम करन अच्छा नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स पर जीत ने उसकी सभी चिंताओं को अस्थायी तौर पर खत्म कर दिया।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम करन, कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी, रिले रोसोऊ।

तब यशस्वी को लगा उनका करियर समाप्त हो गया : कोच ज्वाला

मुम्बई (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल आज भारतीय टीम में अपनी जगह बना चुके हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में हुई टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक लगाकर अपने को साबित किया है। वह इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। यशस्वी आज सफलता की राह पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं पर एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपना करियर खतरे में नजर आने लगा था। तब यशस्वी इतने हताश थे कि कोच से बात करने के दौरान ही रोने लगे थे। उनके बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने कहा, 'जब यशस्वी 2021 में दुबई में हुए आईपीएल से वापस आया तो बेहद परेशान था। उसने मुझे फोन पर ही रोते हुए कहा, 'सर, मेरा क्रिकेट खत्म हो गया है। मुझे नहीं लगता कि मैं ऊंचे स्तर पर तक जा पाउंगा। तब वह ज्यादा आक्रामक खिलाड़ी नहीं था। वह बस कुछ अच्छे शॉट खेलता था। तब कोरोना संक्रमण का दौर था। मैं उसे गोरखपुर ले गया, और मैं उससे कहा कि स्पिनरों के खिलाफ एक बड़े मैदान में जितना हो सके उतने छक्के मारो। कोच ने साथ ही कहा, आप उसमें आज जो प्रगति देख रहे हो वो 2020-21 में ही हो गयी थी। इसलिए कि हमनें प्रैक्टिस की। जब वह आईपीएल के लिए जाता था तो मैं उससे अलग अलग परिस्थितियों में गेंदबाजी कराता था। मैं उसे हर प्वाइंट्स पर शॉट मारने के लिए कहता था। मैं उसे लॉन्ग ऑफ पर छक्के मारने के लिए बोलता था, गेंदबाजों के सिर के उपर से, कवर की तरफ से। इससे वह एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर उभरकर सामने आया।

आईपीएल 2024: चेन्नई में होगा आईपीएल फाइनल, मोटेरा में होंगे दो नॉकआउट मैच

खेल डैस्क । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का फाइनल संभवतः 26 मई को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जायेगा। पता चला है कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक क्वालीफायर और एक एलिमिनेटर आयोजित किया जायेगा जबकि दूसरा क्वालीफायर चेन्नई में होगा। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''आईपीएल संचालन परिषद ने पिछले साल के गत चैम्पियन (चेन्नई सुपर किंग्स) के घरेलू मैदान पर शुरुआती मैच और फाइनल आयोजित करने की

परंपरा का पालन किया है।'' बीसीसीआई ने आम चुनाव की तारीखों को ध्यान में रखते हुए आईपीएल के शेष मैचों के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है और जल्द ही इसे जारी किया जाएगा।

राहुल और पूरन के अर्धशतक बेकार, राजस्थान 20 रन से जीता

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ केएल राहुल (44 गेंदों पर 58 रन, 4 चौके और 2 छक्के) और निकोल्स पूरन (41 गेंदों पर 64 रन, 4 चौके और 4 छक्के) की अर्धशतकीय पारियां बेकार चली गई क्योंकि टीम को 20 रन से हार का सामना करना पड़ा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का चौथा मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए कप्तान संजू सैमसन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 4 विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाते हुए लखनऊ को 194 रन का लक्ष्य दिया है। सैमसन ने 52 गेंदों पर 3 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। सैमसन के अलावा रियान पराग ने 43 रन की प्रभावशाली पारी खेली। इसके जबाव में लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी लखनऊ टीम की शुरूआत खराब रही और टीम ने 22 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद केएल राहुल और निकोल्स पूरन ने अपनी अपनी पारियों से टीम को जीत की उम्मीद दिलाई लेकिन अंत में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

ऋषभ पंत की फॉर्म पर बोले नवजोत सिंह सिद्धू - यह बस समय की बात है

चंडीगढ़ - भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू को भरोसा है कि कार दुर्घटना के बाद लगभग 15 महीने बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही फॉर्म में वापसी कर लेंगे। वह कार दुर्घटना से उबरने और 'रिहैबिलिटेशन' के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे लेकिन वापसी में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहे हैं।

हालांकि शनिवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ पंत 18 रन ही बना सके लेकिन वह विकेटों के बीच रन लेने में फुर्तीले थे। उन्होंने स्टंप के पीछे कैच लपका और एक स्टंपिंग भी की। सिद्धू ने कहा, 'वह दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व कर रहा है और विकेटों के बीच में अच्छी तरह दौड़ रहा है। वह अच्छा क्रिकेट खेल रहा है। वह बस जल्द ही फॉर्म हासिल कर लेगा, यह बस समय की बात है। लेकिन अहम चीज यह है कि भारतीय क्रिकेट को उसका नगीना वापस मिल गया है और मैदान पर उसकी वापसी के लिए हमें भगवान का शुक्रगुजार होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'जब यह कार दुर्घटना हुई थी तो मैंने कार की फोटो देखी थी। सबकुछ जल गया था, कार का कोई भी हिस्सा नहीं बचा था। कोई भी उस तरह की भयावह दुर्घटना से कैसे बच सकता है?' सिद्धू ने कहा, 'फिर उसका ऑपरेशन सफल होगा या नहीं, सब यही सोच रहे थे। लेकिन उनके लिए सब कुछ अच्छा रहा।'

केकेआर के हर्षित को आचार संहिता उल्लंघन भारी पड़ा, 60 फीसदी जुर्माना लगा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है। हर्षित ने यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हर्षित को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के दो अपराधों का दोषी पाया गया। इसी कारण उनपर मैच फीस का 10 फीसदी और 50 फीसदी जुर्माना भी लगाया गया है। इस गेंदबाज पर आईपीएल 2024 मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का कुल 60 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया, राणा ने अपनी दो गलतियों को मान लिया है और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली है। इसलिए इस मामले में आगे सुनवाई की जरुरत नहीं पड़ी है। गौरतलब है कि आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम माना जाता है। राणा ने इस मैच में विरोधी टीम के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के ड्रेसिंग रूम की ओर वापस जाते समय एक फ्लाइंग किस किया जिसे आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है। इस मैच में इस गेंदबाज ने तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

रणजी खिलाड़ियों को मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का तोहफा, वेतन किया दोगुना

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने हाल ही में 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाले सीनियर पुरुष खिलाड़ियों को होली का तोहफा देते हुए उनके वेतन में शतप्रतिशत वृद्धि की घोषणा की है। एमसीए ने कहा कि यह बढ़ोतरी 2024-25 सत्र से प्रभावी होगी। इसके साथ ही एमसीए भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बराबर प्रत्येक खिलाड़ी को मैच फीस का भुगतान करेगा।

बीसीसीआई के नियमों के अनुसार 40 से ऊपर प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले क्रिकेटरों को एक दिन के खेल के लिए 60 हजार रुपए मिलते हैं। वहीं 21-40 मैच खेलने वालों के लिए यह आंकड़ा 50 हजार

रुपए है। 20 से कम मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक दिन का 40 हजार रुपए मिलते हैं। एमसीए ने रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम के लिए पांच करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि की घोषणा की थी। यह बीसीसीआई के भी पुरस्कार राशि से भी अधिक है।

एमसीए के इस कदम से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से गैर अनुबंधित मुम्बई के खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। एमसीए के अध्यक्ष अमोल काले ने यह घोषणा करते हुए कहा, ''जो खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी खेलते हैं, उनकी आमदनी अच्छी होनी चाहिए। मुंबई में रणजी ट्रॉफी और लाल गेंद क्रिकेट का अपना ही महत्व है।% उल्लेखनीय है कि मुंबई के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने भी प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के वेतन और सुविधाएं बढ़ाने की मांग की थी। उन्होंने बीसीसीआई से घरेलू मैच फीस को कम से कम दोगुना या तिगुना करने का अनुरोध किया था। उनका मानना था कि इससे रणजी ट्रॉफी खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ेगी।

रॉबिन उथप्पा ने एमएस धोनी की तुलना रोजर फेडरर से की

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने एमएस धोनी की जमकर तारीफ की, जब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की पारी की आखिरी गेंद पर विकेट के पीछे से शानदार रन आउट किया। धोनी ने उद्घाटन मैच में अनुज रावत को रन आउट किया। 43 वर्षीय क्रिकेटर ने संदेह को खारिज किया और आईपीएल 2023 सीज़न के बाद घुटने की सर्जरी के बावजूद अपनी स्थायी फिटनेस और चपलता से सभी को चकित कर दिया। रॉबिन उथप्पा ने धोनी के समर्पण पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए, उनकी कार्य नीति की तुलना टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर से की। रॉबिन उथप्पा ने बताया, वह निश्चित रूप से ऐसा करता है। उसका घुटना इस समय बिल्कुल नया दिखता है। तथ्य यह है कि वह जॉगिंग कर रहा है और अच्छी तरह से चल रहा है, इससे पता चलता है कि उसने पर्दे के पीछे काफी काम किया है। बिल्कुल फेडरर की तरह। किसी को नहीं पता कि उसके पास किस तरह की कार्य नीति है, लेकिन वह टूर्नामेंट में आता है और वास्तव में अच्छा दिखता है। एमएस ऐसा कर रहा है। उथप्पा ने कहा कि कैसे धोनी ने फिटनेस पर लौटने के लिए कुछ टेनिस सत्रों का उपयोग किया, जबकि वह पिछले साल घुटने की सर्जरी के बाद रिकवरी की राह पर थे। उथप्पा ने कहा, वह अच्छे दिख रहे हैं, देखने से स्वस्थ और मजबूत लग रहे हैं, अच्छी बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा था, सीएसके धोनी को व्हीलचेयर पर खेलाएगी। लेकिन, मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। मैं इससे खुश हूं। वह खुद को फिट रखने के लिए टेनिस और पैडल टेनिस खेल रहे हैं। वह इस समय अच्छे दिख रहे हैं।

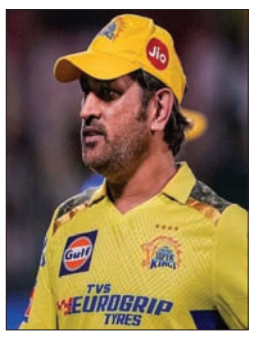

मेसी के नाम पर आतंकियों ने 90 साल की क्यूनियो को छोड़ा , सेल्फी खिंचाई

तेल अवीव । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की लोकप्रियता इस कदर है कि आतंकी भी उनके प्रशंसक हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इजरायल की एक बूढ़ी महिला ने मेसी का नाम लेकर आतंकियों से अपनी जान बचायी। 90 साल की एस्थर क्यूनियो ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमले के दौरान दो हमास आतंकी उनके घर में घुस आए थे। इस दौरान महिला ने उन बंदूकधारियों से जब कहा कि मैं वहीं से हूं, जहां के मेसी हैं तो वह प्रभावित हो गये। मेसी का नाम सुनते ही हमास के आतंकी बंदूक रखकर उनके साथ तस्वीर खिंचाने लग गये। क्यूनियो ने बताया कि उस दिन गाजा सीमा के पास हमास के आतंकवादियों ने जोरदार हमला किया था। इजरायली नागरिकों की हत्या की जा रही थी, जिसमें किबुत्ज नीर ओज भी शामिल था। इसी जगह पर एस्थर क्यूनियो रह रही थीं। हालांकि, क्यूनियो का जन्म अर्जेंटीना में हुआ था। उन्होंने इन हमलों को लेकर एक नई डॉक्यूमेंट्री में उस भयावह घटना के बारे में बताया है। इस बूढ़ी महिला ने बताया कि 7 अक्टूबर को हमास के दो हथियारबंद आतंकवादी उनके घर में घुस गए और पूछने लगे कि उनके परिवार के बाकी लोग कहा हैं। इस पर महिला ने कहा, मुझसे बात मत करो, क्योंकि मैं तुम्हारी भाषा नहीं जानती। तुम अरबी बोलते हो और मैं खराब हिब्रू बोलती हूं। महिला ने कहा, मैं अर्जेंटीनियन स्पेनिश ही बोल सकती हूं। इस पर हमास के उन दोनों आतंकवादियों ने पूछा, ये अर्जेंटीना क्या है? इस पर महिला ने अपनी टूटी-फूटी हिब्रू, स्पैनिश और इशारों के साथ हमास के आतंकवादियों से बात करते हुए मेसी की ओर संकेत किये। महिला ने हमास के उन दोनों आतंकवादियों से कहा, क्या तुम फुटबॉल देखते हो? इस पर आतंकियों ने कहा, हां, हां, मुझे फुटबॉल पसंद है। इस पर महिला ने कहा कि वह उस देश से हैं, जहां से मेसी हैं। इतना सुनते ही एक हमास आतंकी उस महिला पर झुक गया। उसने अपनी असॉल्ट राइफल उनकी गोद में रख दी और दूसरे आतंकी ने उनकी फोटो खींची। इसके बाद वे दोनों आतंकी महिला के घर से चले गए।

स्विस ओपन बैडमिंटन से बाहर हुए श्रीकांत

बासेल । भारत के शीर्ष पुरुष बैडमिंट खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। श्रीकांत को सेमीफाइनल में ताइवान के लिन चुन यि के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ील श्रीकांत को शुरुआत में एक गेम की बढ़त मिली थी पर इसके बाद वह अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख पाये। एक घंटे पांच मिनट तक चले अंतिम चार मुकाबले में लिन ने 21-15 9-21 18-21 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार से 210,000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय टीम की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं।

कनेरिया ने बदायूं में दो बच्चों की हत्या मामले पर कड़ी नाराजगी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान टीम के पूर्व क्रिकेटर कनेरिया ने बदायूं में दो बच्चों की हत्या के मामले में कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि ये बेहद शर्मनाक कांड है। कनेरिया सोशल मीडिया पर खासे सक्रिय रहते हैं और हर मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते रहते हैं। कनेरिया ने हाल ही में लागू हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का भी समर्थन किया था। कनेरिया ने बदायूं में हुए दौहरे हत्याकांड को वीभत्स करार दिया। इसको लेकर कनेरिया का ट्वीट भी जमकर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की निर्मम हत्या कर दी गई थी, ये दोनो ही भाई थे। इस मामले में दो लोगों साजिद और जावेद पर आरोप थे।

आईपीएल 2024 : केकेआर ने सनराइजर्स को चार रनों से हराकर जीत से शुरुआत की

-क्लासेन का अर्धशतक गया बेकार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने यहां आईपीएल 2024 सत्र की शुरुआत जीत के साथ की है। घरेलू मैदान पर खेलते हुए केकेआर ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएस) को एक रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से हरा दिया। इस मैच में सनराइजर्स को जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य मिला था। इसका पीछा करते हुए वह सात विकेट पर 204 रन ही बना पायी। सनराइजर्स की ओर से क्लासेन ने तेजी से खेलते हुए 29 गेंदों पर 63 रन बनाए पर वह अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये।

अंतिम ओवर में सनराइजर्स को जीत के लिए 13 रन बनाने थे। पहली गेंद पर ही क्लासेन ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने अगली गेंद पर एक रन बनाया। इसके बाद तीसरी गेंद पर हर्षित ने शाहबाज अहमद को पेवेलियन भेज दिया। अब टीम को तीन गेंदों पर 6 रन बनाने थे। इसके बाद चौथी गेंद पर जानसेन ने एक रन लिया। जिससे स्ट्राइक क्लासेन को मिल गयी। क्लासेन ने पांचवीं गेंद पर छक्का मारने का प्रयास किया पर गेंद हवा में आ गयी और सुयश शर्मा ने एक शानदार कैच लेकर सनराइजर्स की उम्मीद तोड़ दी।

क्लासेन ने अपनी 63 रनों की पारी में आठ छक्के लगाए। एक समय सनराइजर्स ने 150 रनों के अंदर ही अपने पांच विकेट खो दिये थे पर इसके बाद क्लासेन ने पारी संभाली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। केकेआर की ओर से हर्षित राणा ने तीन जबकि आंद्रे रसेल ने दो विकेट लिए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने की शुरुआत बेहद खराब रही। वेंकटेश अय्यर 7, सुनील नरेन 2 ही बनाय पाये। कप्तान श्रेयस अय्यर की वापसी भी बेकार रही। वह अपना खाता भी नहीं खोल पाये। इसके बाद फिल साल्ट और रमनदीप सिंह ने पारी संभाली।साल्ट ने तीन चौके और इतने ही छक्के लगाकर 53 रन बनाए। वहीं रमनदीप ने 35 रन बनाये।

आंद्र रसेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर स्कोर को सात विकेट पर 208 रनों तक पहुंचाया। रसेल और रिंकू सिंह 23 के बीच सातवें विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी हुई। रसेल ने 25 गेंदों पर नाबाद 63 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल रहे। सनराइजर्स की ओर से टी. नटराजन से सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए.

आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से जानते हैं, यह बड़ी खुशी है

पंकज त्रिपाठी इंडस्ट्री के नामी अभिनेता हैं। कोई भी किरदार वे पूरी शिद्दत से अदा करते हैं। उन्होंने वर्ष 2004 में फिल्म रन से डेब्यू किया। हालांकि, इंडस्ट्री में अपनी पहचान कायम करने में पंकज त्रिपाठी को काफी वक्त लग गया। फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से वे दर्शकों की नजरों में आए। इसमें सुल्तान कुरैशी के रूप में पंकज त्रिपाठी की भूमिका को काफी सराहा गया। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म के भी चहेते स्टार बन चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर पर बात की। पंकज त्रिपाठी का कहना है, अगर आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से पुकारते हैं तो यह मुझे बेहद अच्छा लगता है। हालांकि, शुरुआत में करीब छह-सात साल पहले मुझे बुरा लगता था, जब लोग मेरा नाम नहीं जानते थे। अभिनेता ने आगे बताया, लोग पूछते थे, आप एक्टर हो, उस फिल्म में सुल्तान का रोल किया था। मेरी हमेशा से ख्वाहिश थी कि लोगों को मेरा नाम मालूम हो और आज, हर कोई मेरा नाम जानता है। वे मेरे किरदारों से इतना प्यार करते हैं कि वे जान-बूझकर मुझे निभाए किरदार के नामों से बुलाते हैं। आज परिस्थितियां पंकज त्रिपाठी के पक्ष में हैं। इसके बावजूद वे मानते हैं कि आज उनका सबसे बड़ा संघर्ष उन उम्मीदों का बोझ है, जो दर्शकों ने बांध रखी हैं। अभिनेता के मुताबिक, लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इतना सम्मान है, इमोशनल हो जाता हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो इस साल पंकज त्रिपाठी पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी की बायोपिक मैं अटल हूं में नजर आए। अब वे चर्चित सीरीज मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। इसके दो सीजन में कालीन भैया के रूप में उन्हें खूब पसंद किया गया है।

भाई इब्राहिम को बॉलीवुड डेब्यू से पहले सारा ने दी ये सलाह

सारा अली खान इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने छह साल के करियर में सारा दर्शकों के दिल में खास जगह बना ली है। दादी शर्मिला टैगोर, पिता सैफ अली खान और मां अमृता के नक्शेकदम पर चलते हुए सारा ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। अब सारा के बाद उनके भाई इब्राहिम अली खान अपने इस विरासत को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। इब्राहिम अली खान बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे है। इब्राहिम के डेब्यू को लेकर सारा ने उन्हें एक सलाह दी है, जिसका जिक्र उन्होंने एक साक्षात्कार में किया। सारा ने इब्राहिम के डेब्यू को लेकर कहा, उसका भाग्य और प्रतिभा पूरी तरह से उसकी अपनी हैं। सारा ने इब्राहिम की परवरिश के बारे में बात करते हुए कहा, वह जमीन से जुड़ा हुआ इंसान है। वे अपने चुने हुए रास्ते से नहीं भटकेगा। मेरी मां कहती हैं कि आप चाहे कितनी भी दूर क्यों न भटक जाए, अंत में आपको अपनों के पास ही लौट आएंगे। डेब्यू से पहले इब्राहिम अली खान को सलाह के तौर पर सारा ने कहा, काम और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। आपको हमेशा अपने मूल्यों के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। गौरतलब है कि इब्राहिम धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म सरजमीन के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे

हैं। इस फिल्म में इब्राहिम के साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें इब्राहिम खुशी कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। वहीं, अगर सारा अली खान की बात करें चो वे हाल ही में रिलीज हुए ए वतन मेरे वतन को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता का किरदार निभाया है। फिल्म में इमरान हाशमी स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया का किरदार में नजर आए है। इसके अलावा सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव जैसे कलाकार भी फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। सारा की अपकमिंग फिल्मों के बारे में बात करें तो वे अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो इन दिनो में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वे आदित्य रॉय कपूर, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी।

प्रतीक-विद्या बालन की दो और दो प्यार का पोस्टर जारी

अभिनेत्री विद्या बालन और प्रतीक गांधी फिल्म दो और दो प्यार में स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। फिल्म में इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति भी अहम किरदार में हैं। आज मेकर्स ने सभी सितारों के फर्स्ट लुक साझा किए हैं। शीर्षा गुहा ठाकुरता के निर्देशन में बनी यह फिल्म अगले महीने रिलीज होगी। आज पोस्टर जारी करने के साथ ही इसकी टीजर रिलीज डेट का खुलासा भी किया गया है। विद्या बालन की इस फिल्म का टीजर कल गुरुवार को जारी किया जाएगा। दो और दो प्यार अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 19 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में विद्या बालन काव्या की भूमिका में नजर आएंगी। साझा किए गए पोस्टर में वह कार में बैठी खिड़की से झांकती नजर आ रही हैं। उनका लुक देखकर लग रहा है कि फिल्म में वह गंभीर भूमिका अदा करती नजर आ सकती हैं। अभिनेता प्रतीक गांधी काफी मासूम और चंचल किरदार में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में वे एनी के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, जारी किए गए पोस्टर में सेंथिल राममूर्ति काफी समझदार नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह विक्रम की भूमिका में दिखेंगे। इलियाना डिक्रूज भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में वह नोरा के किरदार में दिखेंगी। उनका भी फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया है, जिसमें अभिनेत्री ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं। बता दें कि पहले इस फिल्म को 29 मार्च को रिलीज किया जाना था। लेकिन, बाद में इसकी रिलीज डेट बदलकर अप्रैल में रखी गई।

सलमान के साथ फिल्म निर्देशित करना चाहती हैं अलीजेह अग्निहोत्री

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने फर्रे के साथ अपने करियर की शुरुआत की है। इस फिल्म में दर्शकों को उनकी एक्टिंग काफी पसंद आई थी। अलीजेह ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वह अभिनेत्री नहीं, तो एक निर्देशक बनतीं। उनसे पूछा गया कि क्या वह अपने मामा सलमान के साथ फिल्म बनाना चाहेंगी, इस पर उन्होंने हां बिल्कुल सलमान खान के बार में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, सलमान मामू के आसपास रहना अच्छा है, क्योंकि वो याद दिलाते हैं कि आपको दिल से जवान रहना है अलीजेह ने कहा, वो बच्चे ही हैं अभी तक तो कभी-कभी उनके साथ रह के मुझे ऐसा लगता है कि मैं बड़ी हो गई हूं।

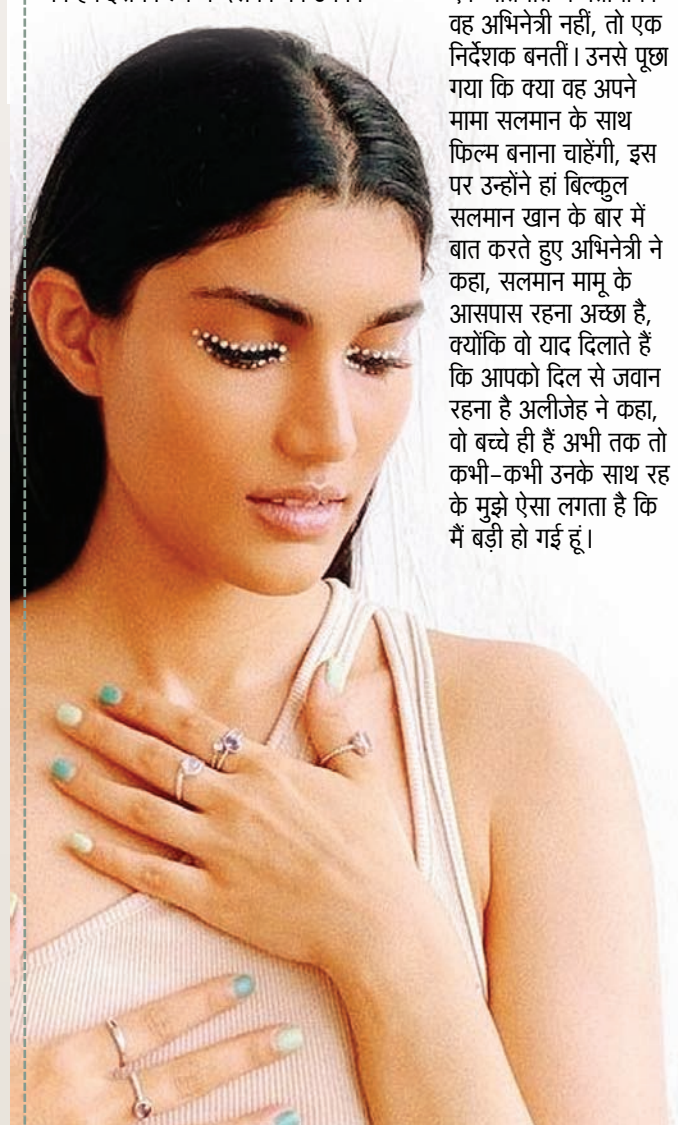

राम चरण की फिल्म में हुई संजय दत्त की एंट्री

इस बात की पहले ही पुष्टि हो चुकी है कि फिल्म में कन्नड़ स्टार शिवा राजकुमार नजर आएंगे। इस बीच फिल्म को लेकर एक नया अपडेट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में संजय दत्त की एंट्री हो गई है। राम चरण की फिल्म आरसी 16 इन दिनों सुर्खियों में है।

फिल्म में जान्हवी कपूर मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने वाली हैं। देवरा के बाद यह उनकी दूसरी तेलुगु फिल्म है। फिल्म का निर्देशन उप्पेना फेम बुच्ची बाबू कर रहे हैं। राम चरण के साथ यह उनकी पहली फिल्म है। बीते दिन इस फिल्म का भव्य लॉन्च हैदराबाद में हुआ। इस दौरान कई मशहूर हस्तियां नजर आईं।

आरसी 16 में संजय दत्त की एंट्री

इस बात की पहले ही पुष्टि हो चुकी है कि फिल्म में कन्नड़ स्टार शिवा राजकुमार नजर आएंगे। इस बीच फिल्म को लेकर एक नया अपडेट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में संजय दत्त की एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म में वे अहम भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो संजय दत्त को फिल्म की स्क्रिप्ट काफी ज्यादा पसंद आई है। साथ ही, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फिल्म को साइन करने के बाद अभिनेता ने नाम की आधिकारिक घोषणा कर साउथ की इन फिल्मों में नजर आएंगे। संजय दत्त अब तक कई साउथ की फिल्मों में नजर आ चुके हैं। केजीएफ चैप्टर 2 में उनके अभिनय की जमकर सराहना हुई थी। वहीं, लियो में भी उनकी अदाकारी ने उन्हें दक्षिण भारत में और अधिक लोकप्रिय बना दिया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो संजय इन दिनों कई दक्षिण भारतीय फिल्मों का हिस्सा हैं। वे प्रभास की आगामी फिल्म राजा साब में नजर आने वाले हैं। साथ ही, वे राम पोथिनेनी की डबल आईस्मार्ट में भी दिखेंगे। फैंस को उनकी इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है।

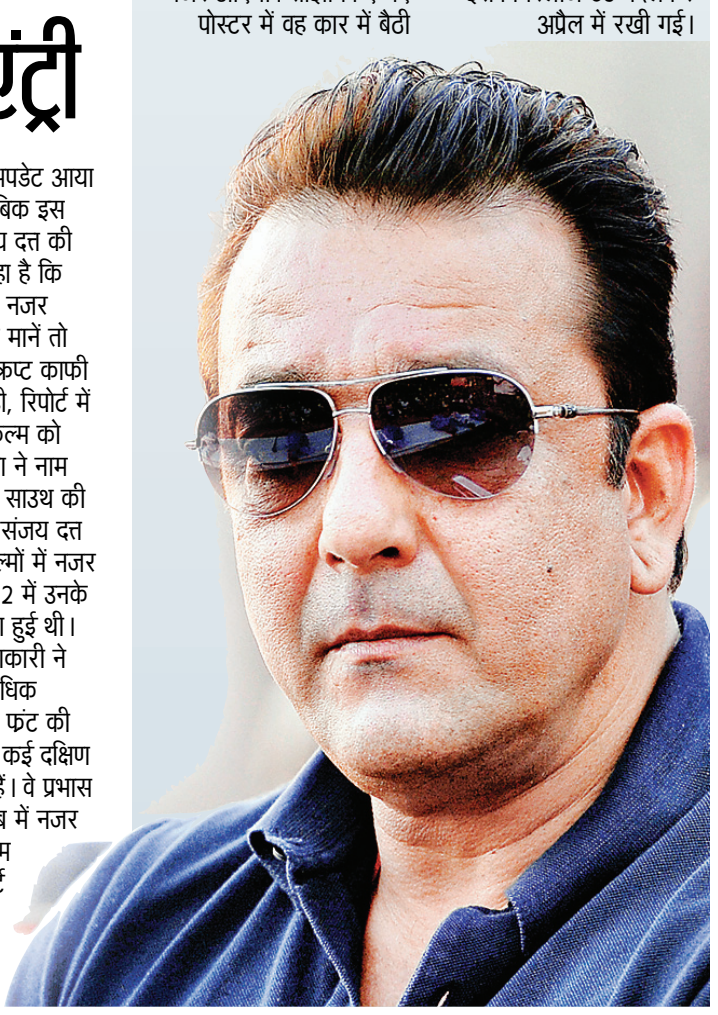

करीना को दीपिका से बेहतर कलाकार मानते हैं इम्तियाज अली

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म जब वी मेट को कल्ट फिल्मों में शुमार किया जाता है। इस फिल्म में करीना कपूर खान गीत नाम की एक लड़की की भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में उनके किरदार को लोगों ने बेशुमार प्यार दिया। आज भी दर्शक इस किरदार को अपने जहन से अगल नहीं कर सके हैं। साल 2007 में आई जब वी मेट को इस युग के सर्वश्रेष्ठ रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में से एक माना जाता है। हाल ही में एक साक्षात्कार में जब इम्तियाज से जब वी मेट की करीना और कॉकटेल की दीपिका पादुकोण के बीच बेहतर कलाकार चुनने के लिए कहा गया तो निर्देशक को चुनाव करते हुए असमंजस में देखा गया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने करीना का नाम लिया। इस बातचीत में जब इम्तियाज से जब वी मेट और कॉकटेल में से बेहतर फिल्म चुनने के लिए कहा गया तो उन्होंने जब वी मेट का नाम लिया। फिल्म कॉकटेल का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया था और इसकी पटकथा इम्तियाज ने लिखी थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी ने अभिनय किया था। जब इम्तियाज से जब वी मेट में करीना और कॉकटेल में दीपिका में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया तो इम्तियाज ने कहा, यह कहना काफी कठिन है, लेकिन मैं करीना का नाम लूंगा। इसके पीछे की वजह का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि वे उस फिल्म के निर्देशक थे, इस वजह से उन्होंने उनका नाम लिया। जब वी मेट की वजह से करीना पूरे देश में लोकप्रिय हैं। फिल्म जाने जां के प्रचार के दौरान उन्होंने इस बात का उल्लेख किया था कि उन्हें गीत और पू जैसे किरदारों की वजह से ज्यादातर लोग जानते हैं। फिल्म जब वी मेट बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इसके बावजूद करीना और इम्तियाज दोनों ने दोबारा साथ काम नहीं किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म चमकीला जल्द ही रिलीज होने जा रही है। यह पंजाबी गायक

अमर सिंह चमकीला की बायोपिक है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

लव एंड वॉर को लेकर फूले नहीं समा रहे विक्की

इंडस्ट्री के टॉप एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाले हैं। लव एंड वॉर में विक्की के साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी मुख्य भूमिका में हैं।

हाल ही में एक साक्षात्कार में विक्की इस फिल्म को लेकर बात की साक्षात्कार में विक्की ने कहा संजय लीला भंसाली के निर्देशन में काम करने के लिए उत्साहित हूं। संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा है। विक्की ने आगे कहा, मुझे संजय लीला भंसाली की फिल्में पसंद है, मैं उनसे बेहद प्यार करता हूं।